@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार 22 जून 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 222 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

तनाव से गुजर रही दुनिया के लिए पॉज बटन जैसा है योग

- विशाखापट्टनम में बोले पीएम मोदी,राजनयिकों के साथ किया योग

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। दुनियाभर में शनिवार को 11वां योग दिवस मनाया गया। पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिक के साथ योग किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि योग का मतलब होता है-जोड़ना। और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है। मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया में अशांति, तनाव और अस्थिरता बढ़ रही है, तो योग शांति की दिशा दिखाता है। यह पॉज बटन जैसा। पीएम के साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने भी योग किया। इस बार की योग की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है। इंडियन काउंसिल फॉर कल्चर रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1,300 जगहों पर 2,000 से ज्यादा योग कार्यक्रम हुए। पीएम मोदी ने कहा- आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी ब्रेल में योग शास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं।

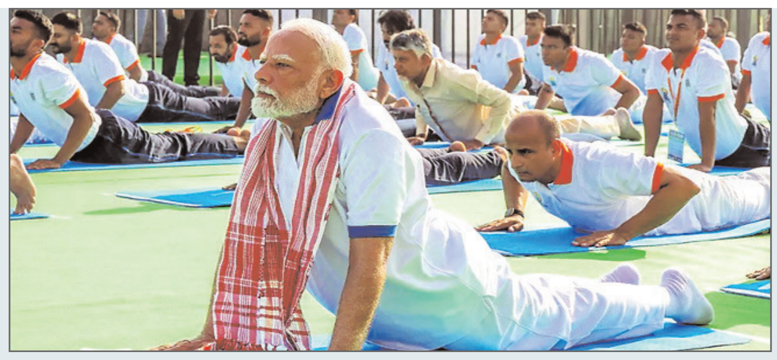

गांव-गांव में युवा साथी योग ओलिंपियाड में भाग लेते हैं। पीएम ने कहा कि अभी नेवी के जहाज में भी योगा कार्यक्रम चल रहा है। चाहे ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों, या एवरेस्ट की चोटियां, या समुंदर का विस्तार हो एक ही संदेश आता है कि योग सभी का है और सभी के लिए है। पीएम ने कहा कि साथियों दुर्भाग्य से दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से गुजर रही है। कई क्षेत्रों में यह स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही हैं।

एयर इंडिया पर डीजीसीए का सख्त ऐक्शन शुरू

- कहा-तीन सीनियर अधिकारियों को तुरंत हटाओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बार-बार फ्लाइट के गड़बड़ी के चलते एयर इंडिया पर ऐक्शन हो गया है। यह ऐक्शन डीजीसीए ने क्रू शेड्यूलिंग में गड़बड़ी के चलते लिया है। डीजीसीए ने एयर इंडिया को अपने तीन सीनियर अधिकारियों को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। ये अधिकारी रोस्टरिंग विभाग में काम कर रहे थे। एयरलाइन ने कहा है कि उसे डीजीसीए का आदेश मिल गया है और उसे लागू कर दिया गया है। डीजीसीए ने एयर इंडिया को कहा है कि वह तीनों अधिकारियों को क्रू शेड्यूलिंग से जुड़े सभी कामों से हटा दे। डीजीसीए के अनुसार, ये तीनों अधिकारी कई गलत कामों में शामिल थे। इनमें बिना अनुमति के क्रू की जोड़ी बनाना, लाइसेंस नियमों का उल्लंघन करना और फ्लाइट क्रू की ट्रेनिंग पूरी न करना शामिल है। डीजीसीए ने इसे शेड्यूलिंग और निगरानी में सिस्टम की विफलता बताया है। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल कंपनी के चीफ ऑपरेशंस ऑफीसर सीधे इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर की निगरानी करेंगे।

- ईरान युद्ध में इज़रायल को लगेगा बहुत बड़ा झटका

चीन और रूस ने यूनाइटेड फ्रंट बनाने का दिया प्रस्ताव

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान की हिफाजत के लिए रूस और चीन ने यूनाइटेड फ्रंट बनाने की घोषणा की है। सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश भेजा गया है। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल की जिस लड़ाई में अमेरिका एंट्री करने की कोशिश कर रहा है, उसे कम करने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति से आह्वान किया है। गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई टेलीफोन पर बातचीत के दौरान यह फैसला हुआ।

रूस भी नहीं टूटने देना चाहता ईरान का किला

रूस के लिए भी ईरान काफी महत्वपूर्ण देश है। रूस ने भी इजरायल-ईरान संघर्ष को रोकने के लिए बतौर मध्यस्थ खुद को पेश किया है। चीन की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि पुतिन के साथ बातचीत के दौरान शी जिनपिंग ने तनाव कम करने के लिए चार प्रस्ताव रखे हैं। जिनमें ईरान के साथ परमाणु मुद्दे पर बातचीत और नागरिक सुरक्षा को सबसे आगे रखा गया है। इस बीच, शी जिनपिंग के विदेश मंत्री वांग यी ने फोन पर ईरान के समर्थन में ईरान और इजरायल के साथ साथ मिस्र और ओमान के विदेश मंत्रियों से बात की है।

ईरान के साथ आए चीन और रूस

शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन के बीच टेलीफोन पर उस वक्त बात हुई है जब कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है की चीन के कई एयरक्राफ्ट ईरान में उतरे हैं। आशंका जताई गई है कि चीन ने ईरान में हथियार भेजे हैं। हालांकि हम इसकी पुष्टि नहीं कर रहे हैं। चीन लंबे वक्त से अमेरिका को मिडिल ईस्ट में अस्थिरता के लिए जिम्मेदार मानता आया है। चीन के कई पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स का मौजूदा युद्ध को लेकर भी अमेरिका पर आरोप लगा रहे हैं। शंघाई इंटरनेशनल स्टडीज यूनिवर्सिटी के मिडिल ईस्ट एक्सपर्ट लियू झोंगमिन ने मौजूदा हालातों के लिए डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि ट्रंप की वजह से मिडिल ईस्ट में अस्थिरता और अराजकता की स्थिति फैल गई है। उन्होंने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व में अमेरिकी नीति के अधिकार और विश्वसनीयता को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है।

राहुल ने मेक इन इंडिया को असेंबल्ड इन इंडिया कहा

- बोले-मैन्युफैक्चरिंग 10 साल में सबसे नीचे,बेरोजगारी सबसे ज्यादा, मोदी सिर्फ नारे उछाल रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दो स्किल्ड युवाओं शिवम और सैफ से मुलाकात की। इसका वीडियो उन्होंने एक्स पर शेयर किया। इसमें उन्होंने पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया स्कीम पर सवाल उठाए। वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा- मेक इन इंडिया स्कीम से देश में प्रोडक्शन बढ़ाने का दावा किया गया था, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग रिकॉर्ड निचले स्तर पर है और बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। 2014 से देश में मैन्युफैक्चरिंग 14 फीसदी घटी है और चीन से इम्पोर्ट दोगुना हुआ है। उन्होंने लिखा- मोदी जी ने समाधान नहीं, नारे लगाने की कला में महारत हासिल की है।

ऑपरेशन सिंधु: 290 भारतीयों को लेकर तीसरी विशेष फ्लाइट दिल्ली पहुँची

-वतन वापसी पर यात्रियों ने लगाए हिंदुस्तान जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इज़रायल संघर्ष के बीच केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे ÷ऑपरेशन सिंधु÷ ने शनिवार को एक और अहम पड़ाव पार कर लिया। तेहरान से रवाना हुई तीसरी विशेष उड़ान तड़के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारी गई, जिसमें 290 भारतीय नागरिक सवार थे। ईरान से वतन वापसी पर टर्मिनल से बाहर निकले यात्रियों ने हिंदुस्तान जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारों से आसमान को गुंजायमान कर दिया।

भारत लौटे इन यात्रियों में सबसे अधिक 190 लोग केंद्र-शासित जम्मू-कश्मीर से हैं; शेष हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के निवासी हैं।

विदेश मंत्रालय में सचिव (सीपीवी एवं ओआईए) अरुण कुमार चटर्जी ने हवाई अड्डे पर मीडिया को बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे लिए भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऑपरेशन सिंधु

शुरू हुए अभी तीन दिन ही हुए हैं और हम पहले ही 500 से अधिक नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश पहुँचा चुके हैं। इस अवसर पर चटर्जी ने आर्मेनिया और तुर्कमेनिस्तान का विशेष आभार जताते हुए कहा कि इन देशों ने भारतीयों की निर्बाध आवाजाही में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है।

युद्ध की दहशत के बीच वतन लौटे यात्रियों ने भारत सरकार के प्रबंधों की सराहना की है। ईरान से लौटीं एलिया वतूल ने मीडिया के समक्ष कहा, कि वहाँ हालात अनिश्चितता वाले थे, लेकिन हमें भारत सरकार ने पाँच सितारा स्तर की सुविधा और सतत हौसला दिया है। हमें विश्वास था कि सही-सालामत लौटेंगे– और आज वही हुआ। वहीं मौलाना सैय्यद मोहम्मद सईद ने कहा, कि दूतावास ने तुरंत हमें सेफ़ ज़ोन में पहुँचाकर राहत प्रदान की और फ्लाइट का इंतज़ाम किया; हम प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री के शुक्रगुज़ार हैं।

इसके साथ ही चटर्जी ने आगे बताया कि ईरान और इज़रायल में रह रहे शेष भारतीयों को दूतावास की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करने को कहा गया है। उन्होंने कहा, सूची पूरी होते ही अतिरिक्त इवैक्यूएशन फ्लाइट्स तैनात की जाएँगी; कई एयरलाइनों से बातचीत चल रही है। जब तक हर इच्छुक भारतीय स्वदेश नहीं लौट जाता, ऑपरेशन सिंधु जारी रहेगा।

ईरान में 10 हजार से अधिक भारतीय हैं मौजूद

सरकारी आँकड़ों के अनुसार, ईरान में अब भी लगभग 10,765 भारतीय मौजूद हैं, जिनमें छात्र, तीर्थयात्री, कामगार और व्यवसायी शामिल हैं। नौसेना तथा वायुसेना सतर्क निगरानी बनाए हुए हैं; आवश्यकता पड़ने पर समुद्री मार्ग से भी बड़े स्तर पर निकासी अभियान शुरू किया जा सकता है। विदेश मंत्रालय ने ईरान-इज़राइल क्षेत्र में बसे सभी भारतीयों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें, स्थानीय अधिकारियों व भारतीय मिशनों के संपर्क में रहें और आधिकारिक दिशानिर्देशों का पालन करें।

अब एयरलिफ्ट कराया जाएगा ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

- *14 जून से केरल में है खड़ा,हाइड्रोलिक में आई है खराबी*

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। एक हफ्ते पहले केरल के तिरुअनंतपुरम हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करने वाले ब्रिटिश रायल नेवी के एफ-35बी लड़ाकू विमान में अब हाइड्रोलिक खराबी आ गई है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इसे संभवतः एक सैन्य परिवहन विमान से वापस ब्रिटेन ले जाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार विमान को पुनर्प्राप्त करने के लिए एक बड़ा रखरखाव दल आने की उम्मीद है और यदि आवश्यक हुआ, तो इसे सैन्य परिवहन विमान से वापस ले जाया जा सकता है। भारतीय वायुसेना विमान की समस्या को ठीक करने और इसके बाद की वापसी के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। अधिकारियों ने कहा, कुछ दिन पहले, ब्रिटिश नौसेना का एफ-35बी लड़ाकू विमान कम ईंधन के कारण आपात लैंडिंग करने पर मजबूर हुआ था। इसके बाद भारतीय वायु सेना ने सभी आवश्यक सहायता प्रदान की, जिसमें ईंधन भरना भी शामिल था। हालांकि, जब विमान वापस जा रहा था, तो इसमें हाइड्रोलिक खराबी आ गई और यह वापस नहीं जा सका।

बिहार चुनाव से पहले नीतिश ने चला बड़ा दांव

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने महिला संवाद के मौके पर बड़ा ऐलान किया है। राज्य में सभी प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन में भारी बढ़ोतरी की गयी है। बुजुर्गों के साथ सभी कोटि के लाभूकों को अब 400 के बदले 1100 रुपए प्रति माह मिलेंगे। हर माह की दस तारीख को इसका भुगतान कर दिया जाएगा। सोशल मीडिया पर पोस्ट पर पोस्ट कर सीएम ने इसकी जनकारी दी है। बिहार में लंबे समय से इसकी मांग की जा रही थी। जुलाई महीने से नए दर से पेंशन का भुगतान शुरू हो जाएगा। जीविका दीदियों को भी अब समूह लोन के तौर पर तीन लाख की जगह पांच लाख तक की राशि दी जाएगी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार बनने पर इसे 1500 तो प्रशांत किशोर ने 2000 करने का ऐलान किया था। नीतिश कुमार ने फेसबुक पर पोस्ट किया है कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत विधवा महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को अब हर महीने 1100 रुपए पेंशन मिलेगी।

मोदी सरकार की 'विदेश नीति' पर जमकर बरसीं सोनिया

- पूछा-गाजा में तबाही और अब ईरान के खिलाफ चुप्पी क्यों
- पश्चिम एशिया पर भारत के सैद्धांतिक रुख को त्यागा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने शनिवार को मोदी सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने गाजा की स्थिति और इजराइल-ईरान सैन्य संघर्ष पर चुप्पी साधते हुए भारत के नैतिक और पारंपरिक रुख से दूरी बना ली है। मूल्यों को भी ताक पर रख दिया है। सरकार को बोलना चाहिए और पश्चिम एशिया में संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए उपलब्ध हर राजनयिक माध्यम का उपयोग करना चाहिए। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने अंग्रेजी अखबार के लिए लिखे एक लेख में आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने इजराइल और फलस्तीन के रूप में दो राष्ट्र वाले समाधान से जुड़े भारत के सैद्धांतिक रुख को त्याग दिया है। सोनिया गांधी ने लेख में कहा कि ईरान भारत का लंबे समय से मित्र रहा है। गहरे सभ्यतागत संबंधों से हमारे साथ जुड़ा हुआ है। इसका जम्मू-कश्मीर समेत महत्वपूर्ण मौकों पर दृढ़ समर्थन का इतिहास रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि वर्ष 1994 में ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत की आलोचना करने वाले एक प्रस्ताव को रोकने में मदद की थी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि वास्तव में इस्लामी गणतंत्र ईरान अपने पूर्ववर्ती ईरान के शाह शासन की तुलना में भारत के साथ कहीं अधिक सहयोगी रहा है।

विरोधियों की समस्या का हल लाया चुनाव आयोग, पैसा दो, ईवीएम की जांच करा लो

अब उम्मीदवार चाहें मॉक पोल भी करवा सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। बार-बार विपक्षी दलों द्वारा ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने पर अब चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, चुनाव आयोग ने ईवीएम की जांच के नियमों में बदलाव किया है। अब जो उम्मीदवार चुनाव में दूसरे या तीसरे नंबर पर रहे, वे भी ईवीएम की जांच करवा सकते हैं। पहले सिर्फ एक सामान्य जांच होती थी। अब उम्मीदवार चाहें मॉक पोल भी करवा सकते हैं।

पहले, 1 जून 2024 को जारी नियमों के अनुसार, ईवीएम की जांच एक साथ होती थी। इसमें बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट शामिल थे। जांच भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) या इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के इंजीनियर करते थे। तब मॉक पोल की सुविधा नहीं थी।

लेकिन, अब 17 जून 2025 को चुनाव आयोग ने नए नियम जारी कर दिए है। अब ईवीएम की जांच के लिए उम्मीदवारों को अलग-अलग शुल्क देना होगा। अगर उम्मीदवार सिर्फ ईवीएम की जांच करवाना चाहते हैं, तब उन्हें 23,600 रुपये देने होगा। इसमें 18 प्रतिशत जीएसटी भी शामिल है। अगर वे मॉक पोल भी करवाना चाहते हैं, तब उन्हें 47,200 रुपये देना होगा। यह पैसा ईवीएम बनाने वाली कंपनी को देना होगा।

अगर जांच में ईवीएम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तब उम्मीदवार को पैसे वापस मिल जाएंगे। यह खर्च केंद्र या राज्य सरकार उठाएगी। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि चुनाव किसका था। जो उम्मीदवार चाहें, वे नतीजे आने के सात दिन के अंदर ईवीएम की जांच के लिए आवेदन कर सकते हैं। वे हर विधानसभा क्षेत्र में 5 प्रतिशत ईवीएम की जांच करवा सकते हैं। इसमें बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट शामिल है। उम्मीदवार यह जांच ईवीएम में किसी तरह की छेड़छाड़ या बदलाव देखने के लिए करवा सकते हैं।

नए नियमों के अनुसार, मुख्य चुनाव अधिकारी को ईवीएम जांच के आवेदनों की लिस्ट मशीन बनाने वाली कंपनियों को भेजनी होगी। अब यह लिस्ट नतीजे आने के 30 दिन के बजाय 15 दिन के अंदर भेजनी होगी। एक और महत्वपूर्ण फैसले में, चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान बनाए गए वीडियो और फोटो को लेकर चिंता जाहिर की है। आयोग को डर है कि इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है।

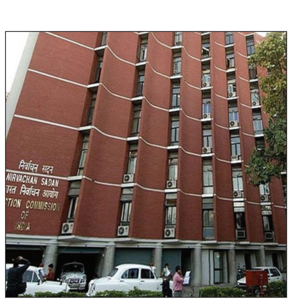

आधी रात को शूट किया वीडियो,शाह को दी जानकारी

- जस्टिस यशवंत वर्मा कैश कांड मामले में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस वर्मा के घर कैश मिलने के मामले में अहम जानकारी सामने आई है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने सबसे पहले गृह मंत्री अमित शाह को जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर नकदी की चार या पांच आधी जली हुई बोरियों के बारे में सूचित किया था। ये कैश 14 मार्च की रात बंगले के स्टोररूम में आग लगने के बाद संयोग से मिली थीं। आग की इमरजेंसी कॉल का जवाब देते हुए, अग्निशमन विभाग और पुलिस 14 मार्च को रात 11.30 बजे के कुछ समय बाद न्यायमूर्ति वर्मा के तुगलक क्रिसेंट बंगले पर पहुंची। सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालों ने, जो नकदी से भरे बैगों को देखकर चौंक गए, आधी रात के आसपास 500 रुपये के आधे जले हुए नोटों का वीडियो शूट किया।

शाह के बाद हाई कोर्ट चीफ जस्टिस को सूचना

दिल्ली पुलिस प्रमुख अरोड़ा ने सबसे पहले 15 मार्च को गृह मंत्री को सूचित किया। बाद में दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय को नकदी के बारे में जानकारी दी। दिल्ली पुलिस प्रमुख संजय अरोड़ा ने स्टोर रूम में लगी आग की कुछ तस्वीरें और वीडियो भी दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को शेयर की थी। चीफ जस्टिस ने तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना को इसकी जानकारी दी। इसके बाद घटनाओं की एक सीरिज शुरू हुई और इस सनसनीखेज प्रकरण की जांच शुरू हुई। जांच पैनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने 15 मार्च की दोपहर में जस्टिस डीके उपाध्याय के साथ जानकारी साझा की।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में भारतीय छात्रा तान्या त्यागी की अचानक मौत

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी में पढ़ रही भारतीय छात्रा तान्या त्यागी की अचानक मौत हो गई है। यह जानकारी वैंकूवर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को दी। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमें यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी में पढ़ रही भारतीय छात्रा तान्या त्यागी के आकस्मिक निधन से गहरा दुख हुआ है। फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि उनकी मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। दूतावास ने आगे बताया कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और तान्या के परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। पोस्ट में लिखा गया कि हम मृतक की आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हैं और उनके परिवार व मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं।

ब्रिटिश जज ने चीनी छात्र को सुनाई 24 साल की सजा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की एक अदालत ने चीनी पीएचडी छात्र झेनहाओ झोउ को 10 महिलाओं से दुष्कर्म करने के आरोप में दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने कहा कि वह कम से कम 24 साल जेल में रहेगा। लंदन के इनर क्राउन कोर्ट में चार हफ्तों तक चली सुनवाई के बाद उसे दोषी करार दिया गया। वह यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी कर रहा था। जानकारी के अनुसार झोउ डेटिंग ऐप्स और वीचैट के जरिए चीनी मूल की छात्राओं से दोस्ती करता था। फिर उन्हें अपने फ्लैट पर ड्रिंक के लिए बुलाता और नशीला पदार्थ देकर बेहोशी की हालत में दुष्कर्म करता।

केन्या होटल हमले मामले में दो लोगों को 30 साल की सजा

नैरोबी, एजेंसी। केन्या की एक अदालत ने 2019 में नैरोबी के एक लग्जरी होटल पर हुए आतंकी हमले में मदद करने वाले दो आरोपियों को 30 साल की सजा सुनाई है। इस हमले में 21 लोगों की जान चली गई थी। दोनों आरोपी, हुसैन मोहम्मद अब्दिले अली और मोहम्मद अब्दी अली, केन्या के रहने वाले हैं। अदालत में बताया गया कि इन लोगों ने हमलावरों को पैसे भेजे और फर्जी पहचान पत्र बनवाने में मदद की थी। हमला करने वाले आतंकी बाद में मारे गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी अल-कायदा से जुड़ा आतंकी संगठन अल-शबाब ने ली थी, जो सोमालिया में सक्रिय है। यह हमला दिन के समय डुसिट डी2 होटल परिसर में किया गया था। इससे पहले भी अल-शबाब ने केन्या के वेस्टगेट मॉल (2013) में 67 लोगों और गरिसा यूनिवर्सिटी (2015) में 147 छात्रों की हत्या की थी।

न्यूयॉर्क में पुलिस गाड़ियों में आग लगाने वाला संदिग्ध अब तक फरार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। पिछले हफ्ते ब्रुकलिन में न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की 11 गाड़ियों में आग लगाने के मामले में एक 21 वर्षीय युवक की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार यह युवक पहले कई बार प्रोटेस्ट में भाग ले चुका है और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एक मूर्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में भी वांछित है। एनवाईपीडी ने बुधवार को युवक की तस्वीरें और वीडियो जारी कर जनता से मदद मांगी। पुलिस का कहना है कि युवक न्यू जर्सी का रहने वाला है और फिलहाल फरार है। बता दें कि पहली घटना 12 जून की रात करीब 1 बजे हुई, जब आरोपी ब्रुकलिन के बुशविक इलाके में एक पुलिस स्टेशन के पास बने पार्किंग में घुस गया। उसने कई पुलिस गाड़ियों के विंडशील्ड, बोनट और टायर पर आग लगाने वाले पदार्थ रखे और मौके से भाग गया। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। राहत की बात यह रही कि कोई गाड़ी उस वक्त चालू नहीं थी और किसी को कोई चोट नहीं आई।

चेक गणराज्य में नकली डेंटल क्लिनिक चलाने वाले परिवार का भंडाफोड़

चेक गणराज्य, एजेंसी। चेक पुलिस ने एक फर्जी डेंटल क्लिनिक चलाने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जो बिना किसी लाइसेंस या पेशेवर प्रशिक्षण के मरीजों का इलाज कर रहे थे। यह क्लिनिक देश की राजधानी प्राग से लगभग 100 किलोमीटर दूर हावलीचकुव ब्रॉड शहर में एक घर में चल रहा था। पुलिस के अनुसार, यह परिवार पिछले दो साल से अपने घर में नकली डेंटल क्लिनिक चला रहा था और अब तक करीब 40 लाख चेक क्रोना (लगभग 1.85 लाख अमेरिकी डॉलर) कमा चुका था। इनकी गिरफ्तारी इसी महीने की शुरुआत में हुई। परिवार के सदस्य और उनकी भूमिकाएं 22 वर्षीय बेटा इंटरनेट से सर्जरी और दांत निकालने जैसी प्रक्रियाएं सीखकर खुद इलाज करता था। वहीं 50 साल की मां, जो पेशे से नर्स रही हैं, बेटे की असिस्टेंट बनकर इलाज में मदद करती और जरूरी सामान उपलब्ध कराती थीं। जबकि 44 वर्षीय पिता नकली दांत और अन्य उपकरण बनाते थे।

इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरानी मिसाइल, 6 घायल

अमेरिका बोला- ईरान परमाणु बम बनाने के करीब, सिर्फ खामेनेई के आदेश का इंतजार

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे सिर्फ इजराइल नहीं, बल्कि अमेरिका और पूरी दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा। 7 दिन की लड़ाई में अब तक इजराइल के

24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा लोग घायल हैं। वहीं, वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 639 हो चुका है और 1329 लोग घायल हैं।

स्राइल के बीरशेबा में ईरान का मिसाइल हमला : ईरान ने इस्राइल के बीरशेबा और आसपास के शहरों में मिसाइलों से हमला किया है, जिससे इन शहरों में सायरन बज उठे। सायरनों की आवाज सुनकर लोग बंकरों में घुस गए। बीरशेबा में हुए मिसाइल हमले में कई गाड़ियों में आग लग गई। दरअसल ईरान की तरफ से दागी गई मिसाइल बीरशेबा में एक रिहायशी अपार्टमेंट के बाहर गिरी, जिससे वहां खड़ी कारों में आग लग गई। इस्राइल व अमेरिका की तेहरान खाली किए जाने की चेतावनी के बाद ईरान की राजधानी से लोगों का पलायन शुरू हो गया। करीब एक करोड़ की आबादी वाले शहर से हजारों लोगों के बाहर निकलने से राजमार्गों पर जाम की स्थिति है। तेहरान के सरकारी कर्मचारी अराश ने बताया, मेरे घर के बगल की इमारत इस्राइली हमले में नष्ट हो गई। तीन बच्चे और दो महिलाएं मारी गईं। नेतन्याहू इस तरह ईरानियों को आजादी दिलाना चाहते हैं? उन्हें हमारे देश से दूर रहना चाहिए।

आवासीय इमारत को भी बनाया निशाना : ईरान की मिसाइलों ने तेलअवीव के पूर्व में स्थित रमात गेन में एक आवासीय इमारत को भी निशाना बनाया है। इमारत के एक निवासी यानिव ने कहा, यह बेहद डरावना था। मिसाइल हमले में हमारी पूरी इमारत हिल गई। पिछले एक सप्ताह के इस्राइली हमले में ईरान का शीर्ष सैन्य नेतृत्व पूरी तरह खत्म हो गया है। इसकी परमाणु क्षमताओं को भी बड़ा नुकसान हुआ है। इस दौरान छह सौ से अधिक लोग मारे गए हैं। वहीं ईरान के हमले में इस्राइल में दो दर्जन से अधिक नागरिकों की मौत हुई है। ईरान में फंसे हुए भारतीय नागरिकों की घर वापसी के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंधु शुरू कर दिया है। इस बीच भारतीय नागरिकों और छात्रों की सुरक्षा और वापसी के लिए विदेश मंत्रालय और तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर व ईमेल आईडी जारी कर उन पर संपर्क करने को कहा है। इस्राइल से संघर्ष के बीच हिजबुल्ला ईरान के समर्थन में खुलकर सामने आ गया है। हिजबुल्ला नेता शेख नईम कासिम ने इस्राइल के साथ संघर्ष में ईरान को हर तरह का समर्थन देने की कसम खाई है। उन्होंने कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है और इसका उद्देश्य अपने लोगों की सेवा करना है। गुरुवार रात को दिए भाषण में कासिम ने कहा कि इससे किसी को भी किसी भी तरह का नुकसान नहीं होगा। ईरान ने अपने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स में नए खुफिया प्रमुख की नियुक्ति की है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कमांडर मेजर जनरल मोहम्मद पाकपुर ने ब्रिगेडियर जनरल माजिद खादामी को खुफिया विभाग का नया प्रमुख नियुक्त किया है।

बांग्लादेश में पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री की गिरफ्तारी, अन्य नेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई

ढाका, एजेंसी। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अवामी लीग नेताओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। बांग्लादेश के पूर्व योजना राज्य मंत्री शम्सुल आलम को गुरुवार को ढाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री आलम को अर्थशास्त्र में उनके योगदान के लिए 2020 में देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार एकुशे पदक से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने 35 वर्षों तक बांग्लादेश कृषि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में कार्य किया, और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान योजना आयोग के सामान्य अर्थशास्त्र प्रभाग (जीईडी) के वरिष्ठ सचिव के रूप में भी कार्य किया। बांग्लादेशी दैनिक बिजनेस स्टैंडर्ड से बात करते हुए, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के संयुक्त आयुक्त नसीरुल इस्लाम ने आलम की गिरफ्तारी की पुष्टि की। रिपोर्टों से पता चलता है कि पुलिस ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि उसे किस आधार पर गिरफ्तार किया गया था। शम्सुल आलम को जिस मामले के तहत गिरफ्तार किया गया था, उसके बारे में पूछे जाने पर इस्लाम ने कहा, उसे वर्तमान में मिंटो रोड पर डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) कार्यालय में रखा गया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, और उसे अदालत में पेश किया जाएगा। अवामी लीग पर जारी कार्रवाई में, पार्टी के कई नेताओं को बुधवार को यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर रखा गया था। बांग्लादेश की एक अदालत ने चकरिया उपजिला के पूर्व सांसद और अवामी लीग के अध्यक्ष जफर आलम को सात अलग-अलग मामलों के सिलसिले में 18 दिन की रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह आदेश चकरिया के वरिष्ठ न्यायिक मजिस्ट्रेट अनवारुल कबीर ने जांच अधिकारियों द्वारा दायर याचिकाओं के बाद जारी किया। एक अलग घटनाक्रम में, ढाका की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व कानून मंत्री अनीसुल हक को पांच दिन की रिमांड पर भेजने का आदेश दिया।

ईयू ने किया गूगल पर 4.1 अरब यूरो जुर्माने का समर्थन, एंड्रॉयड से प्रतिस्पर्धा रोकने का आरोप

ब्रसेल्स, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी अल्फाबेट की गूगल को यूरोपीय संघ (ईयू) के सर्वोच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट की सलाहकार ने गूगल पर 4.1 अरब यूरो (करीब 4.98 अरब डॉलर) के जुर्माने का समर्थन किया है। गूगल ने यूरोपीय संघ के प्रतिस्पर्धा विरोधी जुर्माने के खिलाफ अपील की थी। अब इसके खारिज होने की संभावना है। गूगल पर प्रतिद्वंद्वी कंपनियों को दबाने के लिए एंड्रॉयड का इस्तेमाल करने का आरोप है। ईयू के सर्वोच्च न्यायालय की सलाहकार जुलियन कोकोट ने गूगल पर सात साल पहले लगाए गए 4.34 अरब यूरो (4.98 अरब डॉलर) के जुर्माने के खिलाफ लड़ाई में यूरोपीय संघ के प्रतिस्पर्धा-विरोधी नियामकों का पक्ष लिया। अमेरिकी कंपनी गूगल ने अपने एंड्रॉयड मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम का इस्तेमाल प्रतिद्वंद्वियों को रोकने के लिए किया था। एक निचली अदालत ने 2022 में यूरोपीय संघ के फैसले का समर्थन किया, लेकिन जुर्माने की राशि घटाकर 4.1 अरब यूरो कर दी थी, लक्जमबर्ग स्थित यूरोपीय संघ के न्यायालय की महाधिवक्ता जुलियन कोकोट ने अपनी गैर बाध्यकारी राय में अदालत को गूगल की अपील को खारिज करने और निचली ट्रिब्यूनल की ओर से निर्धारित कम जुर्माने को बरकरार रखने की सलाह दी है।

रूस ने यूक्रेन पर दागीं मिसाइल, जेलेंस्की बोले- युद्ध विराम के लिए पुतिन पर दबाव बनाया जाए

कीव/मॉस्को , एजेंसी। रूस-यूक्रेन के बीच जंग थम नहीं रही है। रूस ने यूक्रेन पर एक बार फिर मिसाइलें दागी हैं। कीव में नौ मंजिला अपार्टमेंट पर हुए मिसाइल हमले में 23 लोगों की मौत हो गई। हमले के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि वैश्विक ताकतों को युद्ध विराम के लिए रूस पर दबाव डाला जाए। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि यह हमला दुनिया को याद दिलाता है कि रूस युद्ध विराम को अस्वीकार करता है और हत्या का विकल्प चुनता है। उन्होंने यूक्रेन के उन सहयोगियों को धन्यवाद दिया, जो रूस पर दबाव डालने के लिए तैयार हैं। कीव सेना के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि मंगलवार सुबह कीव पर ड्रोन और मिसाइल हमला हुआ। इसमें शहर भर में 28 लोग मारे गए और 142 अन्य घायल हो गए। हमले के बाद जेलेंस्की राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख आंद्रेई यरमक और आंतरिक मंत्री इगोर क्लिमेंको के साथ सोलोमिंस्की जिले में हमले में क्षतिग्रस्त अपार्टमेंट पर पहुंचे और मिसाइल हमले में मारे गए 23 लोगों को श्रद्धांजलि दी।

440 ड्रोन और 32 मिसाइलें दागी : कीव हमले के जरिये रूस ने यूक्रेनी हवाई सुरक्षा को खत्म करने की कोशिश की। रूस ने 440 से अधिक ड्रोन और 32 मिसाइलें दागीं। हाल ही में में

रूस ने शहरी रिहायशी इलाकों पर लंबी दूरी के हमले किए हैं। बुधवार को पुतिन ने इस बात से इनकार किया कि उनकी सेना ने ऐसे ठिकानों पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि हमले सैन्य प्रतिष्ठानों पर किए गए थे, रिहायशी इलाकों पर नहीं। पुतिन ने कहा कि वह जेलेंस्की के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। इस्तांबुल में पिछले दौर की वार्ता में कैदियों और शहीद सैनिकों के शवों की अदला-बदली हुई थी।

हमलों के बीच रूस-यूक्रेन के बीच कैदियों की अदला-बदली जारी है। गुरुवार को यूक्रेन के चेर्निहीव क्षेत्र में यूक्रेनी युद्धबंदियों को वापस भेजा गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कैदी अदला-बदली के बाद बेलारूस के एक विनिमय क्षेत्र में रूसी सैनिकों का एक वीडियो जारी किया। इस पर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि हम अपने लोगों को वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। इन आदान-प्रदानों को संभव बनाने में मदद करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। हमारा लक्ष्य हर एक को मुक्त कराना है। यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने गुरुवार को एक्स पर लिखा कि हमने युद्ध विराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को बिना शर्त स्वीकार किया था। जबकि युद्ध समाप्त करने की इच्छा के रूसी दावे छल-कपट थे।

ईरान ने ब्रिगेडियर खादमी को बनाया खुफिया प्रमुख, पुराने चीफ को खत्म कर चुका है इजरायल

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अपने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) में नए खुफिया प्रमुख की नियुक्ति कर दी है। पिछले सप्ताह इजरायली हवाई हमलों में इसके पूर्व प्रमुख और उनके डिप्टी की मौत हो गई थी। ईरान की सरकारी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आईआरजीसी के कमांडर मेजर जनरल मोहम्मद पकपूर ने ब्रिगेडियर जनरल मजीद खादमी को खुफिया विभाग का नया प्रमुख नियुक्त किया है।

पिछले रविवार को इजरायली हमले में आईआरजीसी के खुफिया प्रमुख मोहम्मद काजमी, उनके डिप्टी हसन मोहाकिक, और एक अन्य वरिष्ठ कमांडर मोहसेन बघेरी की मौत हो गई थी। ये हमले तेहरान में हुए, और खुद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक इंटरव्यू में इन हत्याओं की पुष्टि की थी।

इजरायल-ईरान संघर्ष का बढ़ता तनाव : यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब इजरायल और ईरान के बीच सैन्य तनाव चरम पर है। शुक्रवार, 13 जून को शुरू हुए इजरायली हमलों ने ईरान के

सैन्य नेतृत्व को गहरा झटका दिया है। इन हमलों में ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडरों में से कई मारे गए हैं। इनमें जनरल मोहम्मद बघेरी (सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ), जनरल होसैन सलामी (आईआरजीसी के कमांडर-इन-चीफ), और जनरल गोलमअली रशीद शामिल थे। इसके अलावा, कई परमाणु वैज्ञानिकों और सैन्य ठिकानों, विशेष रूप से नतांज में यूरेनियम संवर्धन संयंत्र, को भी निशाना बनाया गया।

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतोल्लाह अली खामेनेई ने इन हमलों के बाद तुरंत नए सैन्य नेताओं की नियुक्ति की, जिसमें जनरल अब्दोलरहीम मूसवी को सशस्त्र बलों का चीफ ऑफ स्टाफ और जनरल मोहम्मद पकपूर को आईआरजीसी का नया कमांडर नियुक्त किया गया। खामेनेई ने इजरायल को कठोर सजा देने की चेतावनी दी है और कहा है कि इस्लामिक रिपब्लिक का मजबूत हाथ इजरायल को जवाब देगा।

नए खुफिया प्रमुख की चुनौती : मजीद खादमी की नियुक्ति को ईरान की खुफिया क्षमताओं को पुनर्गठित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जो हाल के हमलों में बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। खादमी को न केवल आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना होगा, बल्कि इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की योजना बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार इजरायली हमलों और खुफिया घुसपैठ के कारण उनकी स्थिति जोखिम भरी हो सकती है।

पाकिस्तान ने फिर स्वीकारा, भारत ने किए हमले; डार बोले- सऊदी प्रिंस ने निभाई कूटनीतिक भूमिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने एक बार फिर मान लिया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने उसके हवाईअड्डों पर हमला किया था और ऑपरेशन के दौरान ही सऊदी प्रिंस फैसल ने विदेश मंत्री जयशंकर से बात कर यह संदेश दिया था कि पाकिस्तान रुकने के लिए तैयार है। जियो टीवी पर हामिद मीर से बात करते हुए पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री सह विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि भारत के हमले के बाद प्रधानमंत्री ने सेना को अधिकृत कर दिया कि उन्हें क्या कार्रवाई करनी है, हालांकि उसी रात (छह-सात मई) भारत ने हमारे दो और एयरबेस नूरखान और शोरकोट पर हमला कर दिया।

सऊदी प्रिंस के फोन कॉल पर क्या कुछ हुई बातचीत : डार ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने हमारे दो और एयरबेस नूरखान और शोरकोट पर हमला कर दिया। इसके कुछ देर बाद मुझे सऊदी प्रिंस फैसल (फैसल बिन सलमान) का फोन आया कि भाई, हमें पता है कि आप रुबियो (अमेरिकी विदेश मंत्री) के संपर्क में हो लेकिन क्या आप हमें जयशंकर से बात करने के लिए अधिकृत करते हो कि आप रुकने के लिए तैयार हैं तो मैंने उनसे कहा, हां, आप जरूर करिए। इसके करीब 25 मिनट बाद उनका फोन आया कि उन्होंने जयशंकर से बात कर संदेश दे दिया है।

इससे पहले भी पाकिस्तान ने स्वीकारी हमले की

बात इसके साथ ही पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री ने कहा कि बात यह है कि अगर उन्होंने अपना किरदार अदा किया है और वह इसका क्रेडिट लेना चाहते हैं तो 13 दफा ले लें या 130 दफा ले लें, हमें इसमें कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी पाकिस्तान ने कई मौकों पर भारत की तरफ से उसके हवाईअड्डों को निशाना बनाने की बात स्वीकार की है। ऑपरेशन सिंदूर, जिससे पड़ोसी के उड़ गए थे होश गौरतलब है कि 6 से 7 मई की दरमियानी रात को 1:05 बजे से लेकर 1:30 बजे तक सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। 25 मिनट के इस ऑपरेशन में 24 मिसाइलों के जरिए नौ आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया गया। इन नौ ठिकानों में से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में थे, वहीं चार पाकिस्तान में थे।

ईरान के समर्थन में उतरा हिजबुल्ला, कहा- हम इस्राइल और अमेरिका के खिलाफ लड़ाई में साथ

बेरुत, एजेंसी। ईरान-इस्राइल तनाव के बीच हिजबुल्ला ने भी तेहरान के समर्थन का दावा किया है। हिजबुल्ला नेता शेख नईम कासिम ने कहा कि इस्राइल और अमेरिका के खिलाफ लड़ाई में हम ईरान के साथ हैं। ईरान का परमाणु कार्यक्रम शांति के लिए है। वह अपने लोगों की सेवा करना चाहता है। इससे किसी को भी नुकसान नहीं होगा। बल्कि यह ईरान और पश्चिम एशिया में बड़ा वैज्ञानिक योगदान होगा। नईम कासिम ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ईरान का विरोध परमाणु कार्यक्रम को लेकर नहीं किया जा रहा है, बल्कि इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वह विश्वास, ज्ञान और स्वतंत्रता का समर्थन करता है। साथ ही पीड़ितों को लाभ पहुंचाता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की धमकी को लेकर भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया को अराजकता, अस्थिरता की ओर ले जा रहा है। अमेरिका विश्व को बड़े संकट की ओर धकेल रहा है। इससे अमेरिका को केवल शर्म, अपमान और विफलता ही हासिल होगी। ईरान के लोगों को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। साथ ही क्षेत्र और विश्व के लोगों को भी ईरान के साथ खड़े होने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि हम अपनी स्वतंत्रता, अपनी जमीन की मुक्ति, फैसलों और विकल्पों की स्वतंत्रता के साथ खड़े हैं। तेहरान के साथ हिजबुल्ला के गठबंधन की पुष्टि करते हुए कासिम ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि हम सभी स्वतंत्र लोगों, उत्पीड़ितों, प्रतिरोध सेनानियों, विद्वानों और

अच्छे विचारों वाले लोगों से आह्वान करते हैं कि वे अपनी आवाज बुलंद करें। खामेनेई नेतृत्व के साथ एकजुट होकर ताकत, साहस और समर्थन का प्रदर्शन करें। अमेरिका ने हिजबुल्ला को दी चेतावनी इस बीच अमेरिका ने इस्राइल-ईरान संघर्ष में शामिल होने को लेकर हिजबुल्ला को कड़ी चेतावनी दी। अमेरिकी दूत थॉमस बैरक ने बेरूत में कहा कि हिजबुल्ला का युद्ध में शामिल होना बहुत, बहुत बुरा फैसला होगा।

ट्रंप बोले- दो सप्ताह में लूंगा फैसला : व्हाइट हाउस ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले दो सप्ताह के भीतर यह निर्णय लेंगे कि ईरान पर हमला करना है या नहीं। उन्होंने कहा कि ट्रंप को अभी भी इस बात की पर्याप्त संभावना दिख रही है कि वार्ता के माध्यम से ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका और इस्राइल की मांगें पूरी हो सकती हैं। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि फिलहाल ईरान को अपने संवर्धन कार्यों तथा परमाणु हथियार बनाने की किसी भी अन्य संभावना को तत्काल बंद करने की राष्ट्रपति की चेतावनी की समयसीमा बढ़ा दी गई है।

इग्नू ने लांच किया एमएससी इन कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट पाठ्यक्रम- डॉ. धर्म पाल

यमुनानगर। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी(इग्नू), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्म पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इग्नू ने होम साइंस विषय में पहला पीजी प्रोग्राम लांच किया है इसका नाम एमएससी इन कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट है। यह पाठ्यक्रम दो साल का है और यह अंग्रेजी माध्यम में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडी एल) मोड में पढ़ाया जायेगा। इसमें कम्युनिटी ऑर्गनाइजेशन, डेवलपमेंट कम्युनिकेशन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, जेंडर और फील्ड रिसर्च जैसे विषय शामिल हैं। फर्स्ट ईयर में स्टूडेंट्स को डेवलपमेंट थ्योरी, कम्युनिटी ऑर्गनाइजिंग, मीडिया और डेवलपमेंट और आईसीटी कम्युनिकेशन टूल्स आदि टॉपिक पढ़ाए जाते हैं। उनके पास एक फील्ड प्रैक्टिस प्रोजेक्ट भी होगा और वे लिंग या ग्रामीण विकास में ऐच्छिक विषय ले सकते हैं। दूसरे साल में ट्रेनिंग एवं डेवलपमेंट, चाइल्ड एंड मदर हेल्थ, सोशल बिहेवियर और रिसर्च मेथोडोलॉजी जैसे विषय शामिल होंगे। कोर्स में एक रिसर्च प्रोजेक्ट भी शामिल है। स्टूडेंट्स को पास होने के लिए न्यूनतम 80 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे, क्रेडिट सिस्टम के अनुसार हर एक क्रेडिट के लिए औसतन 30 घंटे की पढ़ाई जरुरी है इसमें क्लास वर्क, असाइनमेंट्स, सेल्फ स्टडी, प्रोजेक्ट वर्क और परीक्षा की तैयारी शामिल है। उन्होंने बताया कि यह पाठ्यक्रम होम साइंस, सोशल साइंस, बिहेवियरल साइंस, कम्युनिटी साइंस और किसी भी अन्य विषय से ग्रेजुएशन करने वाले छात्रों के लिए है जो विद्यार्थी कम्युनिटी वर्क, सामाजिक विकास, स्किलिंग या ग्रामीण विकास के क्षेत्र में काम करना चाहते है उनके लिए यह पाठ्यक्रम एक अच्छा विकल्प है। एमएससी इन कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट में एडमिशन के लिए आवेदन ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर करना है। इस कोर्स की फीस 7000 रुपये प्रति वर्ष है। इसमें रजिस्ट्रेशन और डेवलपमेंट फीस भी शामिल है। इस पाठ्यक्रम को करने के बाद विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर चुन सकतें है। इसमें सरकारी और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में प्रोग्राम/प्रोजेक्ट ऑफिसर, एनजीओ, सीएसआर, सोशल इंटरप्राइज़, में विशेषज्ञ, स्कूलों में पीजीटी शिक्षक, स्किल डेवलपमेंट से जुड़े कार्य, रिसर्चर और अकादमिक संस्थानों में शिक्षक आदि शामिल है।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उत्तराखंड में सीएम धामी ने राज्य की पहली योग नीति का शुभारंभ किया

कौमी पत्रिका

भराड़ीसैंण (उत्तराखंड), 21 जून। उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ीसैंण शुक्रवार को एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनी, जब मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने यहां 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राज्य की पहली योग नीति का औपचारिक शुभारंभ करते हुए घोषणा की कि उत्तराखंड को योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने हर घर योग, हर जन निरोग का संदेश देते हुए कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों में एक-एक स्पिरिचुअल इकोनॉमिक ज़ोन स्थापित किए जाएंगे। इन क्षेत्रों को आयुर्वेद, योग और आध्यात्मिक पर्यटन के अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन ज़ोन्स के माध्यम से राज्य में रोजगार सृजन को भी गति मिलेगी, जिससे पर्वतीय क्षेत्रों से हो रहे पलायन पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि दो नए आधुनिक नगर बसाए जाएंगे जो वेलनेस और योग उद्योग के वैश्विक हब बनेंगे। दुनिया भर से योग-प्रशिक्षक, आयुर्वेदिक संस्थान और आध्यात्मिक गुरु यहां आमंत्रित किए जाएंगे। नई योग नीति के तहत प्रदेश में योग एवं ध्यान केंद्रों की स्थापना पर 20 लाख रुपए तक की सब्सिडी और योग/प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित शोध को 10 लाख तक का अनुदान मिलेगा। मार्च 2026 तक सभी आयुष हेल्थ वेलनेस

सेंटरों में योग सेवाएं सुनिश्चित की जाएंगी और 2030 तक 5 नए योग हब विकसित किए जाएंगे। इस विशेष अवसर पर मेक्सिको, नेपाल, फिजी, मंगोलिया, सूरिनाम, लातविया, श्रीलंका और रूस सहित 8 देशों के राजनयिकों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया और मुख्यमंत्री के साथ सामूहिक योग किया। योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण की उपस्थिति ने आयोजन को और भी गरिमामय बना दिया। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री स्थानीय छात्रों और नागरिकों से संवाद करने पहुंचे। छात्रों के साथ उनकी बातचीत में ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है, जिसने दुनिया को जाति, धर्म और सीमाओं से परे एक सूत्र में बाँधने का काम किया है। यह वैश्विक एकता और मानवता का सबसे शक्तिशाली सेतु बन चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से आज योग विश्व मंच पर ग्लोबल हेल्थ और कनेक्टिविटी का प्रतीक बन चुका है। मुख्यमंत्री ने भराड़ीसैंण को उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थल अब योग, अध्यात्म और नीति निर्माण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, भारत में मैक्सिको के राजदूत फेडेरिको सालास, नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा, फिजी, मंगोलिया, रूस, लातविया, श्रीलंका और सूरिनाम के राजनयिक, चमोली के डीएम संदीप तिवारी, एसपी सर्वेश पंवार समेत कई प्रशासनिक अधिकारी और हजारों प्रतिभागी मौजूद रहे।

प्रदेश में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर मनाया गया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

चंडीगढ़, 21 जून। आयुष विभाग और हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आज 11वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने योग क्रियाएं कर स्वास्थ्य लाभ लिया। नागरिकों ने एलईडी स्क्रीन के जरिये विशाखापट्टनम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा कुरुक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के संबोधन को सुना।हरियाणा के पंचायत एवं विकास, खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कैथल में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि योग दिवस पूरे विश्व को स्वास्थ्य एवं शांति का मार्ग दिखाने वाली भारतीय प्राचीन संस्कृति का उत्सव है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत की योग एवं साधना विधा का लोहा आज पूरा विश्व मान रहा है। उधर, हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम में हुए कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आज योग एक वैश्विक आंदोलन बन चुका है। एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य की भावना को साकार करते हुए हम सबको योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए। योग हमारी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर हमारे अन्दर जागरूकता उत्पन्न करता है। वहीं, हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने सोनीपत में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि योग केवल ध्यान या व्यायाम क्रिया नहीं है। योग का मतलब जोड़ होता है और योग ही वो रास्ता हैं जिसके जरिये मनुष्य स्वयं और भगवान से जुड ?र अपने जीवन को सफल बनाते हुए मानव कल्याण के लिए कार्य कर सकता है। उधर, हरियाणा के राजस्व, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने फरीदाबाद के तिगांव में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हमारी प्राचीन योग पद्दति को नए रूप में जनजागरण करके, देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में पहुचाने का काम किया है। रोजमर्रा की जिंदगी में योग का अपना महत्व है। इसी तरह से हरियाणा के सहकारिता, पर्यटन एवं विरासत, जेल एवं निर्वाचन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने रोहतक में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि हजारों वर्ष पुरानी भारतीय आयुर्वेद पद्धति का संदेश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विश्व भर में पहुंचाया है। योग व आयुर्वेद में हर असाध्य बीमारी का समाधान है। इसी प्रकार से हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, पशु पालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने पानीपत में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि योग-विद्या, भारत के ऋषि मुनियों की अमूल्य धरोहर है।

यूपी में 235 औद्योगिक एस्टेट दे रहे एमएसएमई सेक्टर को रफ्तार, माध्यम बनी योगी सरकार

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 21 जून।उत्तर प्रदेश को उत्तम व उद्यम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार की नीतियां धरातल पर अपना असर दिखा रही हैं। सीएम योगी के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए जो निवेशपरक माहौल बना है उसका असर है कि

राज्य में सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम से जुड़े 235 औद्योगिक एस्टेट एमएसएमई सेक्टर को रफ्तार दे रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर से जुड़े 77 औद्योगिक एस्टेट तथा 158 मिनी इंडस्ट्रियल स्टेट कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में 947 प्लॉट्स और 10,179 शेड्स का विकास एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के मद में किया गया है जिसके जरिए प्रदेश में 11,126 उद्यमों की स्थापना व संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ। इतना ही नहीं, प्रदेश के 10 जिलों में 15 औद्योगिक एस्टेट्स की स्थापना भी की जा रही है जिसके जरिए कुल 764.31 एकड़ में 872 प्लॉट्स पर एमएसएमई सेक्टर से जुड़े उद्यम को लगाने में मदद मिलेगी। कानपुर और आगरा प्रदेश के पुराने औद्योगिक शहरों की पहचान रखते हैं और यहां एमएसएमई सेक्टर भी मजबूती से कार्य कर रहा है। कानपुर में कुल 15,500 स्क्वेयर फीट क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स का निर्माण किया गया है, जहां कुल 162 शॉप्स व यूनिट को एमएसएमई सेक्टर के लिए अधिकृत किया गया है। यह फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स पूरी तरह कार्य कर रहा है। इसी प्रकार, आगरा में कुल 38,500 स्क्वेयर फीट क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स का निर्माण किया गया है जहां 200 शॉप्स व यूनिट एमएसएमई सेक्टर के अंतर्गत कार्य कर रही हैं। यह फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स भी पूरी क्षमता से कार्य कर रहा है और एमएसएमई सेक्टर से जुड़े उद्यमों को उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर युक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने का माध्यम बन रहा है। कानपुर और आगरा के ही तर्ज पर गाजियाबाद और लखनऊ में भी फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स एमएसएमई से जुड़े उद्यमों की स्थापना का माध्यम बनेंगे। इन दोनों ही शहरों में फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स योजना को केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृति मिल चुकी है तथा यहां विकास एवं निर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यों को पूरा किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गाजियाबाद में 9734.21 स्क्वेयर फीट क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स कार्य करेगा तथा यहां कुल मिलाकर 40 शॉप्स व यूनिट्स की स्थापना हो सकेगी। इसी प्रकार, लखनऊ में भी 7901.6 स्क्वेयर फीट क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स के निर्माण व विकास की प्रक्रिया जारी है। कार्य पूरा होने पर यहां 48 दुकानों व इकाइयों की स्थापना व संचालन हो सकेगा। सभी फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर निर्मित व विकसित किए जा रहे हैं जिससे एमएसएमई सेक्टर से जुड़े उद्योगों को कम पूंजीगत निवेश में भी निर्माण इकाई स्थापित करने में मदद मिलती है। यह योगी सरकार द्वारा वर्ष 2022 में लागू की गई उत्तर प्रदेश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रोत्साहन नीति पर आधारित है।

योग के साथ जुड़ने से शरीर व मन स्वस्थ होगा तथा हम सभी हर प्रकार की बीमारी से मुक्त होंगे: नगराधीश पीयूष गुप्ता

कौमी पत्रिका

सढौरा, जून। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सढौरा में योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में नगराधीश पीयूष गुप्ता ने शिरकत की। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का योगा स्थल पर लोगों को एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लाइव संबोधन दिखाया गया। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि योग एक ऐसी साधना है, जिस पर लगातार चलकर मन को शांति मिलती है। योग साधना से असाध्य बीमारियों का उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल देश में, बल्कि विश्व में योग की अलख जगाकर विश्व भर में योग का परचम लहराया है। उन्होंने कहा कि निरंतर योगासन करने से स्वस्थ रहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग के साथ जुड़ने से शरीर व मन स्वस्थ होगा तथा हम सभी हर प्रकार की बीमारी से मुक्त होंगे। उन्होंने कहा कि योग एक जीवन शैली है, जिस पर चलकर मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ रहकर हर व्यक्ति अपना जीवन यापन कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन जीने के लिए योग को अपनी आदतों का हिस्सा बनाएं। आज की परिस्थितियों में योग ही एक ऐसी विधा है, जिससे बीमारियों से दूर रहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन योग करना चाहिए। योगाचार्य सतपाल शर्मा ने विभिन्न योग क्रियाओं को करते हुए उनके फायदों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि अनुलोम विलोम आसन करने से खून साफ व रक्त का स्तर बढता है, कपालभाति आसान से फेफड़ों की बीमारियों से छुटकारा मिलता है, भ्रामरी आसान से तनाव दूर होता है व इम्युनिटी बढ़ती है। इस मौके पर मुख्यातिथि द्वारा योग टीम को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार सढौरा कुलदीप सिंह, आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.एस. सिंधू, चेयरमैन नगर पालिका श्रीमति शालिनी शर्मा व अन्य विभागों के अधिकारीगण व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

कातिलों का सुरक्षा कवच बनना धार्मिक नेताओं को शोभा नहीं देता

फगवाड़ा। शिव सेना पंजाब ने श्री अकाल तख्त साहिब के हैड ग्रन्थी ज्ञानी मलकीत सिंह द्वारा जारी कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर की हत्या को सही ठहराने वाले बयान को घोर निंदनीय और इसे लेकर सी.एम. भगवंत मान एवं पंजाब सरकार की खामोशी को आश्चर्यजनक बताया है। आज यहां वार्तालाप में शिव सेना के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष इन्द्रजीत करवल, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश पलटा और प्रदेश प्रवक्ता विपन शर्मा ने वार्तालाप में कहा कि ऐसा बेतुका बयान हत्याओं के मंसूबे लेकर बैठे हत्यारों को सरेआम हत्या के लिये उकसाने वाला और घोर आपत्तिजनक है, जिसकी इजाजत भारत का संविधान हरगिज नहीं देता। उन्होंने बयान को कानून की दृष्टि से संगीन अपराध बताते हुए मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान से पूछा कि पंजाब की न्याय व्यवस्था भारत के संविधान से चलेगी या तालिबानी विचारधारा से? करवल, पलटा और विपन शर्मा ने कहा कि एक सर्वोच्च धर्मस्थल के सर्वोच्च धार्मिक नेता द्वारा किसी अपराधिक मानसिकता वाले हथियारबंद व्यक्ति के हाथों एक निहत्थी महिला के कत्ल को जस्टीफाई किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण नहीं तो और क्या है? उन्होंने कहा कि जिस कौम का इतिहास शौर्य गाथाओं से भरा हो। जो कौम महिलाओं की रक्षक कहलाती हो। जिस कौम में निहत्थे दुश्मन पर वार करना भी कायरता मानी जाती हो। उस कौम का एक धार्मिक नेता एक महिला को धोखे से बुला कर कत्ल करने वाले हत्यारे की घिनौनी हरकत को बेहद शातिराना ढंग से धार्मिक रंगत देकर सही ठहराये और सरकार द्वारा उसके खिलाफ कोई कार्रवाई तो दूर की बात, बयान को गलत करार देने तक की हिम्मत न जुटाना आखिर क्या संकेत देता है? शिव सेना नेताओं ने दोहराया कि पंजाब जिस तालिबानी विचारधारा से घिरता जा रहा है, वह विचारधारा प्रदेश को जंगलराज की तरफ धकेल देगी और आम जनता से जीने का अधिकार छीन लिया जायेगा। इसलिए वे पंजाब और केन्द्र दोनों सरकारों को चेतावनी देते हैं कि समय रहते तालिबानी सोच को कुचल दो, वरना बिल्ली फिर थैले से बाहर आई तो अस्सी के दशक की तरह सरकारों के लिये काबू करना मुश्किल हो जायेगा।

आरटीएस आयोग ने जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी पर लगाया 10 हजार रुपए का जुर्माना

चंडीगढ़, 20 जून। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने एक मामले में जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए निर्धारित समयावधि में सेवाएं प्रदान न करने के लिए एसडीई पर 10 हजार रुपए का जुर्माना और 5 हजार रुपए का मुआवजा शिकायतकर्ता हांसी निवासी श्री कुलदीप सिंह को देने का आदेश दिया है। यह राशि जून 2025 के वेतन से काटी जाएगी। आयोग के प्रवक्ता ने बताया आयोग ने जांच में पाया कि दिनांक 03 फरवरी 2025 को दिए गए जल आपूर्ति बहाल करने के आवेदन पर सेवा की निर्धारित समय सीमा 06 फरवरी 2025 थी, लेकिन सेवा 08 मई 2025 को आयोग के अंतरिम आदेश के बाद ही बहाल हुई। शिकायतकर्ता की तीन पिछली शिकायतों को गलत तरीके से बंद किया गया, जिसकी पुष्टि आयोग द्वारा पहले ही की जा चुकी है। शिकायतकर्ता द्वारा 12 जून 2025 को भेजे गए ईमेल में एस.डी.ई. के रवैये को लापरवाह और उदासीन बताते हुए आम नागरिकों के साथ होने वाली समस्याओं को उजागर किया गया था। आयोग ने एफजीआरए-कम-एक्स.ई.एन. श्री संजीव कुमार त्यागी की भूमिका को भी अत्यंत असंतोषजनक पाया है। आयोग के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद उन्होंने मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया और बिना सुनवाई के ही तीनों शिकायतों को केवल अधीनस्थ कर्मियों की रिपोर्ट के आधार पर बंद कर दिया। इतना ही नहीं, आयोग की सुनवाई में भी वह बिना सूचना के अनुपस्थित रहे। आयोग ने यह भी उल्लेख किया कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पहले ही 18 सितम्बर 2024 को आयोग की उपस्थिति में एक प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से विधिक दायित्वों के प्रति संवेदनशील किया गया था

अधिकारी व कर्मचारी योग के लिए समय निकालें: अनुराग रस्तोगी

चंडीगढ , 21 जून। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुरा? रस्तोगी ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रतिदिन सुबह योग अथवा सैर के लिए अवश्य समय निकालना चाहिए ताकि वे मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। मुख्य सचिव 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हरियाणा सिविल सचिवालय चंडीग? के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए आज यहां हरियाणा निवास में आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। श्री अनुरा? रस्तोगी ने कर्मचारियों एवं अधिकारियों को योग करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि योग करने से असीम शक्ति एवं ऊर्जा मिलती है। इससे कार्यालय में काम करने की क्षमता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग से स्वास्थ्य ठीक रहता है और घर-परिवार में सुख समृद्धि आती है। इससे पूर्व , मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के आरंभ में उपस्थित कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संबोधन विशाखापट्नम में आयोजित राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम से तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का संबोधन कुरुक्षेत्र में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम से एलईडी स्क्रीन पर लाइव सुना एवं देखा। इसके बाद, योग आयोग के कंसलटैंट श्री राजेश शर्मा ने सभी उपस्थित जनों को कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के एम पांडुरंग, डिपार्टमेंट ऑ? फ्यूचर के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया, विजिलेंस विभाग की विशेष सचिव डॉ. प्रियंका

योग में समूची मानवता को एकजुट करने की अद्भुत शक्ति है: एसडीएम नरेन्द्र कुमार

कौमी पत्रिका

रादौर, 21 जून: 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस उपमण्डल रादौर की अनाज मंडी में बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रादौर के एसडीएम नरेन्द्र कुमार ने दीप प्रज्जवलित करके किया। एसडीएम रादौर नरेन्द्र कुमार ने उपस्थित जन समूह को योग दिवस की शुभकामनाएं दी और कामना की कि योग आपके जीवन का अभिन्न अंग बने तथा स्वस्थ व खुशहाल रहें। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनने का मूल मंत्र है। यह मन, आत्मा और शक्तियों का बोध करवाने का कारगर रास्ता है। योग कला, विज्ञान और दर्शन का बेजोड़ उदाहरण है। योग में समूची मानवता को एकजुट करने की अद्भुत शक्ति है, योग हमें अपनी महान संस्कृति और परम्पराओं से जोड ?र रखता है। जब योग जीवन का हिस्सा हो जाता है तो आयु, विद्या, यश और बल एकसाथ बढने लगते हैं। उन्होंने कहा कि बड़े हर्ष का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जनसाधारण के बीच योग के प्रति जागरूकता का प्रचार-प्रसार करते हेतु आज 11वां अंतर्राष्टीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित जन समूह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को स्क्रीन के माध्यम से लाईव सुना, 11वां अंतर्राष्टीय योग दिवस *योग युक्त हरियाणा नशा मुक्त हरियाणा* थीम पर आयोजित किया गया। आयुष योग सहायक अमित शर्मा ने सभी लोगों को

विशेष प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। उन्होंने सभी लोगो को खड़े होकर, बैठकर व लेटकर करने के अभ्यास जैसे शिथिलीकरण की क्रियाए, ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, मण्डूकासन, शशकासन, अनुलोम विलोम, कपालभाति, भ्रामरी, ध्यान आदि योगिक क्रियाओं का सूक्ष्म अभ्यास करवाया व इनके प्रयोग से विभिन्न गम्भीर बीमारियों जैसे उच्च-निम्न रक्तचाप, शुगर, मोटापा, हृदयाघात, माइग्रेन, एलर्जी आदि गंभीर बीमारियों से बचाव की विधि भी बताई। आयुष विभाग व स्थानीय प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शहरवासी व राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस अवसर पर डीएसपी आशीष चौधरी, पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका, वरिष्ठ समाज सेवी नेपाल राणा, चेयरमैन नगर पालिका रजनीश मेहता, सचिव नगर पालिका सुरेन्द्र मलिक, एस.एम.ओ. डॉ. विजय परमार, अध्यक्ष आयुष मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन हरियाणा डॉ. ललित सैनी, आयुष चिकित्सा

चरणजीव मल्होत्रा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लोगों को योग के लिए किया प्रेरित

नई दिल्ली। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गौ माता को राष्ट्रमाता की मांग करने वाले प्रख्यात समाजसेवी व कोरोना योद्धा और प्रेरणास्रोत चरणजीव मल्होत्रा ने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए लोगों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक पद्धति है, जो तन, मन और आत्मा को संतुलन में लाकर व्यक्ति को स्वस्थ एवं सकारात्मक बनाती है। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय पार्क में आयोजित सामूहिक योग सत्र में भाग लिया, जिसमें सैक ?ों की संख्या में नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत सूर्य नमस्कार से हुई, उसके पश्चात ता ?ासन, वज्रासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं ध्यान का अभ्यास करवाया गया। चरणजीव मल्होत्रा ने अपने संबोधन में कहा, योग हमारे पूर्वजों की अनमोल देन है। यह केवल भारत की नहीं, अब संपूर्ण विश्व की धरोहर बन चुका है। जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिरता लाने के लिए योग एक सशक्त साधन है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और कामकाजी वर्ग को योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने की अपील की। उनकी प्रेरक वाणी और व्यक्तिगत उदाहरण से लोगों में योग के प्रति उत्साह देखा गया। कई प्रतिभागियों ने यह भी कहा कि चरणजीव मल्होत्रा की सक्रिय भागीदारी ने उन्हें जीवन में अनुशासन और आत्म-देखभाल के प्रति जागरूक किया है।

मल्होत्रा ने कहा कि योग भारत की प्राचीन धरोहर है जो न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मन और आत्मा को भी संतुलन में लाता है। आज की भागदौ ? भरी ज़िंदगी में योग मानसिक शांति और शारीरिक मजबूती का सर्वोत्तम माध्यम है। आगे उन्होंने कहा कि जब आज पूरी दुनिया योग को केवल शारीरिक व्यायाम के रूप में देखती है, तब हमारे रसोईघर के कर्मचारी योग के वास्तविक उद्देश्य—आत्म-संयम, सेवा भाव और ईश्वर से जु ?ाव—को अपनाकर एक प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। यह अभ्यास न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को संतुलित करता है, बल्कि समाजसेवा में उनकी प्रतिबद्धता को भी और अधिक दृ? करता है। कार्यक्रम के अंत में चरणजीव मल्होत्रा ने सभी को यह संकल्प दिलाया कि वे प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योगाभ्यास अवश्य करेंगे और अपने परिवार व समाज में भी योग के प्रति जागरूकता फैलाएंगे। इस अवसर पर स्थानीय गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षकगण, जिनमें युवा, बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे विद्यार्थियों एवं महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य, सद्भाव और सामाजिक चेतना की दिशा में एक सफल पहल सिद्ध हुआ। चरणजीव मल्होत्रा का यह प्रयास एक प्रेरणा के रूप में सामने आया, जिससे योग को जन-जन तक पहुंचाने की मुहिम को नई ऊर्जा मिली। उन्होंने न केवल स्वयं योग करके उदाहरण प्रस्तुत किया, बल्कि पूरे समाज को भी स्वास्थ्य और अनुशासन की ओर अग्रसर किया। उनका यह कार्य समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।

बिजली निगमों के अधिकारियों को खराब ट्रांसफार्मर बदलने के दिए हुए हैं निर्देश

चंडीगढ, 21 जून। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी के चंदपुरा गांव में बिजली के खराब ट्रांसफार्मर को 15 दिन बाद भी नहीं बदलने वाले बिजली निगम के जेई (कनिष्ठ अभियंता) संजय कुमार को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज को अंबाला छावनी के गांव चंदपुरा के ग्रामीणों ने शिकायत दी थी जिस पर उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए जेई को निलंबित करने के निर्देश दिए थे। ग्रामीणों का आरोप था कि चंदपुरा में बिजली का ट्रांसफार्मर कई दिनों से खराब है

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा सरकार भर्ती करेगी 100 विधि अधिकारी

चंडीगढ़ ।हरियाणा सरकार ने राज्य में 100 लॉ अफसरों की नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ कर दी है। इन नियुक्तियों को पूरा करने के लिए शुक्रवार की शाम एक उच्च स्तरीय चयन समिति का गठन किया गया है। यह समिति हरियाणा विधि अधिकारी (नियुक्ति) अधिनियम 2016 की धारा पांच और उससे संबद्ध नियमों के तहत गठित की गई है। यह नियुक्तियां जनवरी में प्रकाशित विज्ञापन के तहत की जानी हैं, जिनमें 20 अतिरिक्त महाधिवक्ता, 20 वरिष्ठ उप महाधिवक्ता, 30 उप महाधिवक्ता और 30 सहायक महाधिवक्ताओं के पद शामिल हैं।हरियाणा सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार इस चयन समिति की अध्यक्षता हरियाणा के वर्तमान महाधिवक्ता प्रविंद्र चौहान करेंगे। इसके अतिरिक्त समिति में हरियाणा के गृह विभाग के विशेष सचिव मणिराम शर्मा को एसीएस(गृह) के नामित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। हरियाणा विधि एवं विधायी विभाग की प्रशासकीय सचिव एवं विधिक स्मरणकर्ता ऋतु गर्ग भी सदस्य होंगी। सरकार ने इस चयन समिति में दो सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को विशिष्ट विधिक पेशेवर के रूप में नामित किया है। इनमें पूर्व जस्टिस दर्शन सिंह और पूर्व जस्टिस एचएस भल्ला शामिल हैं।

प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमराई: दुष्यंत चौटाला

यमुनानगर। जननायक जनता पार्टी के संगठन के विस्तार को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा करने प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला जगाधरी पहुंचे। पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि उनकी पार्टी का संगठन पूरी तरह से बन चुका है और जल्द ही इसका विस्तार खंड स्तर पूरा कर लिया जाएगा। और जो पुराने साथी पार्टी को छोड़ गए हैं, उन्हें भी वापस लाया जा रहा है और नए साथियों को भी जोड़कर संगठन को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वैसे भी चुनाव आयोग ने सभी पार्टियों से बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की जानकारी मांगी है और वह सभी पार्टियों को देने आवश्यक है। भाजपा की नायब सरकार को लेकर उन्होंन कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। स्वयं मुख्यमंत्री को व्यापारी और शराब कारोबारियों के साथ बात कर उन्हें सुरक्षा की गारंटी देने की बात करनी पड़ रही है। उसके बाद भी चाहे शराब कारोबारी हो या अन्य व्यापारी हो सभी को धमकी देकर या हत्या की जा रही है या फिरौती मांगी जा रही है। उन्होंन कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज करने वाले सभी आरोपियों को पकड़ा जाए। गया है और इसकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

नारनौल में पानी की निकासी के लिए लगेंगे स्थायी पंप सेट

नारनौल। नारनौल में जिन स्थानों पर बार-बार जलभराव होता है, वहां स्थायी रूप से पंप सेट लगाकर पानी की निकासी के इंतजाम किए जाएंगे। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने गुरूवार को जिले में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में नालों से अतिक्रमण हटाने पर जोर दिया, ताकि कहीं भी पानी जमा न हो। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद रहीं। समाधान शिविरों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इन शिविरों में प्राप्त शिकायतों की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने सभी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का सही तरीके से और समय पर निपटारा किया जाए। इस मौके पर महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल यादव, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह, नारनौल के एसडीएम रमित यादव और नगराधीश मंजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हुई हकृवि में परीक्षाएं, 193 ने दी परीक्षा

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं कोर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने आंदोलनरत विद्यार्थियों से एक बार पुनःअपील करते हुए कहा है कि वे अपनी परीक्षाएं और पढ़ाई को प्राथमिकता दें। स्ट्राइक के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हो रही है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय का अभिन्न अंग हैं। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लगातार अपनी जिद को छोड़कर बातचीत के लिए टेबल पर आने का अनुरोध किया जा रहा है, ताकि समस्या का समाधान

किया जा सके। डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय में परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से चल रही हैं। 193 विद्यार्थियों ने अपनी परीक्षा दी। परीक्षा देना छात्रों का मौलिक अधिकार है। किसी भी विद्यार्थी को परीक्षा देने से रोकना या जबरदस्ती करना गैर कानूनी है। किसी भी समस्या का समाधान बातचीत के माध्यम से निकाला जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का शुभारंभ

कुरुक्षेत्र में सीएम नायब सैनी ने किया योगाभ्यास

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का शुभारंभ हो चुका है। देश से लेकर विदेशों तक में लोग योगासन करते देखे जा सकते हैं। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, राज्यपाल बंदारू दत्तात्रेय, सांसद नवीन जिंदल और अन्य लोगों ने योग गुरु स्वामी रामदेव के मार्गदर्शन में योगाभ्यास करते दिखे। सभी कुरुक्षेत्र के ब्रह्म सरोवर पर जुटे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देशवासियों को विशेष दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की प्रदेश वासियों एवं सभी योग साधकों को हार्दिक बधाई! भारत की ऋषि परम्परा के अमूल्य उपहार योग ने विश्व को मानसिक, आध्यात्मिक और शारीरिक उन्नयन की राह दिखाई है। आइए, योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में सहभागी बनें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की शुरुआत से पहले इसरो ने एक्स पोस्ट में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम के तहत इसरो ने अपनी भागीदारी की घोषणा करते हुए कहा, एक इंसान के स्वास्थ्य और पृथ्वी की

देखभाल के बीच गहरा संबंध है। मानसिक और शारीरिक संतुलन भी जरूरी है। वहीं, न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने टाइम्स स्क्वायर जैसे दुनिया के प्रतिष्ठित चौराहे पर एक जीवंत योग सत्र का आयोजन किया! स्वास्थ्य और एकता के इस उत्साहवर्धक उत्सव में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। इसरो ने सभी लोगों से योग अपनाने की अपील की ताकि स्वस्थ जीवन, मजबूती और एक सतत भविष्य की दिशा में हम मिलकर आगे बढ़ सकें। बता दें, देशभर में एक लाख से अधिक स्थानों पर सामूहिक योग प्रदर्शन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में राष्ट्रीय कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे। 'योग संगम' के तहत सुबह 6:30 से 7:45 बजे तक देशभर के एक लाख से ज्यादा स्थलों पर कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार लोग सामूहिक रूप से योग करेंगे। प्रधानमंत्री के अलावा, इस मौके पर सरकार की तरफ से 10 खास कार्यक्रमों की भी घोषणा की गई है जो योग को जन-जन तक पहुंचाने में मददगार साबित होंगे। पिछले 11 सालों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक आयोजन बन चुका है। भारत ने विश्व को योग की जीवनशैली से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है।

ग्राम स्तर पर होगा स्वच्छता सर्वेक्षण: सीईओ

एजेंसी

सिरसा। जिला परिषद के सीईओ डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि सिरसा जिले में स्वच्छता सर्वेक्षण 23 जून से शुरू होगा, केंद्रीय जल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से टीम गांवों का निरीक्षण करेगी और ग्रामीणों से फीडबैक भी लेगी। इसी टीम के सर्वेक्षण के आधार पर स्वच्छता को लेकर रैंकिंग तैयार होगी। इसलिए सभी पंचायतें अपने स्तर पर साफ सफाई व कचरा प्रबंधन को लेकर नियमित रूप से काम करें। इस कार्य में सफाई कर्मचारियों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। सीईओ सुभाष चंद्र पंचायत भवन में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। डा. सुभाष चंद्र ने कहा कि सर्वेक्षण से पूर्व खंड स्तर पर बीडीपीओ तथा ग्राम स्तर पर ग्राम सचिव को इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में कुल एक हजार अंक होंगे, जिनमें से 540 अंक ग्राम स्तर पर टीम द्वारा किए जा रहे निरीक्षण पर आधारित होंगे। प्रत्येक गांव में टीम 50 घरों का निरीक्षण करेगी, गांव की सफाई, कचरा प्रबंधन को विशेष रूप से जांचा जाएगा। सामुदायिक शौचालयों की स्थिति, स्कूल, सामुदायिक केंद्र, आंगनबाड़ी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी टीम द्वारा निरीक्षण किया जा सकता है।

नेपाल सरकार की संयुक्त सचिव पहुंची झज्जर, देखा जल जीवन मिशन

एजेंसी

झज्जर। नेपाल सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने झज्जर जिले के गांव सांखोल के जल घर व गांव का दौरा कर भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन से ग्रामीण क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति में आए सकारात्मक बदलाव का अवलोकन किया। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व नेपाल सरकार की संयुक्त सचिव मीना श्रेष्ठ ने किया।मीना श्रेष्ठा, इंजीनियर योगेंद्र व मधु तिम्ल के तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के साथ सबसे पहले गांव सांखोल के जल घर पहुंचकर पेयजल आपूर्ति की कार्यप्रणाली को जाना द्य इस अवसर पर विभाग के अधीक्षण अभियंता अमित श्योकंद ने पेयजल आपूर्ति से पूर्व के जल शुद्धिकरण के विभिन्न चरणों के बारे में प्रतिनिधि मंडल को विस्तृत जानकारी दी द्य जिसमें जल संग्रहण, फ़िल्टर की सहायता से जल शुद्धिकरण, क्लोरीन गैस की सहायता से पेयजल शुद्धिकरण आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी । वहीं, कार्यकारी अभियंता अमन मोर व एसडीई संदीप दुहन ने जल घर की क्षमता व गांव में

पेयजल आपूर्ति की स्थिति के बारे में प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया द्य जिला सलाहकार डबल्यूएसएसओ श्याम अहलावत ने गांव सहित प्रदेश भर में विभाग द्वारा चलाई जा रही जन जागरूकता गतिविधियों और ओटी व एफटीके किट की सहायता से पेयजल की शुद्धता जांच ग्रामीणों द्वारा किए जाने व ग्रामीण महिलाओं को विशेष ट्रेनिंग डबल्यूएसएसओ स्टॉफ द्वारा दिए जाने की जानकारी दी द्य इसके साथ ही नेपाल सरकार के प्रतिनिधि मंडल ने गांव में विजिट कर ग्रामीणों से भी जल जीवन मिशन के बाद पेयजल आपूर्ति में हुए सुधार और जीवन शैली व दिनचर्या में आये बदलाव के बारे में जाना। इस दौरान गांव की चौपाल में एकत्र हुए ग्रामीणों को संबोधित करते हुए नेपाल सरकार की संयुक्त सचिव मीना श्रेष्ठा ने कहा कि जल जीवन मिशन ने गांव की असल मायने में तस्वीर बदली है जो आप लोगों के चैहरे से झलक रहा है नहीं तो पहले पेयजल के लिए लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

योग अपनाएं, स्वस्थ भारत बनाएं : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम, पलवल में विशाल योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने योगाभ्यास से पहले उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि ÷योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि यह मानसिक शांति और आत्मिक स्फूर्ति का भी स्रोत है। जब व्यक्ति का तन और मन दोनों स्वस्थ हों, तभी वह देश के निर्माण में पूरी ऊर्जा से भाग ले सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे योग को जीवनशैली में अपनाकर स्वस्थ और समृद्ध भारत की दिशा में योगदान दें। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2047 तक विश्व का सबसे समृद्ध राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, और इसमें देश के युवाओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण होगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी हरीश वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला मंडल अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता वरिष्ठभजपा ने हरेंद्र नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम उपरांत खेल मंत्री गौरव गौतम एवं जिला अध्यक्ष ने पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधारोपण भी किया। योग दिवस के अवसर पर जिले के उपमंडल होडल

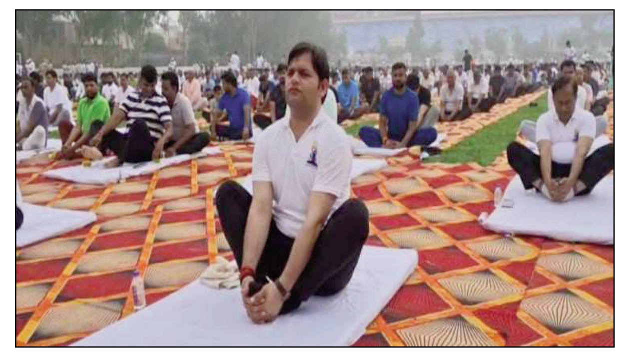

पाल सिंह राणा सहित अनेक गणमान्य अतिथि और अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षित योगाचार्यों द्वारा योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासन और प्राणायाम करवाए गए, जिसमें महिलाओं, पुरुषों, छात्र-छात्राओं और वरिष्ठ में विधायक हरेंद्र राम रतन तथा हथीन एनआईटी से विधायक सतीश फ़ागना में योग कार्यक्रम में शिरकत की। विभिन्न स्थानों पर स्थानीय प्रशासन, स्कूली बच्चों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता से योग अभ्यास का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अपराध और अपराधी को नहीं पनपने देंगे: कृष्ण बेदी

एजेंसी

यमुनानगर। जिला सचिवालय के सभागार में कष्ट निवारण समिति की बैठक कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी की अध्यक्षता में हुई। बैठक के दौरान मिली 21 शिकायतें से 15 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शेष छह शिकायतें को आगामी बैठक के लिए लंबित किया गया, जिनका शीघ्र ही निपटान किया जाएगा। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान करना है न कि औपचारिक बैठक करना है। उन्होंने कहा कि आज यहां पर जो भी शिकायतकर्ता पहुंचे। उनकी समस्याओं का तत्काल जिला प्रशासन के सहयोग से निवारण किया गया। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का समाधान करना है, न कि सिर्फ प्रशासनिक औपचारिकता निभाना है। उन्होंने मुख्यमंत्री की नायाब सरकार

की सराहना करते हुए कहा कि सरकार कष्ट निवारण समिति में आने वाली हर शिकायत को गंभीरता से ले रही है, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पत्रकारों के शराब ठेकेदारों के सवालों पर मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि अब तक कोई भी ठेकेदार खुलकर यह नहीं कह रहा कि उसे कानून व्यवस्था से खतरा है या उसकी जान को कोई खतरा है। यदि किसी को वित्तीय परेशानी है तो वह सरकार से बात करे, मुख्यमंत्री खुद समाधान निकालने को तैयार हैं। अगर सुरक्षा को लेकर चिंता है, तो सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। यमुनानगर में फायरिंग और फिरौती की घटनाओं को लेकर उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और कोई भी अपराधी बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री की नायाब सरकार लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। पत्रकार से फिरौती मांगने की घटना पर भी मंत्री ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में है, लेकिन मीडिया और आम जनता को घबराने की आवश्यकता नहीं है। कोई भी व्यक्ति कभी भी पुलिस प्रशासन या उपायुक्त को इस प्रकार की घटनाओं की जानकारी दे सकता है, उचित कार्रवाई की जाएगी।

रेवाड़ी के खोरी गांव में उप-स्वास्थ्य केंद्र को मिली मंजूरी

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने रेवाड़ी जिले के खोरी गांव में उप-स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना को मंजूरी देकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस प्रस्ताव को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से औपचारिक मंजूरी मिल गई है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि सरकार राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और हर नागरिक की जरूरतों को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को उनकी त्वरित मंजूरी और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, जिससे इस अति आवश्यक परियोजना के समय पर क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह उप-स्वास्थ्य केंद्र टीकाकरण, बुनियादी चिकित्सा उपचार और निवारक देखभाल के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता अभियान जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करेगा। यह पहल स्वास्थ्य सेवा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए राज्य के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है, खासकर हरियाणा के ग्रामीण इलाकों में। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का यह कदम 'स्वस्थ हरियाणा' के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है, और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रेवाड़ी जिले के गांव खोरी के ग्रामीण लंबे समय से अपने क्षेत्र में अपनी प्राथमिक चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक स्वास्थ्य सुविधा की स्थापना का अनुरोध कर रहे थे। उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ महीने पहले स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से भी मुलाकात की थी।

प्रदेश में डीएपी व यूरिया खाद की कमी से किसान परेशान: सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में डीएपी और यूरिया खाद की कई से कई जिलों में किसान परेशान है, खाद की कमी से फसलों की बिजाई प्रभावित हो रही है। सांसद ने सरकार से मांग की है कि त्वरित हस्तक्षेप कर डीएपी और यूरिया खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करे। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा दिया जाए ताकि किसानों को फसल का उचित मूल्य सुनिश्चित हो सके और वे बिचौलियों के शोषण से मुक्त हो सके। सांसद सैलजा ने जारी एक प्रेस बयान में कहा है कि हरियाणा के किसान इन दिनों डीएपी और यूरिया की भारी कमी से जूझ रहे हैं। सिरसा, फतेहाबाद, कैथल समेत अनेक जिलों में खाद न मिलने से किसानों की बुवाई प्रभावित हो रही है। ऐसे में सरकार त्वरित हस्तक्षेप कर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करे। सांसद ने कहा कि पहले सिंचाई पानी की कमी थी और अब बरसात के बाद फसलों की बिजाई का सही समय है, पर किसान डीएपी और यूरिया खाद की

कमी से जूझ रहा है। सरकारी खरीद केंद्र पर खाद नहीं है पर प्राइवेट एजेंसी पर खाद है जो खाद के मनमाने दाम वसूल कर रहे है। ऐसा बिना अधिकारियों की मिली भगत के संभव नहीं है। सरकार को डीएपी और यूरिया खाद की मांग को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराना चाहिए ताकि वह सही समय पर फसलों की बिजाई कर सके। सैलजा ने कहा है कि पराली प्रबंधन के लिए चलाई गई सुटेबल टू बेल स्कीम के तहत किसानों ने सहयोग किया, परंतु अब तक उन्हें प्रोत्साहन राशि नहीं मिली है, जिससे किसानों में नाराजगी है। यह भुगतान तत्काल किया जाना चाहिए। सांसद ने जोर देकर कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा दिया जाए ताकि किसानों को फसल का उचित मूल्य सुनिश्चित हो सके और वे बिचौलियों के शोषण से मुक्त हो सके। सांसद ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की गिरती शैक्षणिक स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की और आग्रह किया कि विश्वविद्यालय को बजट और संरचनात्मक सहायता देकर पुनः कृषि अनुसंधान और शिक्षा का अग्रणी संस्थान बनाया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने ग्रामीण इलाकों में सड़क, पानी, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे बुनियादी ढांचे के अभाव की ओर ध्यान आकृष्ट किया।

गुरुग्राम में अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने दिए लोगों को योगा टिप्स

एजेंसी

गुरुग्राम। फिल्म अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा शनिवार की सुबह यहां डीएलएफ क्लब में योग सिखाने पहुंची। बच्चों, बड़ों, बुजुर्गों, महिलाओं के साथ उन्होंने यहां योग के जरिये खूब पसीना बहाया। फिटनेस के प्रति जागरुक रहने वाली मलाइका अरोड़ा को देखने के लिए भी यहां खूब भीड़ लग गई। डीएलएफ क्लब में योग के एक विशेष सत्र में मलाइका अरोड़ा ने लोगों के साथ योग किया। उन्होंने यहां लोगों को योग के प्रति जागरुक किया। उन्होंने कहा कि योग से हम शारीरिक रूप से मजबूत और स्वस्थ रह सकते हैं। इसलिए योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर फिटनेस पर हमें ध्यान है।

फिल्म अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा को अपने बीच पाकर लोगों का उत्साह कई गुणा बढ़ गया। लोग योग करने के साथ-साथ योग के सेशन में मलाइका अरोड़ा की तस्वीरें लेने और उनके साथ तस्वीरें खिंचाने में भी लगे रहे।

कुछ परिवारों की निजी दुकान है कांग्रेस पार्टी : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

झज्जर। राज्य के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रदेश कांग्रेस का संगठन मजबूत बनाने के लिए चल रही कवायद को केवल कुछ दिन का नाटक करार दिया है। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को कुछ ही परिवारों ने अपनी व्यक्तिगत दुकान बना लिया हो, उसका संगठन मजबूत नहीं हो सकता। राणा यहां परिवेदना समिति की बैठक में जिला निवासियों की शिकायतें सुनने के लिए आए थे। कृषि मंत्री राणा ने कहा कि किसी भी संस्था या राजनीतिक दल का संगठन कार्यकर्ताओं के आत्मीय जुड़ाव से मजबूत बनता है। लेकिन कांग्रेस में नीचे और ऊपर कुछ परिवारों को छोड़कर किसी की नहीं चलती। कार्यकर्ताओं को तो कोई पूछता ही नहीं। एक दिन का मुख्यमंत्री बनने के अभय चौटाला के बयान को लेकर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग अपने लंबे-लंबे शासन काल में भी प्रदेश की जनता का भला नहीं कर पाए तो एक दिन में वे हरियाणा को किस तरह चार चांद लगाने की बात करते

हैं।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के प्रदेश में किसानों को खाद नहीं मिलने संबंधी बयान को लेकर उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद विदेश से मंगवानी पड़ती है। इसके लिए दो-दो साल पहले ऑर्डर बुक करवाना होता है। कई बार ऑर्डर पूरा होने में विलंब हो जाता है। लेकिन राज्य सरकार के प्रयास से किसानों को पर्याप्त खाद अवश्य मिलता है, यही वजह है कि प्रदेश में सभी फसलों की बंपर पैदावार होती है। उन्होंने कहा कि किसानों के सारे उत्पादन को सरकार अच्छे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदती है और किसानों को सीधा उनके बैंक खातों में ही भुगतान करती है। बीच में कमीशन एजेंट के खेल को खत्म कर दिया गया है, इससे किसानों को बहुत सुविधा हो रही है। झज्जर जिला परियोजना समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कृषि मंत्री राणा ने 16 शिकायतों पर सुनवाई की। कई का मौके पर ही समाधान कर दिया और बाकी का शीघ्र समाधान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस मौके पर जिला उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल और बादली के विधायक कुलदीप वत्स सहित तमाम विभागों के अधिकारी व कई राजनीतिक नेता मौजूद रहे।

भाजपा सरकार के 11 वर्षों का कार्यकाल बेमिसाल और स्वर्णिम :डा. राज सैनी

एजेंसी

जींद। भाजपा जिला महामंत्री डा. राज सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार के 11 वर्षों का कार्यकाल बेमिसाल और स्वर्णिम रहा है व इस कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा लिए गए फैसलों को आने वाली पीढ़ी याद रखेगी। इस कार्य काल को इतिहास के पन्नों में दर्ज किया जाएगा। भाजपा जिला महामंत्री डा. राज सैनी पिंडारा मंडल की कार्यशाला के तहत गांव कंडेला में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। मंडल कार्यशाला में पिंडारा मंडल अध्यक्ष कृष्ण रेढू द्वारा डा. राज सैनी को बुक्का देकर स्वागत किया गया। कार्यशाला को शुरू करने से पहले डा. राज सैनी ने कंडेला गांव के दादाखेड़ा पर पूजा अर्चना की। इस दौरान डा. राज सैनी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को मोदी सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं को विस्तारपूर्वक बताई। उनहोंने किसान निधि योजना, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, अटल पेंशन योजना के साथ अनेकों प्रकार की योजनाएं हैं, जिनको नरेंद्र मोदी ने धरातल पर जन-जन तक पहुंचाया है। इसके साथ ही चाहे राम मंदिर निर्माण की बात हो, चाहे धारा 370 खत्म करने की बात हो, चाहे तीन तलाक की

बात हो, चाहे नेशनल हाइवे निर्माण की बात हो, चाहे किसान हित में सरकार द्वारा एमएसपी लागू करने का फैसला हो।

बिना खर्ची व पर्ची के योग्यता के आधार पर नौकरी दी जा रही हैं। डा. राज सैनी ने कहा कि जब देश में कांग्रेस की सरकार थी तो कई बार आपातकाल लागू किया गया। देश में कई जगहों पर राष्ट्रपति शासन लागू करके जुल्म किए गए।

इस कार्यक्रम में बतौर वक्ता भारत भूषण टाक और नरेंद्र पहल मौजूद रहे और भाजपा कार्यकर्ताओं को बताया कि नरेंद्र मोदी और नायब सरकार धरातल पर कार्य करती है और पहले की सरकार केवल जुमलो के साथ सरकार चलाती थी। इस दौरान नरेश कुमार, गीता कंडेला, महावीर, पाला, अजमेर, सुरेंद्र खोखरी, राकेश इंदौरा, आशीष जिंदल, कश्मीर, राजा राम, बलवान के साथ अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एयर इंडिया की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बुकिंग में 20 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फ्लाइट के भयावह हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। हादसे का असर सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि एयरलाइन की कारोबारी स्थिति पर भी साफ दिख रहा है। घटना के बाद यात्रियों के मन में डर बैठ गया है और इसका नतीजा यह हुआ है कि एयर इंडिया की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बुकिंग में करीब 20 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि किराए में भी 8 से 15 प्रतिशत तक की कटौती की गई है। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) के अध्यक्ष रवि गोसाईं ने यह जानकारी दी। आईएटीओ अध्यक्ष के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद इंटरनेशनल रूट्स पर बुकिंग में 18-22 प्रतिशत और घरेलू फ्लाइट्स में 10-12 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। उन्होंने दो टूक कहा कि यह रुझान फिलहाल अस्थायी और भावनात्मक प्रतिक्रिया जैसा प्रतीत होता है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि समय के साथ स्थिति सामान्य हो सकती है, क्योंकि एयर इंडिया पर किसी प्रणालीगत सुरक्षा चूक का आरोप नहीं है और डीसीसीए जैसे नियामक संस्थानों ने इसकी अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के पालन की पुष्टि की है। हादसे के बाद एयर इंडिया ने किराये में भी कटौती की है। घरेलू रूट्स पर किराया 8-12 प्रतिशत कम हुआ है। इंटरनेशनल रूट्स, खासकर यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया की उड़ानों पर 10-15 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।झ्र

संभव स्टील ट्यूब्स आईपीओ 25 जून को, प्राइस बैंड का ऐलान

मुंबई। संभव स्टील ट्यूब्स आईपीओ के प्राइस बैंड का ऐलान हुआ है। कंपनी ने 77 रुपये से 82 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। संभव स्टील ट्यूब्स आईपीओ 25 जून को आएगा। निवेशकों के पास 27 जून तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका रहेगा। बात दें कि संभव स्टील ट्यूब्स ने बताया है कि वे प्राइमरी मार्केट से 540 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ ला रहे हैं। इस आईपीओ में फ्रेश इश्यू और ऑफर फार सेल दोनों शामिल रहेगा। कंपनी ऑफर फार सेल के द्वारा 1.22 करोड़ शेयर और फ्रेश इश्यू के द्वारा 5.37 करोड़ शेयर जारी करेगी। संभव स्टील ट्यूब्स आईपीओ का लॉट साइज 182 शेयरों का है। जिसकी वजह से किसी भी रिटेल निवेशक को करीब 14,924 रुपये का दांव लगाना होगा। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 4 रुपये की छूट दी है। क्योंकि यह एक मेनबोर्ड आईपीओ है। इसलिए संभव स्टील ट्यूब्स की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई दोनों जगह होगी। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए करीब 35 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। एनआईआई के लिए करीब 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा।

एचडीबी फाइनेंशियल आईपीओ की कीमतों में भारी कटौती

- फीडबैक के बाद तय हुआ प्राइस बैंड

नई दिल्ली । एचडीबी फाइनैंशियल के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम की पेशकश कीमतों में भारी कटौती म्युचुअल फंडों, बीमा कंपनियों और अग्रणी विदेशी संस्थागत निवेशकों समेत उच्च गुणवत्ता वाले निवेशकों के साथ व्यापक रोडशो और उनसे मिले फीडबैक के बाद की गई। कंपनी के प्रबंधन और आईपीओ से जुड़े बैंकरों ने यह बताया। आईपीओ का कीमत दायरा इस कंपनी के शेयरों की असूचीबद्ध बाजार में हो रही ट्रेडिंग के मुकाबले काफी कम है। अगर आरबीआई के परिपत्र का मसौदा लागू हुआ तो एचडीबी की प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक को अपनी हिस्सेदारी घटाकर 20 फीसदी पर लानी पड़ सकती है। बैंकरों ने कहा कि असूचीबद्ध बाजार में मूल्य निर्धारण किसी भी प्रबंधन इनपुट के बगैर है। एचडीबी फाइनैंशियल ने अपने आईपीओ के लिए 700 से 740 रुपये का कीमत दायरा तय किया है। आईपीओ 25 को खुलकर 27 जून को बंद होगा। 24 जून को एंकर निवेशक आवेदन कर पाएंगे।

एनएसई के आईपीओ में कोई भी रुकावट नहीं रहेगीः सेबी प्रमुख

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि एनएसई के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए कोई रुकावट उत्पन्न नहीं होगी। सेबी प्रमुख ने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के दिवाली से पहले आने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर कोई समयसीमा साझा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने यहां एफई सीएफओ अवॉर्ड्स समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एनएसई के आईपीओ के मामले में कोई भी बाधा नहीं रहेगी। पांडेय ने दोहराया कि सेबी शेयर बाजारों द्वारा समाशोधन निगम का स्वामित्व रखने से सहमत है और यह स्वामित्व एनएसई के आईपीओ की दौड़ में कोई 'बाधा नहीं है। उन्होंने बताया कि समाशोधन निगम के स्वामित्व के मामले में हर देश के अपने मॉडल होते हैं। अमेरिका में ब्रोकर इसके मालिक हैं जबकि भारत में वे अलग-अलग इकाई के रूप में काम करते हैं। मार्च में सेबी प्रमुख का पदभार संभालने वाले पांडेय ने कहा कि एनएसई कुछ कानूनी प्रक्रियाओं को निपटाने की प्रक्रिया में है, जिसमें कुछ राशि का भुगतान

करना और कुछ मामलों को वापस लेना शामिल है। हालांकि, उन्होंने निपटान की सटीक प्रकृति और किए जाने वाले भुगतानों के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी।

80 दिनों में इनकम टैक्स कलेक्शन 5.45 लाख करोड़ के पार

मुंबई । देश के डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में लगातार मजबूती देखने को मिल रही है। वित्त मंत्रालय के अनुसार 19 जून 2025 तक डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 4.86 फीसदी बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जो बीते साल इसी अवधि में 5.19 लाख करोड़ रुपए था। हालांकि, टैक्स रिफंड में तेज बढ़ोतरी के चलते शुद्ध टैक्स संग्रह (नेट कलेक्शन) में हल्की गिरावट देखी गई। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार टैक्स रिफंड में साल-दर-साल 58.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह रिफंड 2024 में 54,661 करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 86,385 करोड़ रुपए हो गया है। इसके चलते नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 1.39 फीसदी घटकर 4.58 लाख करोड़ रुपए रह गया। एडवांस टैक्स कलेक्शन में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला है। कुल एडवांस टैक्स 3.87 फीसदी बढ़कर 1,55,533 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें कॉरपोरेट टैक्स का योगदान 1,21,604 करोड़ रुपए रहा, जो करीब 6 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, नॉन-कॉरपोरेट एडवांस टैक्स में 2.68 फीसदी की गिरावट आई है और यह घटकर 33,928 करोड़ रुपए रह गया है।

ब्रोकरेज हाउस ने इस शेयर पर दिखाया भरोसा, 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी आएगी

मुंबई। बीते एक साल से स्टॉक मार्केट में संघर्ष कर रहे स्टॉक टाटा मोटर्स के प्रदर्शन को लेकर ब्रोकरेज हाउस ने बड़ी भविष्यवाणी की है। ब्रोकरेज हाउस का कहना हैं कि कंपनी के शेयरों में 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी प्राप्त करने की क्षमता है। बता दें, शुक्रवार को मार्केट की तेजी में टाटा मोटर्स के शेयरों में भी बढ़त दिखाई दी थी। रिपोर्ट के अनुसार टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयरों को ब्रोकरेज फर्म ने आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस की ओर से टाटा ग्रुप के स्टॉक का टारगेट मूल्य 830 रुपये प्रति शेयर सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि जगुआर और लैंडरोवर एक लक्जरी ब्रांड बनने की ओर अग्रसर हो रहे है। टाटा मोटर्स का फोकस है कि पैसेंजर वाहन सेगमेंट में उसका मार्केट शेयर बढ़े। इसके लिए कंपनी अलग-अलग मॉडल लांच कर रही है। वहीं, टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में भी तेजी से काम कर रही है। कंपनी ने ईवी सेगमेंट के लिए जो टारगेट रखा है, उस टारगेट को 2030 में हासिल कर लेगी। बता दें, टाटा मोटर्स की कुल सेल्स का 15 प्रतिशत ईवी सेगमेंट से आता है। अपनी प्रतिद्वंदी कंपनी हुंडई, मारुति की तुलना में टाटा मोटर्स ईवी सेगमेंट में अच्छा काम कर रही है। बीते एक साल में टाटा मोटर्स के शेयरों का भाव 30 प्रतिशत टूट चुका है। कंपनी ने 2 साल में करीब 16 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 30 प्रतिशत की तेजी आई है।

लगातार दूसरे सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में तेजी रही

- सेंसेक्स और निफ्टी 1.5 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ बंद हुए

मुंबई ।

बीते सप्ताह जियोपोली टिकल टेंशन, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई। हालों कि शेयर बाजार में सप्ताह भर उथल पुथल भरा कारोबार देखने को मिला। 20 जून को खत्म हुए हफ्ते में बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी में 1.5 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुए। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को हरियाली दिखी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 288.79 अंक चढ़कर 81,407.39 पर खुला और 677.55 अंक चढ़कर 81,796.15 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 98.9 अंक चढ़कर 24,817.50 पर खुला और 227.90 अंक चढ़कर 24,946.50 पर बंद हुआ। मंगलवार को लाल निशान पर खुला बाजार हरे निशान पर भी आया, लेकिन यह हरियाली ज्यादा देर नहीं टिकी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 127.02 अंक गिरकर 81,669.13 पर खुला और 212.85 अंक गिरकर 81,583.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 369.14 अंक गिरकर 81,427.01 अंक पर आ गया था। निफ्टी 55 अंक गिरकर 24,891.50 पर खुला और वहीं एनएसई निफ्टी 93.10 अंक या 0.37 प्रतिशत गिरकर 24,853.40 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बाद में उछला और 93.05 अंक बढ़कर 81,676.35 पर खुला और 346.29 अंक गिरकर 81,237.01 के निचले स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी 42.80 अंक बढ़कर 24,896.20 पर खुला और 41.35 अंक गिरकर 24,812.05 अंक पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 253.62 अंक गिरकर 81191.04 पर खुला और 82.79 अंक गिरकर 81,361.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 392.9 अंक का उतार-चढ़ाव देखा और 81,583.94 अंक के उच्चतम और 81,191.04 अंक के न्यूनतम स्तर को छुआ। जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.95 अंक गिरकर 24738.10 पर खुला और एनएसई निफ्टी 18.80 अंक गिरकर 24,793.25 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार की शुक्रवार को सपाट शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 289.43 अंक चढ़कर 81,651.30 पर खुला और 1046.30 अंक उछलकर 82,408.17 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 88.25 अंक चढ़कर 24,881.50 पर खुला और 319.15 अंक बढ़कर 25,112.40 अंक पर बंद हुआ।

गर्व की बात.........फिरंगियों के देश में भारतीय कंपनियों का दबदबा

मुंबई।

फिरंगियों के देश यानी यूके में भारतीय कंपनियों का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां भारतीय कंपनियों की संख्या में रिकॉर्ड तेजी देखी जा रही है। सिर्फ संख्या में तेजी ही नहीं, बल्कि कमाई भी खूब बढ़ी है। दरअसल, एक कारोबारी संगठन ने ये विश्लेषण किया है।

विश्लेषण के अनुसार, ब्रिटेन में काम कर रही भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों की संख्या में बीते साल के मुकाबले 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस साल यह संख्या 1197 तक पहुंच गई है। यह सालाना वृद्धि की सबसे तेज गति है। साथ ही ब्रिटेन में भारतीय स्वामित्व वाली कंपनियों का संयुक्त राजस्व साल 2024 में 68.09 अरब पाउंड (करीब 7932 अरब रुपये) से बढ़कर 72.14 अरब पाउंड (करीब 8404 अरब रुपये) हो गया है।

ये व्यवसाय पूरे यूके में 1.27 लाख लोगों को रोजगार देते हैं। बीते साल 8000 से अधिक नए रोजगार जोड़े हैं। साल 2025 ट्रैकर कंपनियों ने 42 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर और 32.6 अरब पाउंड का संयुक्त कारोबार हासिल किया।

इन फर्मों ने 67.3 मिलियन पाउंड का कॉर्पोरेशन टैक्स भी दिया और 56 हजार से अधिक नौकरियां पैदा कीं। आईजीएफ के अध्यक्ष मनोज लाडवा ने कहा कि इस वर्ष का इंडिया मीट्स ब्रिटेन ट्रैकर इस बात को रेखांकित करता है कि भारतीय कारोबार यूके के साथ एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार और निवेश केंद्र के रूप में कितने जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूके और भारत के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से इंडिया ग्लोबल फोरम का यूके-इंडिया फ्यूचर फोरम एक महत्वपूर्ण आधुनिक मंच बन रहा है। लाडवा ने कहा कि यह देखना उत्साहजनक है कि यूके में भारतीय निवेश न केवल बढ़ रहा है बल्कि फल-फूल भी रहा है। वहीं यूके एक्सपर्ट ने भी भारतीय कंपनियों की बढ़ती संख्या और रेवेन्यू को सराहा।

साल 2025 ट्रैकर में विप्रो आईटी सर्विसेज यूके सोसाइटस 448 प्रतिशत राजस्व वृद्धि के साथ विकास रैंकिंग में सबसे ऊपर है। इसके बाद आईटी मैनेजमेंट फर्म जोहो कॉर्पोरेशन लिमिटेड है जिसने 197 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कुल मिलाकर 20 कंपनियां 2025 में पहली बार ट्रैकर में शामिल हुईं, जबकि 41 कंपनियां पिछले साल से ट्रैकर पर बनी रहीं। भारतीय कंपनियों के लिए लंदन पसंदीदा जगह बनी हुई है। यहां कुल भारतीय कंपनियों में से 47 फीसदी का हेडक्वार्टर है।

आरबीआई ने गोल्ड लोन के नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली । भारत में गोल्ड लोन के नियमों में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में बड़ा बदलाव किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अब 2.5 लाख से 5 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन पर सोने की कीमत के 80 फीसदी तक ऋण दिया जा सकेगा, जबकि 5 लाख रुपये से अधिक के लोन के लिए यह सीमा घटाकर 75 फीसदी कर दी गई है। यह बदलाव 1 अप्रैल 2026 तक सभी संबंधित संस्थानों द्वारा लागू करना अनिवार्य होगा। गोल्ड लोन की राशि का निर्धारण सोने की शुद्धता और मार्केट कीमत के आधार पर होता है। आमतौर पर 22 कैरेट सोना गिरवी रखा जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि 22 कैरेट सोने की प्रति ग्राम कीमत 9,000 रुपये हो, तो 10 ग्राम सोने की कुल कीमत 90,000 रुपये होगी। 75 फीसदी लोन-टू-वैल्यू के हिसाब से, आप लगभग 67,500 रुपये तक का गोल्ड लोन प्राप्त कर सकते हैं। यह राशि लोन लेने के समय सोने की मार्केट वैल्यू और शुद्धता के अनुसार थोड़ी बढ़ या घट सकती है। गोल्ड लोन लेने के लिए आप बैंक या नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) दोनों विकल्पों में से चुन सकते हैं। बैंक आमतौर पर कम ब्याज दर पर लोन देते हैं, लेकिन प्रक्रिया में थोड़ा अधिक समय लग सकता है। वहीं एनबीएफसी से गोल्ड लोन जल्दी अप्रूव हो जाता है लेकिन ब्याज दर थोड़ी ज्यादा होती है।

तेल की कीमतों में तीन साल की सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की गई

नई दिल्ली।

ईरान और इज़राइल के बीच चल रहे तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को झकझोर दिया है। बीते दिनों कच्चे तेल की कीमतों में एक ही दिन में बीते तीन वर्षों की सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की गई। तेल की कीमतों में उछाल ने भारत समेत कई तेल आयातक देशों के लिए गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि इस संघर्ष का वैश्विक आपूर्ति पर भी असर पड़ा है और भारत भी प्रभावित हो सकता है। अगर ईरान पर इजराइल और अमेरिका का दबाव बढ़ता है तो वह तेल की आपूर्ति रोक सकता है। खाड़ी क्षेत्र के अन्य उत्पादक देशों की तेल साइट्स भी ईरानी मिसाइलों की रेंज में हैं। इससे सप्लाई ठप हो सकती है और कीमतों में अप्रत्याशित तेजी आ सकती है, जिसका असर भारत पर भी होगा। ईरान वैश्विक क्रूड ऑयल आपूर्ति में लगभग 2 फीसदी का योगदान देता है। खरग द्वीप के ज़रिए ईरान का 90 फीसदी तेल निर्यात होता है लेकिन हालिया सैटेलाइट इमेज से शिपमेंट में गिरावट सामने आई है। वहीं, होर्मुज जलडमरूमध्य - जहां से 20 फीसदी वैश्विक तेल आता-जाता है, अभी चालू है लेकिन खतरा मंडरा रहा है। तेल संकट की स्थिति में दुनिया की उम्मीदें सऊदी अरब और यूएई पर टिकी होंगी। दोनों मिलकर 30-40 लाख बैरल अतिरिक्त उत्पादन कर सकते हैं। सऊदी अरब पहले ही 12.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन उत्पादन कर रहा है और इसके पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार है। भारत अपनी तेल जरूरतों का 85-88 फीसदी आयात करता है, मुख्य रूप से इराक, सऊदी अरब, रूस और यूएई से। यदि होर्मुज मार्ग बाधित होता है तो न केवल आयात बिल बढ़ेगा, बल्कि चालू खाता घाटा और महंगाई में भी इजाफा हो सकता है। अगर हालात युद्ध में बदलते हैं तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है, जो दुनिया की एक-तिहाई तेल और 20 फीसदी नेचुरल गैस का रूट है।

इससे कच्चे तेल की कीमत में 20 फीसदी तक उछाल आ सकता है। भारत के कुल तेल आयात का लगभग 45-50 फीसदी इसी रास्ते से आता है।

इस वर्ष मई में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए कम हुई महंगाई

नई दिल्ली ।

कृषि श्रमिकों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण श्रमिकों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति दर सालाना आधार पर इस साल मई में घटकर क्रमशः 2.84 प्रतिशत और 2.97 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह क्रमशः 7 प्रतिशत और 7.02 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यह जानकारी श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार उजागर की गई है। मासिक आधार पर भी मुद्रास्फीति दर में कमी दर्ज की गई है। इससे पहले अप्रैल में सीपीआई-एएल के लिए मुद्रास्फीति दर 3.48 प्रतिशत और सीपीआई-आरएल के लिए मुद्रास्फीति दर 3.53 प्रतिशत थी। पिछले सात महीनों में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति दर में लगातार गिरावट आ रही है। यह उन कमजोर वर्गों के लिए राहत की बात है, जो बढ़ती कीमतों से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इससे उनके पास अधिक पैसे बचते हैं, जिससे उनकी जीवनशैली बेहतर होती है। कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए मुद्रास्फीति में गिरावट देश की समग्र उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में पिछले वर्ष मई की तुलना में इस वर्ष मई में 2.82 प्रतिशत की गिरावट की पृष्ठभूमि में आई है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह फरवरी 2019 के बाद से खुदरा मुद्रास्फीति का सबसे निचला स्तर है।

दोपहिया वाहनों के लिए एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम होगा अनिवार्य

- जनवरी, 2026 से सभी नए निर्मित वाहनों पर होगा लागू

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार अगले साल जनवरी, 2026 से सभी नए निर्मित दो पे हिया वाहनों के लिए एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) अनिवार्य बनाने की तैयारी कर रही है। इनमें स्कूटर, मोटरसाइकिल और बाइक शामिल होंगे। इसके अलावा, मंत्रालय एक नियम लागू करने की तैयारी कर रहा है जिसके तहत सभी टू-व्हीलर निर्माताओं और डीलरशिप को हर नए वाहन के साथ भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा प्रमाणित दो हेलमेट उपलब्ध कराने होंगे। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि ये पहल भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को कम करने में महत्वपूर्ण होंगी। एक खबर के अनुसार दो पे हिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में लगभग 44 फीसदी हिस्सेदारी है। इनमें से अधिकांश मौतें सिर की सुरक्षा के अभाव में लगने वाली गंभीर चोटों से जुड़ी हैं। परिवहन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, फिलहाल एबीएस केवल 125 सीसी से ऊपर की बाइक पर अनिवार्य है। यह देखते हुए कि इनमें से अधिकांश वाहन 70 किमी/घंटा से अधिक की गति से यात्रा कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि स्किडिंग और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बेहतर ब्रेकिंग सिस्टम मौजूद हों। एबीएस को आपातकालीन ब्रेकिंग स्थितियों के दौरान व्हील लॉक-अप को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। खासकर गीली या असमान सड़कों पर इसका महत्व काफी बढ़ जाता है।

दिल्ली में 1 जुलाई से नया फ्यूल नियम लागू होगा

- 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को नहीं मिलेगा ईंधन

नई दिल्ली ।

दिल्ली में 1 जुलाई से 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को पेट्रोल पंप से फ्यूल नहीं मिलेगा। यह नियम अब पूरे देश में रजिस्टर्ड पुराने वाहनों पर लागू होगा, भले ही वे किसी भी राज्य से पंजीकृत हों। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 21 जून को इसकी पुष्टि की। यह कदम उन लोगों के लिए बड़ा झटका है जो दिल्ली में नियमों से बचने के लिए अपने पुराने वाहनों को दूसरे राज्यों में रजिस्टर करवा रहे थे। योग ने अप्रैल में ही यह निर्देश जारी किया था कि 1 जुलाई से ऐसे ओवरएज वाहनों को ईंधन न दिया जाए। सीएक्यूएम के एक तकनीकी सदस्य ने कहा कि हमारे दिशा-निर्देशों में ऐसा नहीं है कि सिर्फ दिल्ली में रजिस्टर्ड एंड ऑफ लाइफ (ईओएल) वाहनों को ही ईंधन नहीं मिलेगा। दिल्ली की सड़कों पर बाहर के राज्यों से पंजीकृत वाहन भी चलते हैं और ये भी प्रदूषण फैलाते हैं। पिछले साल हुए एक सर्वे में सामने आया था कि दिल्ली-एनसीआर के 75 फीसदी परिवारों में कम से कम एक सदस्य को लगातार खांसी या गले में खराश की शिकायत रहती है। वहीं आधे परिवारों ने बताया कि उनके किसी न किसी सदस्य को दम घुटने या अस्थमा जैसी दिक्कतें हो रही हैं, जिसकी बड़ी वजह जहरीली हवा है। दिल्ली में अब पेट्रोल पंपों पर लगे कैमरे पुराने और नियम तोड़ने वाले वाहनों की पहचान करेंगे। राजधानी के 520 में से 500 फ्यूल स्टेशनों पर ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगाए जा चुके हैं। बाकी बचे हुए पंपों पर यह व्यवस्था 30 जून तक पूरी कर दी जाएगी। दिल्ली से सटे पांच जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाज़ियाबाद, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) और सोनीपत में 1 नवंबर से ईंधन बिक्री पर रोक लागू कर दी जाएगी। इन जिलों में 31 अक्टूबर तक एएनपीआर कैमरे लगाए जाने की तैयारी है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बाकी जिलों में यह नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। तब तक वहां भी एएनपीआर कैमरे लगाना जरूरी होगा।

इजरायल-ईरान संघर्ष : परमाणु बम की बुनियाद पर

आनन्द अग्निहोत्री

इस्राइली सेना ने बयान जारी कर ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बताते हुए कहा है कि खुफिया जानकारी के अनुसार वो परमाणु हथियार हासिल करने के बेहद करीब है। इस्राइली सेना के प्रवक्ता बीजी एफी डेफिरन ने कहा, 'हम ईरानी शासन को ऐसे परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकते जिससे इस्राइल और दुनिया के लिए खतरा हो, इसलिए इस्राइल ने तैयारी के साथ ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया है'

इजरायल और फिलस्तीन के बीच युद्ध का दौर एक सदी से भी पुराना है। पिछले वर्ष भी यह जारी था। इजरायल बराबर गाजा पर हमले कर रहा था। अचानक इस युद्ध की दिशा मुड़ जाती है।

इजरायल फिलस्तीन से टकराव को छोड़ कर अचानक ईरान की ओर मुड़ जाता है। फिर 13 जून को ईरान पर जबर्दस्त हवाई हमला करता है। सवाल उठता है कि यह इतना अचानक क्यों? विचारणीय बात यह है कि इजरायल क्यों इतनी खूंरेजी पर आमादा हो गया। उसकी एयर स्ट्राइक का पहला निशाना ईरान के परमाणु क्षेत्र और परमाणु वैज्ञानिक थे। सेनाधिकारियों के अलावा ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए। तो क्या इजरायली हमले का मकसद ईरान का परमाणु अनुसंधान रोकना है। अगर ईरान परमाणु हथियार बनाने के अनुसंधान में लगा है, तो इससे इजरायल का क्या नुकसान है?

इस सवाल का जवाब तलाश करने के लिए हम एक बार फिर लौटते हैं इजरायल-फिलस्तीन युद्ध की ओर। इस युद्ध का जनक ब्रिटेन था। उसने ही इजरायली और फिलिस्तीन के मुसलमानों के बीच जंग शुरू कराई। इजरायल में रहने वाले यहूदी मतावलंबी मुसलमानों से वैर मानते हैं। छोटा-सा इजरायल इसी कारण सारे मुस्लिम देशों से वैरभाव रखता है। ईरान भी उनमें एक है, और उसका पड़ोसी मुल्क है। अगर ईरान परमाणु शक्ति संपन्न हो जाता है तो निश्चित रूप से इजरायल के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। जाहिर है कि ऐसे में इजरायल उसे हर हाल में इस कोशिश से विफल करना चाहेगा।

इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को क्षति पहुंचाने के लिए कई बार गुप्त हमले किए। इनमें ईरानी परमाणु कार्यक्रम के जनक मोहसिन फखरीजादेह की हत्या तक करा डाली लेकिन ईरान का परमाणु कार्यक्रम रु का नहीं। इजरायल बराबर प्रयास करता रहा। संयुक्त राष्ट्र में हिज्बुल्लाह-हमास विरोधी अभियानों का तो समर्थन किया गया था, लेकिन ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे तबाह करने के प्रयासों पर वीटो के जरिए रोक लगा दी गई। ऐसे में इजरायल को इंतजार था सही वक्त का और वह वक्त मिला उसे अमेरिका की सत्ता पर दोबारा डोनाल्ड ट्रंप के आने पर। अमेरिका भी ईरान पर परमाणु संधि के लिए दबाव डाल रहा है। इजरायल के हमले से दोनों के लक्ष्य सधते प्रतीत हो रहे हैं।

इस संधि के लिए ही ईरान पर दबाव बनाने के लिए इजरायल ने हमला बोला है। दरअसल, यह टकराव सिर्फ ईरान और इजरायल का नहीं है। बेशक, मोर्चे पर ये दोनों देश हैं, लेकिन इनकी सरपरस्ती अलग-अलग देश कर रहे हैं। जब से ट्रंप अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उनका सबसे बड़ा लक्ष्य दुनिया का सबसे बड़ा चौधरी बनने का है। रूस-यूक्रेन टकराव हो, भारत-पाक टकराव या अब ईरान-इजरायल टकराव, हर जगह चौधरी बनना चाहते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने में उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। कारण भी साफ है। रूस अमेरिका से कमजोर नहीं है, और रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन न तो अलग यूक्रेन को मान्यता देंगे और न ही इस बारे में ट्रंप की कोई बात मानेंगे। रही भारत-पाक टकराव के बाद सीजफायर की बात उसमें भी वह अब तक 17 बार दावे कर चुके हैं कि उनके कहने पर ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ।

इसके उलट ट्रंप को पाकिस्तान से इसलिए प्यार है कि पाकिस्तान को अड्डा बना कर ही अमेरिका ने अफगानिस्तान से रूस का वर्चस्व समाप्त कराया। अब चीन और भारत, दोनों को दबा कर ट्रंप एशिया महाद्वीप में अपनी धाक कायम रखना चाहते हैं। जहां तक इजरायल और ईरान की बात है, वहां भी चौधरी बनने के लिए ट्रंप ने साफ-साफ कहा है कि हमने जो भारत-पाकिस्तान में कराया वही ईरान-इजरायल टकराव में भी कराएंगे। इजरायली हमले का मकसद ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोकना है, और इसे शह दी है ट्रंप ने। इजरायल के हमले में ईरान की जो क्षति हुई है, वह इस बात का ताजा सबूत है। 13 जून को इजरायल ने ईरान के खिलाफ ह्यऑपरेशन राइजिंग लॉयनह्न शुरू किया और इसके तहत ईरान में कई जगहों पर बड़े हमले किए। हमलों के बाद इजरायली सेना ने बयान जारी कर ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बताते हुए कहा कि खुफिया जानकारी के अनुसार वो परमाणु हथियार हासिल करने के बेहद करीब है। ईरान छह साइटों पर परमाणु अनुसंधान कार्यक्रम चला रहा है। इन साइटों पर यूरेनियम संवर्धन का काम चल रहा है।

इसमें उसकी मदद रूस और पाकिस्तान कर रहे हैं। इतना यूरेनियम उसके पास हो गया है कि वह कम से कम नौ परमाणु बम तैयार कर सकता है। अभी तक वह इतने बम तैयार कर पाया या नहीं, इस बारे में स्थिति साफ नहीं है, हालांकि ट्रंप का दावा है कि ईरान के पास अभी परमाणु हथियार नहीं हैं। जंग के इन छह दिनों में इजरायल ने नतांज और बोशहर पर हमले किए। सिर्फ नतांज को कुछ हद तक क्षति पहुंचा सका। बाकी सभी जगह यूरेनियम संवर्धन का काम जारी है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने भी आंशिक क्षति की बात स्वीकार की है। बड़ा सवाल यह है कि क्या इजरायल ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोक पाएगा। इसका जवाब देने के पहले ईरान की उन छह साइटों की सुरक्षा व्यवस्था जान लेते हैं, जहां यूरेनियम संवर्धन का काम हो रहा है। ईरान ने इनकी सुरक्षा की ऐसी व्यवस्था की है कि इजरायल के लिए इसे भेद पाना मुश्किल है।

अगर उसके लिए यह संभव होता तो जाने कब इन साइटों को तबाह कर चुका होता। इन साइटों को तबाह करने की ताकत अमेरिका में है। लेकिन अगर वह सीधे जंग में कूदा तो स्थितियां और विकट हो जाएंगी। हालांकि ट्रंप कह चुके हैं कि जरूरत पड़ी तो जंग में भी शिरकत करेंगे, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप ऐसा करते हैं, तो यूक्रेन से युद्ध में लगे रहने के बाद भी रूस ईरान की ओर से मैदान में आ जाएगा। चीन ने जंग के बीच गुप्त रूप से ईरान को हथियार सप्लाई कर अपना रु ख पहले ही साफ कर दिया है। पाकिस्तान कितना भी कमजोर हो, लेकिन है तो ईरान के साथ ही। यह दीगर बात है कि अमेरिका के दबाव में उसने स्वयं को नियंत्रित कर रखा है। हालांकि इतना साफ है कि ट्रंप जंग में कूदे तो तीसरे विश्व युद्ध की स्थिति पैदा हो जाएगी।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

संपादकीय

कबीलाई होती जंग

ईरान-इजरायल के एक-दूसरे पर हमले जारी हैं। इजरायली मीडिया के अनुसार तेल अवीव के अस्पताल को ईरानी मिसाइल से हमला हुआ। जिसमें कम से कम चालीस लोग घायल हैं। हजार बिस्तरों वाला यह अस्पताल दक्षिणी इजरायल के तकरीबन दस लाख लोगों को सेवा प्रदान करता है। जिसके कई हिस्से क्षतिग्रस्त बताये जा रहे हैं। हफ्ते भर पहले इजरायल ने ईरान के सैन्य स्थलों, परमाणु वैज्ञानिकों व अन्य महात्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बना कर हमला चालू किया था। उसने अराक भारी जल रिएक्टर पर भी हमला किया। इजरायल का आरोप है कि वह ईरान को अपने खतरे के रूप में देखता है और पिछले कुछ महीनों से परमाणु हथियार बनाने की योजना को गति दी है। इसलिए उसके पास हमले के अतिरिक्त कोई हल नहीं है। उसका तर्क है, वह परमाणु हथियार का प्रयोग उसे नेस्तनाबूद करने के लिए कर सकता है। आरोप हैं कि उसने चार सौ किलोग्राम यूरेनियम एकत्र कर लिया है। इजरायल के पास नब्बे परमाणु हथियार होने की आशंका व्यक्त की जाती है। हालांकि उसने कभी इसकी पुष्टि नहीं की है। मगर वह परमाणु अप्रसार संधि का हिस्सा नहीं है। बचाव में या कहें कि बदले के तौर पर ईरान ने लगातार हमले किए। मगर अस्पताल, स्कूल या रिहाइशी इलाकों में इस तरह के खतरनाक हमलों को मानवीय नहीं ठहराया जा सकता। कुल मिलाकर यह संघर्ष न सिर्फ दो मुल्कों तक सीमित रहने वाला है बल्कि विश्व को दो धड़ों में बांट सकता है। ईरानी सर्वोच्च नेता अली खामेनेई धार्मिक कट्टर विचारधारा के लिए जाने जाते हैं, जिनके पास असीम शक्तियां हैं। मगर वहां की जनता का बड़ा भाग उनके विरोध में भी है, जबकि अमेरिका इजरायल का बड़ा दोस्त माना जाता है। ईरान के पीछे रूस है। इसलिए इस सारे उकसावे के पीछे उसका भी हाथ माना जा रहा है। अब तक भले ही रूस संतुलित व सतर्क नजर आ रहा था मगर इजरायल की तरफ से बढ़ते हमले के जवाब में दिया गया हो। सवाल है, इजरायल केवल ईरान को धमकाने और परमाणु कार्यक्रमों को निशाना बनाने के लिए तो इतना बड़ा कदम नहीं उठा रहा है। इसके पीछे तेल की कीमतों का भी व्यापक असर देखा जा रहा है। रूस करे या अमरीका, दोनों को युद्ध रोकने के प्रति कूटनीतिक रूप से कदम आगे बढाना होगा। कहीं ऐसा न हो, बंदरों के झगड़े का लाभ बिल्ली उठा ले। बगैर वैश्विक शांति व ईरानी-इजरायली बाशिंदों की जान की परवाह के।

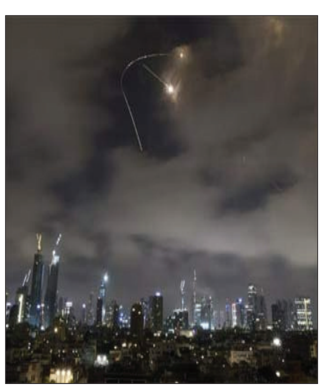

सूक्ति

करुणा में शीतल अग्नि होती है जो क्रूर से क्रूर व्यक्ति का हृदय भी आर्द्र कर देती है।
- सुदर्शन

जैसे जल द्वारा अग्नि को शांत किया जाता है वैसे ही ज्ञान के द्वारा मन को शांत रखना चाहिए।
- वेदव्यास

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

लोकतंत्र को बचाने में मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण

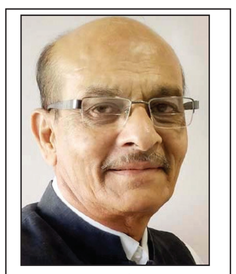

सनत जैन

बिहार और झारखंड विधानसभा के चुनाव इसी वर्ष होने जा रहे हैं। अगले साल असम, पश्चिम बंगाल, पांडिचेरी, तमिलनाडु और केरल के विधानसभा चुनाव हैं। भारत में लोकतंत्र बचाओ अभियान विपक्ष चला रहा है। लोकतंत्र को बचाए रखने में मतदाताओं का सजग होना जरूरी है। मतदाताओं को अधिकार और कर्तव्यों का ज्ञान होना जरूरी है। मतदाताओं की रुचि अपने अधिकारों और लोकतंत्र को बनाए रखने की नहीं होगी, तो सत्ता में बैठे हुए लोग बहुमत के आधार पर सत्ता में बने रहने के लिए जवाबदेही से बचते हैं। बहुमत के बल पर इस तरह के नियम और कानून बनाते हैं। जिसके कारण नागरिकों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अधिकार सीमित होते चले जाते हैं। नियम और कानून की आड़ में नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन होने लगता है। सरकारों की ताकत बढ़ जाती है। मतदाता सरकारों पर निर्भर होकर रह जाते हैं। लोकतंत्र में चुनाव एक सेफ्टी वाल की तरह होता है। जो लोगों की नाराजगी को चुनाव के दौरान सामने लाता है। सत्ता में यदि समय-समय पर परिवर्तन होते हैं, ऐसी स्थिति में सरकारें जनता के प्रति जवाबदेह होती हैं। लोकतंत्र के लिए सबसे पहले खतरा अधिनायकवाद है। जब भी कोई सरकार आलोचना और असहमति से बचने लगती है। नागरिकों के अधिकारों को तरह-तरह के कानून बनाकर नियंत्रित करने की कोशिश करती है। उसके कारण अधिनायकबाद बढ़ता चला जाता है। नागरिकों के अधिकार सीमित होते चले जाते हैं। हाल ही में जिस तरह से बुलडोजर न्याय चल रहा है और सांसदों और विधायकों के अधिकार सीमित होते चले जा रहे है। जिस तरह से आम आदमी के ऊपर टेक्स बढ़ाये जा रहे हैं। नागरिकों की स्वतंत्रता, मौलिक अधिकार और लोकतंत्र पर सबसे बड़ा खतरा महसूस किया जा रहा है। जब कोई भी सत्ता बार-बार लंबे समय तक बनी रहती है। उसमें वंसवाद और अधिनायकवद बढ़ता जाता है। जो आगे चलकर तानाशाही में बदल जाता है। इस स्थिति में जनता की सुनवाई नहीं होती है। जब सरकार बड़े बहुमत के साथ सत्ता में आती है। ऐसे समय पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र भी समाप्त हो जाता है। जिसके कारण लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं समाप्त होने लगती हैं। वर्तमान में जिस तरह से राजनीति में धर्म, जाति, राष्ट्रवाद, बेनामी संपत्ति, धनबल और बाहुबल बढ़ा है। वह लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक स्थिति है। जब केंद्र एवं राज्यों में एक ही राजनीतिक दल की सरकारें लंबे समय तक रहती है। जैसा वर्तमान में कहा जा रहा है, डबल इंजन की सरकार को चुनें अन्यथा नुकसान होगा। जहां पर सिंगल इंजन की सरकार है। वहां पर केंद्र की सरकार उनके साथ भेदभाव करती है। जिसके कारण संघीय व्यवस्था और लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं डगमगाने लगी हैं। डॉक्टर अंबेडकर ने भी जब संविधान पर चर्चा हो रही थी। तब इस तरह की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। केंद्र की सरकार राज्यों की शक्ति कम करने की कोशिश करती है। डबल इंजन की सरकार का जुमला अपने आप में लोकतंत्र और संघवाद के खिलाफ है। चुनाव के पूर्व सभी राजनीतिक दल अपने-अपने घोषणा पत्र लेकर जनता के पास जाते हैं। उसके आधार पर जनता के मत को प्राप्त करते हैं। बाद में राजनैतिक दल की गई घोषणाओं से पल्ला झाड़ लेते हैं। यह मतदाताओं के साथ धोखा है। धोखाधड़ी कर-के राजनैतिक दल चुनाव जीत जाते हैं। भारत में अभी इस तरह की धोखाधड़ी के आधार पर सरकारों को नियंत्रित करने का कोई प्रावधान नहीं है। जिसके कारण पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति बड़े पैमाने पर बढी है चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को तरह-तरह के प्रलोभन दिए जाते हैं। चुनाव जीतने के बाद मतदाताओं के प्रति सरकार असवंदेनशील हो जाती है। लोकतंत्र को यदि बचाए रखना है, तो इसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी मतदाताओं की है। भारत की एक तिहाई आबादी अभी भी गरीबी रेखा के नीचे है। बेरोजगारी और महंगाई से आम आदमी त्रस्त है। स्वास्थ्य और शिक्षा का ढांचा पिछले कुछ वर्षों में बड़ी तेजी के साथ कमजोर होने लगा है। भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है। राजनीतिक दलों और सरकार के उच्च पदों के लोग आम जनता की जरूरतों को समझने और हल करने के मामलों में संवेदनशील नहीं है। जिसके कारण एक अराजकता जैसा माहौल बनने लगा है। सत्ता में बैठे हुए लोगों की जिम्मेदारी तय नहीं हो रही है। लोकतंत्र को बनाए रखना इस समय की सबसे बड़ी चुनौती है। 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था। वह संवैधानिक और कुछ समय के लिए था। सत्ता में बने रहने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा सत्ता का दुरूपयोग किया जा रहा है। उसके कारण संवैधानिक प्रावधानो का पालन नहीं हो रहा है। मुकदमे बढ़ती चली जा रही है। आम आदमी मुकदमे लड़ नहीं सकता है। अपने अधिकारों के लिए लड़ना नागरिक भूलता जा रहा है। जिसके कारण लोकतंत्र इस समय अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। समय रहते मतदाताओं को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। राजनीतिक दलों और सामाजिक संस्थाओं को भी लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए जन जागरण करने आगे आना होगा। तभी जाकर संविधान और लोकतंत्र को सुरक्षित रख पाएंगे।

दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

ललित गर्ग

संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है 'सद्भाव के माध्यम से उपचार', जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत दिवस को 'फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है 'संगीत उत्सव'। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में 'ला फेते डे ला म्यूजिक', यूके में 'मेक म्यूजिक डे', इटली में 'फेस्टा डेला म्यूजिका' या पोलैंड में 'स्विएटो मुजिकी'। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्त्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। इस संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पूर्व का है। इस संगीत का मूल स्त्रोत वेदों को माना जाता है। पंडित शारंगदेव कृत 'संगीत रत्नाकर' ग्रंथ मे भारतीय संगीत की परिभाषा 'गीतम, वादयम् तथा नृत्यं त्रयम संगीतमुच्यते' कहा गया है। गायन, वाद्य वादन एवम् नृत्य; तीनों कलाओं का समावेश संगीत शब्द में माना गया है। तीनो स्वतंत्र कला होते हुए भी एक दूसरे की पूरक है।

भारतीय संगीत के दो प्रकार प्रचलित है; प्रथम कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रचलित है और दूसरा हिन्दुस्तानी संगीत शेष भारत में लोकप्रिय है। भारतवर्ष की सारी सभ्यताओं में संगीत का बड़ा महत्व रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में संगीत का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। इस रूप में, संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। वैदिक काल में आध्यात्मिक संगीत को मार्गी तथा लोक संगीत को 'देशी' कहा जाता था। कालांतर में यही शास्त्रीय और लोक संगीत के रूप में दिखता है। भारत में संगीत मुगल बादशाहों की छत्रछाया में और कर्नाटक संगीत दक्षिण के मन्दिरों में सर्वाधिक विकसित हुआ। इसी कारण दक्षिण भारतीय कृतियों में भक्ति रस अधिक मिलता है और हिन्दुस्तानी संगीत में श्रृंगार रस। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है।

संगीत मनोरंजन का जरिया ही नहीं, बल्कि यह देशों-दुनिया की संस्कृति को भी समझने में मदद करता है। खुशी हो या फिर गम, संगीत दिल को सुकून देता है। कहते हैं संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह सरहदों के पार होता है, दिल से निकलकर दिल तक पहुंचता है। संगीत को प्रेम की भाषा भी कहा जाता है। किसी के दिन की शुरूआत संगीत से होती है तो किसी की रात संगीत पर खत्म हो जाती है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट, मन्दिर की झंकार, हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है।

संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत, ध्वनि का ऐसा लयबद्ध व्यवहार है जो हमें अपने आपसे जोड़ने में सहायक सिद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न वाद्य-यंत्रों एवं उनसे उत्पन्न ध्वनि, राग-रागिनियों का विशिष्ट महत्त्व है। यूं तो सृष्टि के कण-कण में संगीत है फिर चाहे यह बहती हुई नदिया की धारा हो या किनारे से टकराकर लौटती समंदर की प्रचंड लहरें। बहती हुई हवा और उस पर झूमते-लहराते पत्ते भी हृदय के इसी तरंगित साज को अभिव्यक्ति देते प्रतीत होते हैं। कुल मिलाकर संगीत हमारी आत्मा में इस तरह रच-बस चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना ही व्यर्थ है। बहुत से लोगों को किसी दर्द को कम करने या फिर दर्द से जूझने के लिए भी संगीत सहायक साबित होता है। इससे मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक दर्द भी कम होता महसूस होता है। आपकी कोमल भावनाओं की सहज, सुन्दर अभिव्यक्ति है, संगीत। इन्हीं पलों को उल्लास के साथ जीने के लिए प्रेरणा देता है विश्व संगीत दिवस।

ये स्कॉलरशिप करेंगे आपके विदेश अध्ययन का सपना पूरा

ग्लोबल एजुकेशन एक छात्र के जीवन को बदल सकती है, यही वजह है कि हर साल लाखों छात्र विदेशों में पढ़ते हैं। यह उनके लिए नए अवसर और नए आयाम लेकर आता है। इन अवसरों तक पहुंचने के लिए छात्रों को स्कॉलरशिप के रूप में कुछ राशि दी जाती है ताकि वे विदेशों में जाकर पढ़ाई करें और अपने सपने साकार करें। ये स्कॉलरशिप कुछ खास टेस्ट के बाद दिए जाते हैं या मेरिट के आधार पर भी प्रदान किए जाते हैं। आइए इस लेख के माध्यम से जानते हैं कि उन स्कॉलरशिप के विषय में जो छात्रों की मदद करते हैं।

इरास्मस मुंडस ज्वाइंट मास्टर डिग्री

यह एक इंटरनेशनल स्टडीज प्रोग्राम है जो यूरोप और बाकी दुनिया के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए यूरोपियन यूनियन द्वारा बनाया गया है। यह प्रोग्राम कॉलेज में ज्वाइंट मास्टर डिग्री हासिल करने के इच्छुक सभी छात्रों के लिए इरास्मस मुंडस के माध्यम से उपलब्ध है। इरास्मस यूरोप और यूके में दी जाने वाली सबसे बड़ी स्कॉलरशिप है जिसमें ट्रैवल अलाउंस और मासिक भत्ते सहित सभी लागतों को कवर किया जाता है। सितंबर में इस प्रोग्राम के लिए फॉर्म उपलब्ध होते हैं।

ओंटारियो ट्रिलियम

यह हर साल सात व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपनी मास्टर की पढ़ाई पूरी कर ली है और अपनी अंतिम दो परीक्षाओं में औसतन 80% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। ओंटारियो, कनाडा में डॉक्टरेट करने के इच्छुक लोगों के लिए स्कॉलरशिप उपलब्ध हैं। अगस्त और सितंबर माह में इस प्रोग्राम के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरा जा सकता है।

वानियर कनाडा ग्रेजुएट

वानियर कनाडा ग्रेजुएट उन लोगों के लिए उपलब्ध है जो एक कैनेडियन इंस्टीट्यूट से नेशनल साइंस, हेल्थ रिसर्च, इंजीनियरिंग रिसर्च और सोशल साइंस के फील्ड में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। जुलाई से नवंबर तक इस प्रोग्राम के लिए एप्लीकेशन फॉर्म उपलब्ध होते हैं।

ऑक्सफोर्ड एंड कैंब्रिज सोसायटी ऑफ इंडिया

सभी शैक्षणिक स्तरों के छात्रों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसका लक्ष्य है ऑक्सफोर्ड या कैमब्रिज जैसे कॉलेजों में आगे की शिक्षा प्राप्त करने में भारतीय छात्रों को फाइनेंशियल सहायता देकर सक्षम बनाना है। छात्र ध्यान दें कि आवेदकों की आयु 30 वर्ष होनी चाहिए और इसके लिए मई महीने में अप्लाई किया जा सकता है।

टाटा स्कॉलरशिप कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

जो छात्र बिना फाइनेंशियल दिक्क्तों के कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेकर पढ़ना चाहते हैं उनके लिए टाटा स्कॉलरशिप फंड डिजाइन किया गया है। छात्रों को ग्रेजुएशन की अवधि के लिए स्कॉलरशिप वार्षिक रूप में दी जाएगी। इस प्रोग्राम के लिए छात्र अक्टूबर–नवंबर की महीने में अप्लाई कर सकते हैं।

आईएएस-आईपीएस बनने के लिए कितनी देर पढ़ना जरूरी? एग्जाम क्लियर करने की महत्वपूर्ण टिप्स

सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है। हर साल हजारों उम्मीदवार परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। इसके लिए केवल तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है। इस परीक्षा के लिए तैयारी के साथ-साथ सही रणनीति की भी जरूरत होती है।

संघ लोक सेवा आयोग हर साल कई सरकारी विभागों के पदों पर भर्तियां करता है। सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षा है। इसके लिए केवल तैयारी की आवश्यकता नहीं होती है। इस परीक्षा के लिए तैयारी के साथ–साथ सही रणनीति की भी जरूरत होती है। एक अच्छी रणनीति परीक्षा में आपकी सफलता निश्चित कर सकती है। सिविल सेवा परीक्षा में 3 चरण होते हैं : प्रारंभिक परीक्षा (उद्देश्य), मुख्य परीक्षा (लिखित) और साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण)। हर साल, हजारों उम्मीदवार परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

6 से 7 घंटे पढ़ाई करें

अगर आप नौकरी करते हैं तो ऐसे में दिनभर की थकान की वजह से एक साथ 5 से 6 घंटे पढ़ पाना मुश्किल होता है। ऐसे में यूपीएससी की तैयारी के लिए पढ़ाई को दो हिस्सों में बांट लें। आप सुबह 2 से 3 घंटे पढ़ाई करें और बाकी पढ़ाई शाम को पूरी करें।

पढ़ाई के बीच ब्रेक लेना जरूरी

पढ़ाई के बीच में ब्रेक लेना जरूरी होता है। फिर 25 मिनट की पढ़ाई के बाद आपको पांच मिनट का ब्रेक लेना चाहिए। इससे आपको थकान नहीं होगी और ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। वीकेंड पर आप 8 से 10 घंटे तक पढ़ सकते हैं।

ऑफिस और पर्सनल टाइम के बीच बैलेंस

अगर आप यूपीएससी की तैयारी करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको नौकरी छोड़ने की जरूरत नहीं है। आपको बस अपने ऑफिस और पर्सनल टाइम के बीच बैलेंस बनाना होगा। इससे आप नौकरी के साथ यूपीएससी की अच्छी तैयारी कर सकेंगे।

9 से 10 महीने का प्लान बनाएं

यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा की तैयारी के लिए आपको कम से कम 9 से 10 महीने का प्लान बनाना होगा। इस दौरान आप अपने मुख्य विषयों जैसे इतिहास, राजनीति और अर्थशास्त्र को मजबूत करने पर ध्यान दें। पहले की छह महीनों के लिए प्रीलिम्स और मेंस दोनों परीक्षाओं को ध्यान में रखकर पढ़ाई करें।

पैटर्न का अध्ययन करें

उम्मीदवारों को पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को जरूर देखना चाहिए। यह प्रश्नों के प्रकार को निर्धारित करने में मदद करता है, और तैयारी के लिए उपयुक्त स्टडी मटेरियल चुनने में मदद करता है। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के विश्लेषण से पाठ्यक्रम को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है जिनसे अधिक प्रश्न पूछे गए हैं। उम्मीदवारों के लिए अभ्यास परीक्षण काम में आते हैं। ये परीक्षण न केवल मुख्य परीक्षा की तैयारी में सभी उम्मीदवारों की मदद करते हैं, बल्कि टाइम मैनेजमेंट सीखने में भी मदद करते हैं। दैनिक आधार पर लिखने का अभ्यास करें। एक अखबार या पाठ्यक्रम के एक विषय से एक संपादकीय उठाएं, और उस पर एक प्रश्न फ्रेम करें और उसका उत्तर लिखें।

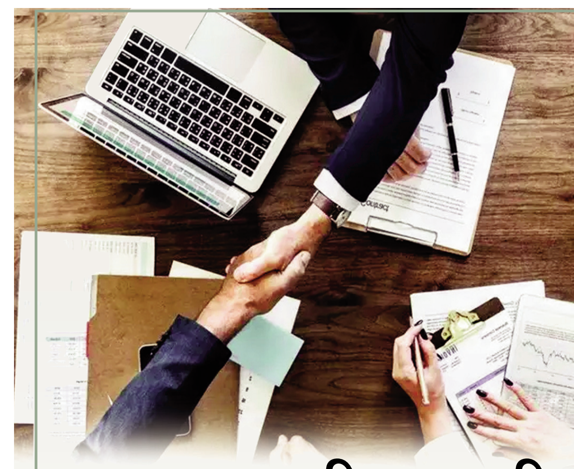

क्या जल्दी–जल्दी नौकरियां बदलना है सही? क्या हो सकते हैं फायदे और नुकसान

क्या आप बहुत जल्दी-जल्दी नौकरियां बदल रहे हैं या बदले की चाह रखते हैं तो यह जान लीजिए कि इससे कंपनी को आपकी कुछ आदतों के विषय में पता चलता है। ऐसा करने से कंपनी को लगता है कि आप अच्छी सैलरी और पॉजिशन की चाह रखते हैं या नौकरी को लेकर आप गंभीर नहीं हैं। हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं कि डेवलपमेंट के लिए सभी जगहों के कार्य का एक्सपीरियंस होना बेहद जरूरी है। किसी भी करियर में एक अवधि ऐसी भी होनी चाहिए जहां आप खुद को जांच सकें कि अगर आपको मदद करने वाला वातावरण मिले, तो आपका प्रदर्शन कैसा होगा। कंपनी किसी को भी हायर करने से पहले कुछ खास संकेतों का ध्यान रखती है जिसपर आपका करियर निर्भर कर सकता है। नीचे उन संकेतों के उदाहरण दिए गए हैं-

- एक कर्मचारी काम के दौरान लिए गए गलत निर्णयों के आधार पर या काम से बचने के लिए भी बार–बार जॉब बदल सकते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि बड़े लेवल पर कोई निर्णय लेने में समय लगता है। उस निर्णय के आने तक कर्मचारी कंपनी में रूकेगा।
- अगर कंपनी छोड़ने वाले के पास कोई बड़ा कारण न हो तो बार–बार चेंज करने पर कंपनी यह सोचती है कि वह एक ऐसा कर्मचारी है जिस पर पूरी तरह से निर्भर नहीं हुआ जा सकता है।
- इंडस्ट्री के एक्सपर्ट मानते हैं कि करियर में ब्रेक लेना पॉजिटिव है लेकिन केवल सैलरी और अच्छी पोजीशन इसके पीछे कारण न हो।
- इसके साथ ही शॉर्ट कॉन्ट्रैक्ट के पूरा हो जाने, ट्रेवलिंग, खुद का काम आदि जैसे कार्यों को पूरा करने के लिए करियर में ब्रेक लेना हो तो यह पॉजिटिव रूप में कार्य करेगा।
- चयन करते समय कंपनी ध्यान देती है कि अगर उम्मीदवार किसी भी तरीके से पिछली कंपनी के बारे में नेगेटिव बातें करता है तो यह भी आपकी छवि को कम करने का कार्य करता है।

साइकोलॉजी पढ़ने वाले छात्र इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर.

साइकोलॉजी विविध दृष्टिकोणों से मानव व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। यह मानवीय धारणा, सीखने, भावनाओं और स्थितियों की प्रतिक्रियाओं को समझने के लिए साइंटिफिक तरीकों का इस्तेमाल करता है। एक साइकोलॉजिस्ट के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य बनाया जा सकता है, जिसमें क्लिनिकल साइकोलॉजी, इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी और ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर, स्कूल साइकोलॉजी, फोरेंसिक साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, रिहैबिलिटेशन, कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस और कई अन्य शामिल हैं। इसके अलावा, इन सभी क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान साइकोलॉजी के छात्रों के लिए एक नई ऊर्जा के रूप में हो सकती है। आइए जानते हैं कैसे और किन क्षेत्रों में बनाया जा सकता है करियर। नीचे दिए गए शैक्षिक योग्यताओं के साथ साइकोलॉजिस्ट बना जा सकता है.

- एक विषय के रूप में साइकोलॉजी के साथ या उसके बिना 10+2 स्तर।
- साइकोलॉजी ऑनर्स में ग्रेजुएशन डिग्री।
- नैदानिक मनोविज्ञान/औद्योगिक मनोविज्ञान और संगठनात्मक व्यवहार/ स्कूल या शिक्षा मनोविज्ञान/ स्वास्थ्य मनोविज्ञान/ संज्ञानात्मक मनोविज्ञान/ सामाजिक मनोविज्ञान/ प्रायोगिक मनोविज्ञान में विशेषज्ञता के साथ मनोविज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री।

- साइकोलॉजी के विशिष्ट क्षेत्रों में ऑप्शनल पीजी डिप्लोमा कोर्स।
- क्लिनिकल साइकोलॉजी में ऑप्शनल एमफिल डिग्री।
- साइकोलॉजी के एक विशेष क्षेत्र में डॉक्टरेट की डिग्री।

साइकोलॉजी के क्षेत्रों में करियर और रोजगार के अवसर.

- **क्लिनिकल साइकोलॉजी / रिहैबिलिटेशन एंड काउंसलिंग साइकोलॉजी**
  सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों, गैर सरकारी संगठनों, प्राइवेट क्लीनिकों, फ्रीलांसरों में लाइसेंस प्राप्त क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम किया जा सकता है।
- **इंडस्ट्रियल साइकोलॉजी एंड ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर**
  साइकोलॉजिस्ट, संगठनों में सलाहकार, चयन और भर्ती के रूप में कार्य किया जा सकता है।
- **फोरेंसिक साइकोलॉजी**
  इस क्षेत्र के लोग पुलिस विभागों, अपराध शाखाओं, रक्षा/सेना, कानूनी फर्मों, जांच ब्यूरो आदि में सलाहकार के रूप में कार्य कर सकते हैं।
- **स्कूल साइकोलॉजी**
  पब्लिक और प्राइवेट स्कूलों, विश्वविद्यालयों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों, समुदाय–आधारित उपचार केंद्रों, आवासीय क्लीनिकों और अस्पतालों, किशोर न्याय कार्यक्रमों और निजी क्लीनिकों में स्कूल साइकोलॉजिस्ट के रूप में काम करें।
- **खेल साइकोलॉजी**
  स्कूल / कॉलेज / विश्वविद्यालय की खेल टीमों, पेशेवर टीमों, खेल पुनर्वास विशेषज्ञ, खेल अनुसंधान विशेषज्ञ और सलाहकारों के लिए खेल साइकोलॉजी के रूप में काम करें।
- **साइकोमेट्री**
  सरकारी और प्राइवेट संगठनों, सलाहकार और शोधकर्ता के लिए एक पेशेवर टेस्ट डेवलपर और साइकोमेट्रिकियन के रूप में काम करें।

टूथपेस्ट में होते हैं हानिकारक केमिकल

हम अपने दांतों को साफ क्यो करते हैं, इसीलिए न की हमारे दांत सही और तंदुरुस्त और चमकदार बने रहें, ताकि हम जो भी खाएं दांतों के द्वारा सही ढंग से चबाया जा सके और हमारी पांचन क्रिया सही बनी रहे। पर आपको यह जान कर हैरानी होगी कि दांतों को साफ करने वाले टूथपेस्ट आपको बीमारी दे सकते हैं। टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल आपके दांतों के साथ शरीर के अंगों को भी नुक्सान पंहुचा सकते हैं। जब आप टूथपेस्ट से ब्रश करते हैं तो उसमें मौजूद केमिकल मुंह की कैविटी के जरिए आपके शरीर में चले जाते हैं।

- टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल आपके दांतों को नुक्सान पंहुचा सकते हैं
- इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स मुंह के जरिए खून में जाकर शरीर के अंगों को नुक्सान पंहुचा सकते हैं
- जब आप टूथपेस्ट से ब्रश करते हैं तो उसमें मौजूद केमिकल मुंह की कैविटी के जरिए आपके शरीर में चले जाते हैं
- 'डीएथलोमिन' नाम के केमिकल से लीवर कैंसर, किडनी कैंसर और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है

1. लीवर और गुर्दे का कैंसर : टूथपेस्ट में ''डीएथलोमिन' नाम का केमिकल पाया जाता है जिससे टूथपेस्ट में झाग बनता है। इस केमिकल से लीवर कैंसर, किडनी कैंसर और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है। जिसके बाद केमिकल आपके खून में जमा होने लगते हैं जो लंबे समय के बाद आपको गंभीर बीमारी दे सकता है।

2. थायराइड : बाजार में मिलने वाले टूथपेस्ट में ट्रिक्लोसन नाम का जर्म किलर केमिकल पाया जाता है जिसे पहले पेस्टसाइड की तरह इस्तेमाल किया जाता था। अध्यन से पता चला है कि यह केमिकल थायराइड, हृदय की समस्या और कैंसर जैसे रोगों को जन्म दे सकता है।

3. दिमाग, किडनी और हृदय की समस्या : कुछ टूथपेस्ट में पॉलीथीन ग्लाइकोल्स (पॉलीथीन) नाम का पदार्थ पाया जाता है जो और कुछ नहीं प्लास्टिक होती है। यह केमिकल आपके शरीर के लिए जहर की तरह है जो आपके दिमाग, किडनी और हृदय को नुकसान पहुंचा सकता है।

4. बच्चों में बुद्धि की कमी : टूथपेस्ट में फ्लोराइड नाम का केमिकल पाया जाता है जो आपके मसूड़ों को नुक्सान पंहुचा सकता है साथ ही बच्चों के दिमाग को भी कमजोर करता है। गर्भवती महिलाएं अगर इसका इस्तेमाल करती हैं तो उन्हें थायरॉयड, हड्डियों की परेशानी, पेट की समस्या और कैंसर हो सकता है।

5. मुंह का अल्सर और हार्मोनल इम्बैलेंस : टूथपेस्ट में एक ऐसा पदार्थ मिलाया जाता है जो साबुन की तरह काम करता है जिसे सोडियम सल्फेट कहा जाता है। इससे मुंह का अल्सर, त्वचा में इरिटेशन और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है।

6. मधुमेह और वजन बढ़ना : टूथपेस्ट में एस्पार्टेम (आर्टफिशल शुगर) पाई जाती है। इस जीरो कैलोरी शुगर से मधुमेह और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही इससे ब्रेन ट्यूमर सहित कई अन्य बीमारियां भी होती हैं।

अंडरगारमेंट जो करेगा कूल्हे की चोट से रक्षा

नई दिल्ली। आजकल वृद्धों में कूल्हे की चोट काफी आम बात सी हो गई है। जरा सा भी गिरने पर आपके घर में मौजूद किसी भी वद्ध को कूल्हे पर गंभीर चोट लग जाती है। अब आईआईटी के छात्रों ने एक ऐसा अंडरगारमेंट तैयार किया है जो वृद्ध लोगों को इस तरह की चोट से बचाएगा। जल्द ही आप इसे ऑनलाइन भी खरीद सकेंगे।

दरअसल यह एक डिवाइस है जिसे अंडरगारमेंट में फिट किया गया है, यह डिवाइस हिप एरिया पर स्थित फीमर बोन की सुरक्षा करेगा

यह डिवाइस पूरी तरह से कॉटन से तैयार की गई है

माइक्रो सेल्यूलर इंजेक्शन के साथ इसमें प्लास्टिक फोम का भी प्रयोग किया गया है, यह डिवाइस काफी लचीली भी है

दरअसल यह एक डिवाइस है जिसे अंडरगारमेंट में फिट किया गया है। यह डिवाइस हिप एरिया पर स्थित फेमुर बोन की सुरक्षा करेगा। आईआईटी दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स ने इस डिवाइस को तैयार किया है। आईआईटी के प्रोफेसर नरेश भटनागर ने इस डिवाइस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह डिवाइस पूरी तरह से कॉटन से तैयार की गई है। माइक्रो सेल्यूलर इंजेक्शन के साथ इसमें प्लास्टिक फोम का भी प्रयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि यह डिवाइस काफी लचीली भी है।

कैसे बचाता है चोट से प्रोफेसर नरेश के मुताबिक, गिरने पर यह डिवाइस हिप एरिया के आसपास मौजूद टिश्यूज पर पड़ने वाले दबाव को कम करती है। इसकी वजह से कोई भी चोट या फिर घाव नहीं होता है। इसका आकार काफी छोटा है, वजन भी कम है और इसकी डिजाइन भी काफी सुविधाजनक है। ऐसे में अगर आप चाहें तो इस डिवाइस को आसानी से अपने साथ कैरी कर सकेंगे। प्रो. भटनागर ने जानकारी दी कि जल्द ही यह डिवाइस फ्लिपकार्ट पर 1,000 रु पए से भी कम कीमत पर लोगों के लिए मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि अमेरिका में इसी तरह की एक डिवाइस है जिसकी कीमत 100 अमेरिकी डॉलर है लेकिन भारत में यह काफी सस्ती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

लॉफिंग ज़ोन

एक टीवी सेल्समैन एक गृहिणी को अपनी कंपनी के नये कलर टीवी की विशेषताएं बता रहा था. यह दिखाने के लिए कि रिमोट कंट्रोल कितना शक्तिशाली है, वह रंगीन टीवी को बैठक में छोड़कर रसोईघर में गया और वहीं से टीवी का चैनल बदलकर दिखाया.

एक माह बाद वह फिर पहुंचा और उस गृहिणी से टीवी के बारे में पूछा.

गृहिणी ने कहा, 'टीवी तो अच्छा है पर चैनल बदलने के लिए हर बार मुझे रसोईघर में जाना पड़ता है.'

☺ ☺ ☺

वकील साहब (मुजरिम से)- 'क्या यह सही है कि तुमने दस हजार रुपये के साथ-साथ गहने भी चुराए हैं?'

मुजरिम (वकील से)- हां साहब. मेरी मां का कहना है कि केवल रुपये से ही खुशी नहीं मिल सकती.'

☺ ☺ ☺

मालिक (नौकर से)- 'इन सारे मच्छरों को मार दो.'

थोड़ी देर बाद मालिक फिर गुस्से से बोला, 'तुमने इनको मारा नहीं इनकी भिनभिनाहट सुनकर मेरे कान पक गए हैं.'

नौकर (मालिक से)- साहब जी, 'मच्छरों को तो मैंने कभी का मार दिया. ये तो उनकी विधवाएं हैं जो उनकी याद में विलाप कर रही हैं.'

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4091

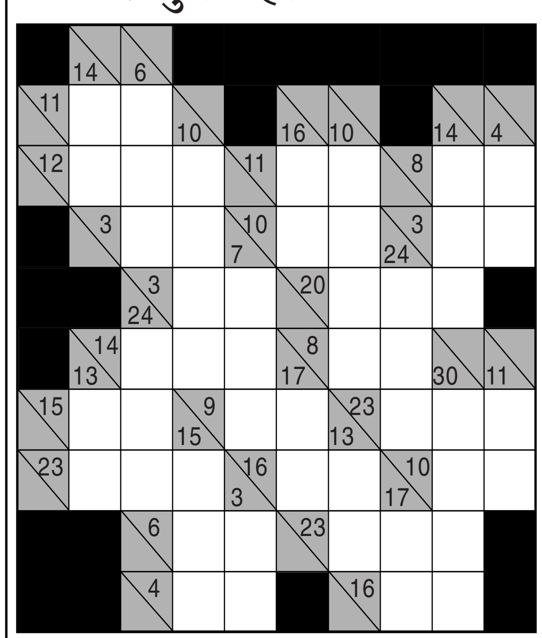

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

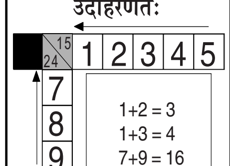

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो 4090 का हल

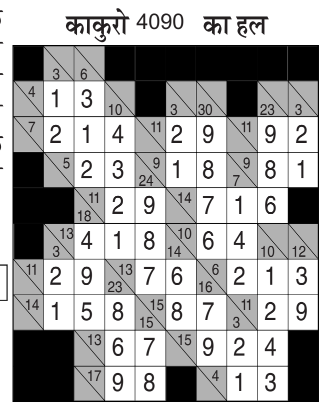

फिल्म वर्ग पहेली-4091

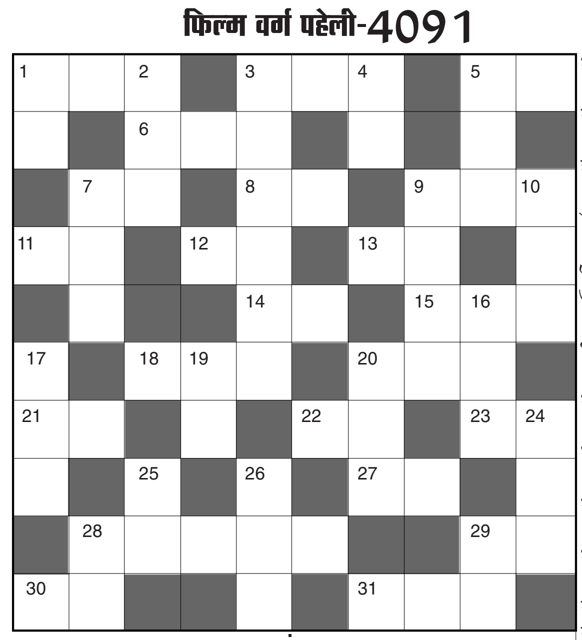

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मौं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली4090

स्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह
र्ग		रा	हु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

सूडोकु 4091

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4090 हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 4091

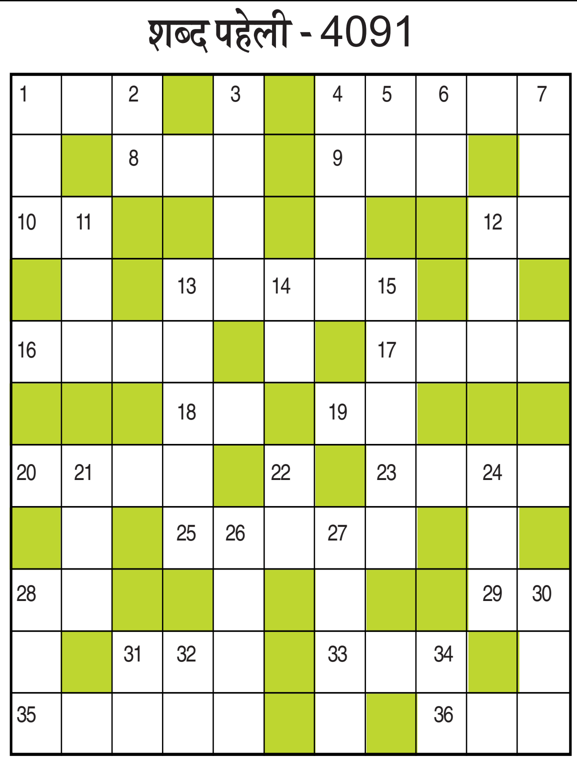

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली - 4090 हल

म	न	मो	ह	न		र	वा	ना	हो	ना
न		म	क	र		त	ल	ना		का
मो	ह			गि		ज			क	म
ह	म		आ	स	ल	गा	ना		मा	या
क	ल	र	व		क्ष्य		म	त	ल	ब
			भ	ला		जो	र			
ज	ग	म	ग		मौ		ख	चा	ख	च
मी	ल		त	म	त	मा	ना		र	म
न	त			हा		ल			ल	क
दा		म	चा	न		खा	रि	श		दा
र	म	णी	य	ता		ना	ट	क	का	र

केंद्रीय मंत्री सुकान्त मजूमदार को कोलकाता पुलिस ने हिरासत में लिया, राजनीतिक भूचाल

एजेंसी

कोलकाता। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में ममता बनर्जी से तीखे सवाल पूछने वाले डॉक्टर से मिलने पहुंचे पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार को कोलकाता पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने लंदन में रहने वाले डॉक्टर रजतशुभ्र बंदोपाध्याय को भी कुछ समय के लिए हिरासत में लिया, जिससे प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया। पूरा घटनाक्रम दक्षिण कोलकाता के हरीश मुखर्जी रोड पर हुआ, जहां सुकांत डॉक्टर रजतशुभ्र से मिलने पहुंचे थे। लेकिन पुलिस ने पहले दावा किया कि डॉक्टर घर पर नहीं हैं। इसके कुछ देर बाद भाजपा द्वारा जारी वीडियो में डॉक्टर को उनके ही घर पर दिखाया गया, जिसमें वह कहते हैं कि वह मंत्री से मिलने के लिए एक घंटे से इंतज़ार कर रहे थे। डॉक्टर नीचे सड़क पर आए और मंत्री से संक्षिप्त बातचीत की, लेकिन तभी दोनों को अलग-अलग पुलिस वाहनों में जबरन बिठाकर लालबाजार स्थित पुलिस मुख्यालय ले जाया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें रोका और झूठ बोला। डॉक्टर रजतशुभ्र बंदोपाध्याय वही व्यक्ति हैं, जिन्होंने मार्च में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के केलॉग कॉलेज में आयोजित एक व्याख्यान के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से तीखे सवाल पूछते हुए कहा था कि उनके कार्यकाल में बंगाल में कौन-सी बड़ी औद्योगिक इकाई आई है। इसके बाद कार्यक्रम में हंगामा हो गया था और विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मियों को हस्तक्षेप करना पड़ा था।

महाप्रभु के लिए ट्रंप का निमंत्रण ठुकराया: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर बधाई दी और इसे सुशासन, जनसेवा एवं जनविश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह वर्षगांठ सिर्फ सरकार के कार्यकाल की नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरुआत की वर्षगांठ है। प्रधानमंत्री ने बताया कि वे दो दिन पहले कनाडा में जी-7 समिट में हिस्सा ले रहे थे। उस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें फोन कर वॉशिंगटन आने और भोजन पर चर्चा करने का न्यौता दिया। प्रधानमंत्री ने भावुक अंदाज़ में कहा, मैंने, अमेरिका के राष्ट्रपति से कहा, निमंत्रण के लिए आपका धन्यवाद, लेकिन मुझे तो महाप्रभु की धरती पर जाना जरूरी है। इसलिए मैंने उनका निमंत्रण विनम्रता से मना किया। आपका प्रेम मुझे महाप्रभु की धरती तक खींच लाया है।÷ मोदी ने कहा कि यह आमंत्रण ठुकराना कोई राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि आस्था और संस्कृति की प्राथमिकता थी। प्रधानमंत्री ने ओडिशा को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का दिव्य सितारा बताते हुए कहा कि ओडिशा केवल एक राज्य नहीं है, यह भारतीय सभ्यता का जीवंत केंद्र है। महाप्रभु जगन्नाथ की इस धरती ने हमारी संस्कृति को सदियों से समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने श्रीमंदिर से जुड़े मामलों को प्राथमिकता दी है।

पीएम मोदी को युवा चित्रकार रजनीश ने दिया सीवान का पारंपरिक कला मृणपात्र

सीवान। बिहार में सीवान जिले के जसौली में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान जिले के युवा चित्रकार रजनीश कुमार मोर्य ने उन्हें सीवान की पारंपरिक मृणपात्र कला का हस्तनिर्मित प्रतीक भेंट कर स्वागत किया। यह भेंट सीवान की सांस्कृतिक धरोहर और मिट्टी से जुड़ी कलात्मक पहचान का प्रतीक बनी। चित्रकार रजनीश ने बताया कि एक समय था जब सीवान की विशेष मिट्टी से बर्तन बनाने की कला मृणपात्र के रूप में विख्यात थी। पारंपरिक विधियों के तहत मिट्टी को विशिष्ट प्रक्रिया द्वारा तैयार कर, बड़े पात्रों में रखकर पकाया जाता था, जिससे बर्तन चमकदार, मजबूत और कलात्मक बनते। इसके बाद इन पर ज्यामितीय संरचनाओं की सहायता से पक्की पेंटिंग की जाती थी। इसमें सबसे लोकप्रिय मिट्टी की सुराही थी। सीवान की पहचान यहां की मिट्टी के बने बर्तनों से थी। आज भी पटना के म्यूजियम में सीवान की बनी हुई मिट्टी के बर्तन संरक्षित है। ऐसा माना जाता है कि यह कला बड़े-बड़े व्यक्ति, राजाओं को उपहार स्वरूप भेंट करने के लिए प्रचलित था। मुगल काल में ईरान-फारस तक यहां के मृणपात्र जाते थे। अंग्रेजी सरकार ने भी इसे खूब प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देहरादून में दृष्टि दिव्यांग बच्चों संग मनाया जन्मदिन

देहरादून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपना जन्मदिन राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून में बच्चों के साथ मनाकर एक भावुक और प्रेरणादायक मिसाल पेश की। इस मौके पर उन्होंने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए विज्ञान, तकनीक और समावेशिता को ज़रूरी बताया।इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। उन्नत प्रौद्योगिकी की मदद से दिव्यांग भी मुख्यधारा में अपना योगदान दे सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी देश या समाज की प्रगति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उस समाज में लोग दिव्यांग व्यक्तियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। भारत का इतिहास संवेदनशीलता और समावेशिता की प्रेरक घटनाओं से भरा है। हमारी संस्कृति और सभ्यता में मानवीय करुणा और प्रेम के तत्व हमेशा मौजूद रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेताया-भारतीय धरती पर आतंकी हमला हुआ तो सुन लो 'खैर नहीं'

एजेंसी

उधमपुर (जम्मू-कश्मीर)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भारत की धरती पर किसी भी आतंकवादी हमले के लिए पाकिस्तान को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। भारत इस खतरे के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने के लिए तैयार है।रक्षामंत्री सिंह ने पाकिस्तान को यह चेतावनी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आज यहां उत्तरी कमान के जवानों के संबोधन में दी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह संदेश दिया है कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान की हजार कट% की नीति सफल नहीं हो सकती। सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी के साथ मौजूद राजनाथ सिंह ने कहा कि

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। इस ऑपरेशन के जरिए हमने पाकिस्तान को बता दिया है कि भारत के खिलाफ जारी आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसका जवाब बद से बदतर होता जाएगा।

रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की एयर स्ट्राइक (सीमा पार) का स्वाभाविक परिणाम था।

उन्होंने कहा कि भारत की धरती पर कोई भी आतंकी हमला पाकिस्तान के लिए विनाशकारी साबित होगा। भारत आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई करने के लिए तैयार है।सनद रहे कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने 6 और 7 मई की दरम्यानी रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों पर हमला किया था। यह हमला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला था। पहलगाम में 26 लोग मारे गए थे जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

बीजापुर में दो छात्रों सहित तीन लोगों की हत्या में शामिल पांच नक्सली गिरफ्तार

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत डीआरजी बीजापुर एवं थाना कोतवाली बीजापुर की संयुक्त कार्रवाई में दो दिन पहले ग्राम पेद्दाकोरमा में नक्सलियों द्वारा कथित जन अदालत लगाकर एक ग्रामीण युवक एवं दो छात्रों सहित कुल तीन लोगों की हत्या में शामिल पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है बीजापुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार पेद्दाकोरमा के नाबालिक छात्र एवं एक अन्य प्रतिभावान छात्र एवं एक ग्रामीण युवक की जन अदालत लगाकर लाठी-डण्डा एवं बंदूक की बट से मारपीट करने एवं रस्सी से गला घोंटकर आरोपित नक्सलियों द्वारा हत्या की गई थी। हत्या की वारदात में शामिल आरोपित नक्सलियों रितेश मोड़ियम(25 वर्ष), निवासी मिण्ड्रीपारा पेद्दाकोरमा थाना बीजापुर, मिटू मोड़ियम ऊर्फ वेल्ला मोड़ियम (18 वर्ष), निवासी पेद्दाकोरमा थाना बीजापुर, आयती

मोड़ियम (50 वर्ष) पति सोनू ऊर्फ वेल्ला मोड़ियम, निवासी पेद्दोकोरमा थाना बीजापुर, मंगली हपका (50 वर्ष) पति मंगू हपका, निवासी पेद्दाकोरमा बंजारीपारा थाना बीजापुर तथा पायकी मोड़ियम (19 वर्ष), निवासी पेद्दाकोरमा थाना बीजापुर के विरूद्ध थाना बीजापुर में वैधानिक कार्रवाई उपरान्त न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

2028 होगा ऐतिहासिक, क्षिप्रा घाटों पर एक दिन में पांच करोड़ श्रद्धालु कर सकेंगे स्नान

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ:2028 में श्रद्धालुओं को विकसित और विस्तारित घाटों की ऐसी सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे 24 घंटे में पांच करोड़ श्रद्धालु पुण्य स्नान का लाभ ले सकेंगे। क्षिप्रा के दोनों ओर लगभग 30 किलोमीटर की लम्बाई में विकसित घाटों पर सुविधाजनक ढंग से स्नान संभव होगा। यह सिंहस्थ ऐतिहासिक सिद्ध होगा। मध्य प्रदेश जल संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर देश के लिए उदाहरण बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव शाम भोपाल के भारत भवन में छह दिवसीय सदानीरा समागम का शुभारंभ करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल संचयन और जल संरक्षण की आदिकाल से परम्परा रही है। मनुष्य भोजन के बिना रह सकता है, लेकिन जल के बिना अधिक दिन जीवित नहीं रह सकता। भारतीय परम्परा में जीवन के अंत में भी गंगा जल आवश्यक माना गया है। जल आक्सीजन भी प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने 30 मार्च से 30 जून तक जल

गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने का अभियान संचालित किया। प्रदेश के नगर-नगर और गांव-गांव में जल स्त्रोतों को शुद्ध और उपयोगी बनाने का कार्य चल रहा है। अनेक पोखर, जलाशय और बावड़ियों को पुनर्जीवन भी प्राप्त हुआ है। इस अभियान में सरकार और समाज ने संयुक्त रूप से कार्य करके दिखाया है। देश में जल संरक्षण के कार्य में श्रेष्ठ परिणाम लाने वाले जिलों की सूची तैयार की गई तो भारत सरकार के मापदंडों के आधार पर मध्य प्रदेश का खण्डवा जिला प्रथम स्थान पर रहा। मध्य प्रदेश के अन्य जिलों में भी इसी तरह पानी के संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। सदानीरा समागम में छह दिन तक निरंतर विविध गतिविधियाँ होंगी, जिनमें जल एकाग्र डाकयू ड्रामा, फिल्में, गायन, नदीनामा के अंतर्गत काव्यपाठ, नृत्य नाटिका आदि शामिल रहेंगी।

राज्य स्थापना दिवस से साकार होती है एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना: राज्यपाल पटेल

एजेंसी

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि राज्यों के स्थापना दिवस के आयोजन से एकता की भावना और एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार होती है। देश की विविधता को समझकर, विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने की प्रेरणा मिलती है। एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की व्यापक और दूरगामी सोच का नतीजा है।राज्यपाल पटेल शाम भोपाल स्थित राजभवन के सांदीपनि सभागार में तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के स?थापना दिवस के संयुक्त समारोह को संबोधित कर रहे थे। एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार ज्ञापित किया। उन्होंने देशवासियों का भारत की एकता को मजबूत बनाने के लिए राज्यों की विविधता का सम्मान करने और साझा सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने का आव्हान किया। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता, अपर सचिव उमाशंकर भार्गव एवं प्रदेश में निवासरत दोनों राज्यों के मूल निवासी मौजूद थे। राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश विविध और बहु संस्कृति वाला है,

जिसका स्वरूप विभिन्न राज्यों की विशिष्ट संस्कृति, भाषा, इतिहास और परंपराओं से मिलकर बना है। विभिन्न राज्यों की विविधताओं में रची-बसी एकता से ही दुनिया में भारत की अनेकता में एकता की पहचान बनी है। राज्यों की विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं की विरासत और विविधता में बसी मौलिक एकता को समझना ही एक भारत को श्रेष्ठ भारत बनाना है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और बंगाल की सांस्कृतिक विविधताओं में बसी एकता को उनकी सांस्कृतिक समानताओं में समझा जा सकता है दोनों ही संस्कृतियों में जीवंत कला, नृत्य, संगीत और त्यौहार शामिल हैं। उनकी लोक कला और जनजातीय परंपराएं भी विशिष्ट है, जहां बंगाल में काली पूजा के आयोजन होते है, वहीं तेलंगाना में देवी महाकाली की पूजा के लिए पारंपरिक त्योहार बोनालू मनाया जाता है। इसी तरह तेलंगाना में नवरात्रि के दौरान बतुकम्मा का पर्व उत्साहपूर्वक मनता है। बंगाल में वह दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है।

मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों को आत्मसात करना शिक्षा का उद्देश्य: गडकरी

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भगवान् बुद्ध सहित भारतीय ऋषियों मुनियों ने धर्म के मार्ग पर चलना सिखाया है। मानवीय मूल्यों, धार्मिक और सामाजिक आदर्शों, त्याग, तपस्या, संस्कार, समन्वय, सौहार्द इन सभी मूल्यों को आत्मसात करना शिक्षा का उद्देश्य है। हम इसी रास्ते से आदर्श समाज का निर्माण कर सकते हैं। भारत का मन्त्र सदैव विश्व का कल्याण रहा है। स्वामी विवेकानंद, अंबेडकर, गांधी, फुले जैसे विचारकों की सोच के साथ हमें 21वीं सदी के भारत का निर्माण करना है। केंद्रीय मंत्री गडकरी मध्य प्रदेश के सागर स्थित डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के 33वां दीक्षांत समारोह को वर्चुअली संबोधित कर

रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही चरित्र का निर्माण किया जा सकता है। हमें फ्यूचरिस्टिक विजन के साथ प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करना है। यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी सपना है। बेस्ट टेक्नोलॉजी हमारे देश में विकसित हो, दुनिया में जो कुछ अच्छा है वो भारत में भी हो, यही हमारा प्रयास है। उन्होंने सीएनजी, बायोफ्यूल, इथेनोल, ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे नवाचारी प्रयोगों के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।केंद्रीय मंत्री गडकरी डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के 33वां दीक्षांत समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थियों के जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण अवसर होता है। सागर विश्विद्यालय के विद्यार्थी भाग्यशाली हैं जिन्हें डॉ. गौर द्वारा दान की गई संपत्ति से बने विश्वविद्यालय में अध्ययन करने का मौका मिला। उन्होंने पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को जीवन में सदैव बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि शिक्षा से व्यक्ति ज्ञानवान बनता है।

राम मंदिर का संपूर्ण कार्य अक्टूबर 2025 में पूरा हो जाएगा : चंपत राय

अयोध्या। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने राम मंदिर के निर्माण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होने की तरफ है। राम मंदिर का संपूर्ण निर्माण कार्य अक्टूबर 2025 में पूरा हो जाएगा। चंपत राय ने अन्तरराष्ट्रीय मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में बताया कि सभी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। मंदिर परिषर में लगभग 20 प्रतिशत बाकी निर्माण कार्य चल रहा है। अक्टूबर में निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। मंदिर परिसर में फिनिशिंग वर्क चल रहा है। फिनिशिंग होने के बाद मशीनों को ऊपर से नीचे लाया जाएगा। उसके पश्चात राम मंदिर में सफाई अभियान शुरू होगा। राम मंदिर के परिसर में सुरक्षा की दीवाल को बनाने में 1 वर्ष लगेंगे। राम मंदिर परिसर में चार द्वार का निर्माण होना है। तीन द्वार का लगभग निर्माण पूरा हो रहा है। तीनों द्वार पूरा होने के बाद चौथे द्वार का निर्माण कार्य शुरू होगा। राम मंदिर परिसर में ट्रस्ट कार्यालय, सभागार और विश्रामालय बनाया जा रहा है। राम मंदिर परिसर में ट्रस्ट कार्यालय सभागार और विश्रामलय 2026 तक बनकर तैयार होंगे। राम मंदिर का संपूर्ण कार्य अक्टूबर 2025 में पूरा हो जाएगा। राम मंदिर परिसर में ही रामलला के लिए भोग प्रसाद बनाया जाएगा। जो सीता रसोई में बनेगा। भोग प्रसाद सीता रसोई में मां अन्नपूर्णा के मंदिर की स्थापना हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सीता रसोई बेसमेंट में बनाई जाएगी। सीता रसोई में अक्टूबर माह से राम लला के भोग निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा।

केंद्र सरकार सहकार से समृद्धि के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध : अमित शाह

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि केंद्र सरकार सहकार से समृद्धि के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य देश में दो लाख नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियां स्थापित करना है, इसके लिए हर गांव में सहकारी समितियों की जानकारी डिजिटल डेटाबेस के माध्यम से एकत्र की गई है। पैक्स समितियां केवल कृषि तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि उन्हें 22 नए सेवा क्षेत्रों से जोड़ा जा रहा है। इनमें जन औषधि केंद्र, गैस वितरण, पेट्रोल पंप, रेलवे टिकट सेवा, टैक्सी सेवा जैसे सेवा क्षेत्र शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री शाह मुंबई के होटल फेयरमोंट में 'सहकार से समृद्धि' राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

अन्नदाता किसानों को सशक्त बनाने के लिए देश में पहली बार अलग से सहकारिता मंत्रालय स्थापित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। पूरी दुनिया के लिए सहकारिता को आर्थिक व्यवस्था की अवधारणा के रूप में देखा जाता है। लेकिन भारत के लिए सहकारिता पारंपरिक जीवनशैली में निहित एक दर्शन है। एक साथ आना, सोचना, काम करना, एक लक्ष्य की ओर बढ़ना, सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ खड़े रहना, यही भारतीय सहकारिता की भावना है। महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक ने सहकारिता क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आगामी सहकारी पहल राष्ट्रीय टैक्सी में टैक्सी चालक वाहन के मालिक होंगे और लाभ सीधे उनके बैंक खातों में जमा किया जाएगा। सहकारिता के माध्यम से महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, देश सहकारिता के नए युग की ओर बढ़ रहा है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सहकारिता एक प्रमुख स्तंभ होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटिल, कृषि मंत्री एडवोकेट माणिकराव कोकाटे, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, राज्य के सहकारिता राज्य मंत्री पंकज भोईर, नाफेड के चेयरमैन जेठाभाई अहीर, महाप्रबंधक अमित गोयल, प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल, संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कबीरधाम जिले ने 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान के तहत रचा इतिहास, एक ही दिन में बनाए दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ का कबीरधाम जिला जल संरक्षण में जनभागीदारी की मिसाल बन गया है। जिले में वर्षा जल संचयन को लेकर चलाए गए 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान के तहत एक ही दिन में दो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर जिले ने देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने जिले को सबसे अधिक सोख पिट निर्माण और एक दिन में सबसे अधिक लोगों द्वारा जल संरक्षण की शपथ लेने की उपलब्धि के लिए सम्मानित किया है। जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी ने यह जानकारी दी कबीरधाम जिले में केवल 12 घंटे के भीतर जिले के 999 गांवों में 1,02,098 सोख पिट बनाए गए, वहीं 1,17,504 नागरिकों ने जल संरक्षण की शपथ लेकर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। इस अभूतपूर्व सफलता के

लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के एशिया प्रमुख मनीष विश्नोई स्वयं कवर्धा पहुंचे और कलेक्टर गोपाल वर्मा तथा जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी को प्रोविजनल वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाण पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में संचालित इस महाअभियान को वृहद जनसमर्थन मिला और यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई। जल संरक्षण को लेकर राज्य में व्यापक जन-जागरूकता अभियान और जलसंरक्षण के लिए सोख पिट का निर्माण किया जा रहा है। कलेक्टर गोपाल वर्मा और सीईओ त्रिपाठी के नेतृत्व में जलसंरक्षण का यह अभियान वास्तव में जन-जन का आंदोलन बन गया है। कलेक्टर गोपाल वर्मा का कहना है कि यह केवल प्रशासनिक सफलता नहीं बल्कि जिले के हर नागरिक की सामूहिक चेतना और समर्पण का प्रतिफल है। इस अभियान में महिला स्व-सहायता समूहों, छात्रों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और मीडिया सभी ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। उन्होंने इस उपलब्धि को जिले की जागरूक जनता को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ राज्य को भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित करती है। जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह अभियान महज एक कार्यक्रम नहीं बल्कि जल संरक्षण की दिशा में स्थायी जागरूकता का सूत्रपात है।

स्व. रूपाणी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गांधीनगर में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. विजय रूपाणी को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने रूपाणी के देहावसान पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने पार्षद मेयर से लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में समर्पित होकर काम किया, जो हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनका निधन पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने परम धाम में स्थान देने की प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। प्रार्थना सभा में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

जगत प्रकाश नड्डा, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल एवं गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने विदेशी मेहमानों का भराड़ीसैंण में किया स्वागत, बताई उत्तराखंड की विशेषताएं

एजेंसी

देहरादून। ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ीसैंण, गैरसैंण में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर विदेशी मेहमानों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में संपूर्ण उत्तराखंड की झलक देखने को मिली। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी विदेशी राजनयिकों और सुप्रसिद्ध योगाचार्य का स्वागत किया और सभी को प्रतीक चिन्ह और उत्तराखंडी टोपी देकर सम्मानित भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मेक्सिको, फिजी, नेपाल, सूरीनाम, मंगोलिया, लातविया, श्रीलंका और रूस के उपस्थित राजदूत व अन्य उच्चधिकारियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड योग और आयुष की वैश्विक राजधानी है। प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के नेतृत्व और आग्रह पर पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। 2014 में प्रधानमंत्री के आग्रह पर संयुक्त राष्ट्र संघ में 177 से ज्यादा देशों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बाबा केदारनाथ की धरती से यह दशक उत्तराखंड का दशक बताया था। उनके शब्द हमारे लिए प्रेरणा, दिशा और संकल्प का उदघोष है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री का आयुष और वेलनेस सेक्टर के प्रति विशेष दृष्टिकोण है। उत्तराखंड को योग के वैश्विक केन्द्र के रूप में उभरने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का हिमालयी वातावरण, शुद्ध जलवायु, और आध्यात्मिक ध्यान और योग के लिए उपयुक्त है। उत्तराखंड राज्य वैश्विक वेलनेस डेस्टिनेशन बनने की संपूर्ण क्षमता रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में सदियों से योग और आयुर्वेद गहराई से समाहित है। यह धरती ऋषियों, योगियों और वैद्यों की साधना स्थली रही है। उत्तराखंड से औषधियों कच्चे जडी-बूटियों की आपूर्ति देश के साथ अंतराष्ट्रीय बाजारों में भी की जा रही है। विश्व के प्रमुख आयुर्वेदिक औषधि निर्माता भी उत्तराखंड में अपने निर्माण कार्य कर रहे हैं। यहां की जैव विवधता में कुटकी, जटामांसी और तिमूर जैसी दुर्लभ और विशिष्ट औषधीय वनस्पतियों पाई जाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में 100 वर्ष से भी अधिक पुराने आयुर्वेदिक संस्थान संचालित है, जैसे ऋषिकुल और गुरूकुल आयुर्वेद महाविद्यालय, जिनके माध्यम से हम पीढियों से आयुर्वेदिक ज्ञान का विस्तार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुर्वेद, योग और पंचकर्म के क्षेत्र में उत्तराखंड के पास अत्यंत प्रशिक्षित मानव संसाधन है। उत्तराखंड राज्य गुणवत्ता युक्त हिमालयी जडी-बूटियों की आपूर्ति एवं उनके एक्सट्रैक्ट का उत्पादन, प्रसंस्करण और साझा व्यापार किया जा सकता है।

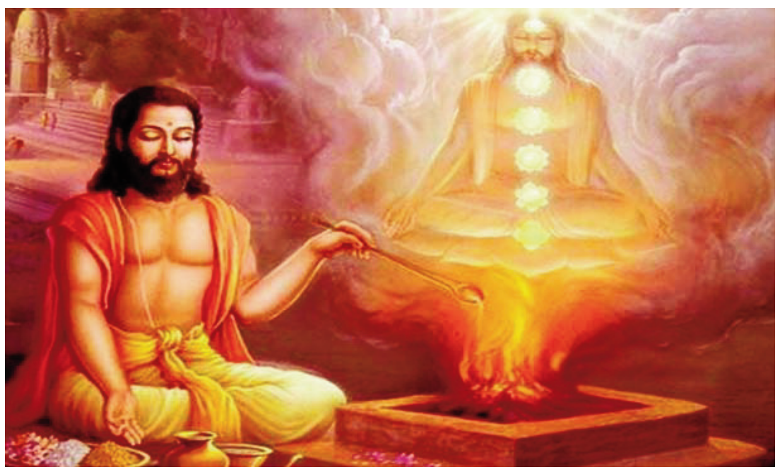

विविध रूप यज्ञों के

यज्ञों के कई वर्ग किए जा सकते हैं। बहुत से लोग विविध प्रकार के दान-पुण्य द्वारा अपनी सम्पत्ति का यजन करते हैं।

भारत में धनाढ्य व्यापारी या राजवंशी अनेक प्रकार की धर्मार्थ संस्थाएं खोल देते हैं यथा धर्मशाला, अन्न क्षेत्र, अतिथिशाला, अनाथालय तथा विद्यापीठ। ये सब दानकर्म द्रव्यमय यज्ञ हैं। अन्य लोग जीवन में उन्नति करने अथवा उच्च लोकों में जाने के लिए चान्द्रायण तथा चातुर्मास्य जैसे विविध तप करते हैं। इन विधियों के अन्तर्गत कठिन व्रत करने होते हैं। उदाहरणार्थ, चातुर्मास्य व्रत रखने वाला वर्ष के चार मासों में (जुलाई से अक्टूबर तक) बाल नहीं कटाता, न ही कतिपय खाद्य वस्तुएं खाता है और न निवास-स्थान छोड़कर कहीं जाता है।

जीवन के सुखों का ऐसा परित्याग तपोमय यज्ञ कहलाता है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अनेक योग पद्धतियों का अनुसरण करते हैं यथा पतंजलि पद्धति अथवा हठयोग या अष्टांग योग। कुछ लोग समस्त तीर्थ स्थानों की यात्रा करते है।. ये सारे अनुष्ठान योग-यज्ञ कहलाते हैं। कुछ लोग ऐसे हैं जो विभिन्न वैदिक साहित्य यथा उपनिषद् तथा वेदान्तसूत्र या सांख्यदर्शन के अध्ययन में अपना ध्यान लगाते हैं। इसे स्वाध्याय यज्ञ कहा जाता है। ये सारे योगी विभिन्न प्रकार के यज्ञों में लगे रहते हैं और उच्चजीवन की तलाश में रहते हैं, किन्तु कृष्ण भावनामृत इनसे पृथक है, क्योंकि यह परमेश्वर की प्रत्यक्ष सेवा है। श्वास को रोकने की योग विधि प्राणायाम कहलाती है। प्रारम्भ में हठयोग के विविध आसनों की सहायता से इसका अभ्यास किया जाता है। ये सारी विधियां इन्द्रियों को वश में करने तथा आत्म-साक्षात्कार की प्रगति के लिए संस्तुत की जाती हैं। बुद्धिमान योगी एक ही जीवनकाल में सिद्धि प्राप्त करने का इच्छुक रहता है, वह दूसरे जीवन की प्रतीक्षा नहीं करता।

कुम्भक योग के अभ्यास से योगी जीवन अवधि को अनेक वर्षों के लिए बढ़ा सकता है, किन्तु भगवान की दिव्य प्रेमाभक्ति में स्थित रहने के कारण कृष्ण भावना भावित मनुष्य स्वतः इन्द्रियों का नियंता (जितेन्द्रिय) बन जाता है। उसकी इन्द्रियां कृष्ण की सेवा में तत्पर रहने के कारण अन्य किसी कार्य में प्रवृत्त होने का अवसर ही नहीं पातीं। फलतः जीवन के अन्त में उसे स्वतः भगवान कृष्ण के दिव्य पद पर स्थानान्तरित कर दिया जाता है। अतः वह दीर्घजीवी बनने का प्रयत्न नहीं करता। वह तुरन्त मोक्ष पद को प्राप्त कर लेता है।

धैर्य की पराकाष्ठा

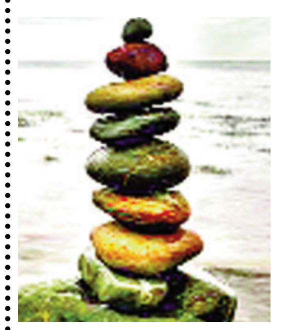

बाल गंगाधर तिलक भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी थे पर वे अद्वितीय कीर्तनकार, तत्वचिंतक, गणितज्ञ, धर्म प्रवर्तक और दार्शनिक भी थे। हिंदुस्तान में राजकीय असंतोष मचाने वाले इस करारी और निग्रही महापुरुष को अंग्रेज सरकार ने मंडाले के कारागृह में 6 साल के लिए भेज दिया। यहीं से उनके तत्व चिंतन का प्रारंभ हुआ। दु:ख और यातना सहते शरीर को व्याधियों ने घेर लिया था। ऐसे में ही उन्हें अपने पत्नी के मृत्यु की खबर मिली। उन्होंने अपने घर एक खत लिखा -आपका तार मिला। मन को धक्का तो जरूर लगा है। हमेशा आए हुए संकटों का सामना मैंने धैर्य के साथ किया है। लेकिन इस खबर से मैं थोड़ा उदास जरूर हो गया हूं। उसकी मृत्यु के समय मैं वहाँ उसके करीब नहीं था इसका मुझे बहुत अफसोस है। होनी को कौन टाल सकता है? परंतु मैं अपने दु:ख भरे विचार सुनाकर आप सबको और दुखी करना नहीं चाहता। मेरी गैरमौजूदगी में बच्चों को ज़्यादा दु:ख होना स्वाभाविक है। उन्हें मेरा संदेशा पहुंचा दीजिए कि जो होना था वह हो चुका है। इस दु:ख से अपनी और किसी तरह की हानि न होने दें, पढ़ने में ध्यान दें, विद्या ग्रहण करने में कोई कसर ना छोड़ें। मेरे माता पिता के देहांत के समय मैं उनसे भी कम उम्र का था। संकटों की वजह से ही स्वावलंबन सीखने में सहायता मिलती है। दु:ख करने में समय का दुरुपयोग होता है। बाल गंगाधर तिलक ने अपना धीरज न खोते हुए परिवार वालों को धैर्य बंधाया व इस परीक्षा को सफलता से पार किया। जीवन भर उन्होंने कर्मयोग का चिंतन किया था। गीता रहस्य उन्होंने इसी मंडाले के कारागृह में लिखा था।

जनकल्याण की राह

एक बार अयोध्या के राजा रघु के दरबार में इस प्रश्न पर बहस चल रही थी कि राजकोष का उपयोग किन प्रयोजनों के लिए किया जाए? एक पक्ष का मत था कि सैन्य शक्ति बढ़ाई जाए ताकि न केवल अपनी सुरक्षा हो, बल्कि राज्य के विस्तार की योजना भी आगे बढ़े। इस अभियान पर जो खर्च होगा उसकी भरपाई पराजित देशों से मिलने वाले संसाधनों से की जा सकेगी। दूसरे पक्ष का कहना था कि राजकोष प्रजा जन के हित में खर्च किया जाए, ताकि उनका जीवन स्तर बढ़ सके। अगर सुखी, संतुष्ट, साहसी और सहृदय नागरिक हों तो देश समृद्ध होता है। इस प्रकार युद्ध करके नए क्षेत्र जीतने की अपेक्षा मैत्री का विस्तार कहीं अधिक लाभदायक है। उससे स्वेच्छया सहयोग और अपनत्व की ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं, जिनके कारण छोटा देश भी चक्रवर्ती स्तर का बन सकता है। दोनों पक्षों के तर्क चलते रहे। सबके मन में उत्सुकता थी कि आखिर राजा रघु क्या निर्णय देते हैं। जब सबने अपनी बात समाप्त की तब उन्होंने कहा, युद्ध पीढ़ियों से लड़े जाते रहे हैं। उनके कड़वे-मीठे परिणाम भी स्मृति पटल पर अंकित हैं, लेकिन इस बार युद्ध छोड़ दिया जाए और लोकमंगल को अपनाया जाए। देखते हैं क्या होता है। समस्त संपत्ति जनकल्याण की योजनाओं पर खर्च कर दी जाए। कुछ सभासद दबे-छुपे इस निर्णय की आलोचना करने लगे। उन्हें अनिष्ट की आशंका सताने लगी। उधर रघु के निर्णय के मुताबिक विकास योजनाएं तेज कर दी गईं। धीरे-धीरे प्रजाजन हर दृष्टि से समुन्नत हो गए। आक्रमण की चर्चाएं समाप्त हो गईं। सुख-शांति के समाचार पाकर अन्य देशों के समर्थ लोग वहां आकर बसने लगे। बंजर भूमि सोना उगलने लगी और अयोध्या में खुशहाली फैल गई।

कर्म का बीजारोपण संकल्प शक्ति

संकल्प की चरणबद्ध रूपरेखा बनाई जाती है। इसमें सोच विचार कर निश्चय किये जाते हैं। निश्चय को मन में छिपाकर नहीं रखा जाता है, वरन् प्रकट किया जाता है। तत्परतापूर्वक और तन्मयतापूर्वक मन लगाने के लिए साहस जुटाया जाता है। साधन एवं सहयोग एकत्रित करने का ताना-बाना बुना जाता है और उसके लिए समुचित दौड़-धूप की जाती है। कठिनाइयां आ सकती हैं और उनका सामना करने के लिए पहले से ही क्या तैयारी रखी जा सकती है, इन सब प्रश्नों पर गंभीरता एवं दूरदर्शिता के साथ विचार किया जाता है। जानकारों के साथ परामर्श किया जाता है। ऐसे सुनिश्चित प्रयत्नों को संकल्प कहते हैं। संकल्प और असंकल्प का अन्तर समझने वालों को असफलता से बचने और सफलता के लक्ष्य तक पहुंचने में विशेष कठिनाई नहीं होती। संकल्पवान् हर परिस्थिति का सामना करने के लिए साहस उभारते हैं। आंतरिक और परिस्थितिजन्य अवरोधों से जूझने का पराक्रम करते हैं। फलतः असमंजस हटता है और पुरुषार्थ की गतिशीलता प्रखर होती चली जाती है। लक्ष्य तक पहुंचने का यही राजमार्ग है। श्रेष्ठता की साधना संकल्प से ही संभव होती है। संकल्प को ही व्रत कहते हैं। व्रतधारी ही तपस्वी और मनस्वी कहलाते हैं। लक्ष्य की ओर शब्दवेधी बाण की तरह सनसनाते हुए चल पड़ने की क्षमता उन्हीं में होती है। संकल्प का कार्य है- अमुक कार्य करने का, अमुक लक्ष्य तक पहुंचने का दृढ़ निश्चय। दृढ़ निश्चय का अर्थ है- काम करने की सुव्यवस्थित योजना बनाना, उसके लिए समुचित श्रम, साधना और मनोयोग लगाने की प्रतिज्ञा। प्रतिज्ञा का अर्थ है- आत्म गौरव को दांव पर लगा देना, प्रयास को चरम पुरुषार्थ के साथ पूरा करना। मन:संस्थान की संरचना कर सकना संकल्प का ही काम है। इसी से कहा जाता है कि संकल्प कभी अधूरे नहीं रहते।

संकल्प को जड़ और सफलता को तना कहा जा सकता है। इसीलिए तत्ववेत्ताओं ने व्रतशील संकल्प के निर्धारण के कार्य को आधी सफलता माना है। यह मान्यता अक्षरशः सत्य है, जिसे संदेह हो वह इस सच्चाई की परीक्षा स्वयं करके देख सकता है। जागरुकता पुरुषार्थ का प्रथम संकल्प है। हममें से प्रत्येक को कुछ सृजनात्मक संकल्प करना चाहिए। अब हमें जागरूक होने की आवश्यकता है। मनगढ़ंत हवाई उड़ानें भरते रहने से हम कहीं के न रहेंगे। कहा भी गया है- ख्वाब कभी पूरे नहीं होते, संकल्प कभी अधूरे नहीं रहते।

सफलता का नशा

किसी आश्रम में अनेक छात्र रहते थे। उनमें से एक छात्र को अपनी बुद्धि पर काफी अभिमान हो गया था। एक दिन गुरु ने उसे एक कथा सुनाई- घने जंगल में एक बकरी रहती थी। वह अपने को काफी चतुर मानती थी। उसके शरीर पर घने नर्म लंबे बाल थे, जिस कारण वह बहुत सुंदर दिखती थी। एक दिन वह घास चर रही थी, तभी कुछ शिकारियों की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने उसका पीछा करना शुरू किया। बकरी भागती हुई जंगल में एक ऐसी जगह पहुंची, जहां अंगूर की घनी बेलें थीं। बकरी बेलों के पीछे जाकर छिप गई। जब पीछा करते शिकारी पहुंचे, तो वे बकरी को देख न सके। बड़ी देर तक वहां ढूंढ़ने के बाद वे आगे बढ़ गए। बकरी अपनी चतुराई पर बहुत प्रसन्न हुई। तभी उसका ध्यान अंगूर के कोमल पत्तों पर गया तो उसने अंगूर की बेल को ही चरना आरंभ कर दिया। थोड़ी देर में ही उसने सारी झाड़ी चट कर डाली। तभी शिकारी उसे ढूंढ़ते वापस वहां आ पहुंचे और उन्होंने बकरी को देख लिया और थोड़ी देर पीछा करने के बाद उन्होंने उसका शिकार कर लिया। शिकारी आपस में कह रहे थे कि यदि बकरी ने वह झाड़ी साफ न की होती तो उसे पकड़ना नामुमकिन था। बकरी ने अपना आश्रय स्वयं नष्ट किया और वह शिकार हो गई। गुरु ने कथा यहीं समाप्त कर कहा, सफलता के नशे में मनुष्य अपना विवेक खो देता है और स्वयं को संकट में डाल लेता है। इसलिए अहंकार से बचना चाहिए। शिष्य गुरु का आशय समझ गया।

जीवन का आधार है आध्यात्म

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है। हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है। जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

सशक्त व उत्तम शक्ति संगीत

संगीत का उद्देश्य आपके भीतर गहन मौन का सृजन करना होता है और मौन का उद्देश्य जीवन में सक्रियता का सृजन करना होता है, इसलिए वह मौन जो जीवन में सक्रियता का सृजन न कर सके, वह ठीक नहीं है और वह संगीत जिससे आपके भीतर मौन, शान्ति और सामंजस्य सृजन हो सके, वह भी ठीक नहीं है।

संगीत सबको एक साथ जोड़ता है। सारी जातियों, धर्मों और महाद्वीपों में प्रेम के अलावा संगीत ही वह एक शक्ति है, जो सभी को आपस में जोड़ती है। भारतीय समाज की सबसे सशक्त व उत्तम शक्ति अध्यात्म है। संगीत की तरह ही अध्यात्म भी बहुत ही सूक्ष्म है। भक्ति अध्यात्म के आचरण का एक माध्यम है। अध्यात्म धर्म और भक्ति का सम्बन्ध मन के सात्विक भावों से होता है। यही भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति श्रद्धा से भरकर उसकी अर्चना की प्रेरणा देते हैं।

ऋग्वेद काल में गीत के लिए गीर, गातु, गाथा, गायत्र, गीति तथा साम शब्दों स्वरों में निबद्ध होने पर ऋग्वेद की ऋचायें संतोत्र कहलाती थी। इन स्तोत्रों का गायन जब प्रकारान्तर व विविध स्वरों के साथ किया जाता था, तब इसे स्तोम नाम से पुकारा जाता था। स्तोम वैदिक संगीत का महत्वपूर्ण अंग रहा है। यह एक विशिष्ट प्रणाली है, जिसमें आधुनिक संगीत की गान-शैली की झलक मिलती है। साम के गायन का उल्लेख ऋग्वेद में बार-बार आता है। इससे यह सिद्ध होता है कि ऋग्वेद काल में साम गान बहुत प्रचार में था और इन्हीं सामों पर आधारित ऋचाओं का गान किया जाता था। इन सामों का गायन धार्मिक और लौकिक दोनों प्रसंगों पर किया जाता था। उस समय प्रात:काल में मंगल वाद्य के रूप में वीणा आदि जिसे वाण कहते थे का प्रयोग होता था। दुंदुभि वैदिक युग का महत्वपूर्ण वाद्य माना जाता था। विभिन्न अनुष्ठानों और मंगल कार्यों में गायन वादन और नृत्य प्रचार में था।

भारतीय संस्कृति में प्राण-प्रतिष्ठा करने वाला सबसे मुख्य तत्व आध्यात्मिक है। परम्परावादी भारतीय जीवन में प्रत्येक व्यापार तथा सफलताओं में यही भावना मिलेगी। यहां के लोगों का पारस्परिक प्रण्य-बन्धन युद्ध-शान्ति, श्रृंगार तथा सभी उच्चकोटि की ललित कलाओं में मुख्य आधार अध्यात्म तथा आत्मा व परमात्मा में अथाह आस्था है। प्रत्येक भारतीय व्यक्ति का व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक संगठन यहां तक कि राजनीतिक योजनाएं भी आध्यात्मिक भावना से सर्वदा अनुप्रेरित रहती है।

भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों में जीवन-मरण बोध, पाप-पुण्य, जन्म-पुनर्जन्म, कर्म-विचार, मुक्ति का मार्ग, दार्शनिकता, आध्यात्मिकता, सौन्दर्योपासना कलात्मक-लालित्य, संगीत स्थापत्य, चित्र-कला नृत्य तथा काव्य कला आदि को रखा जा सकता है। ये तत्व हमारी संस्कृति के अन्तर्गत आते हैं। यह परम्पराएं प्रथाएं संस्कृति के अन्तर्गत आती हैं। कलाएं सभ्यता के साथ विकसित होती हैं तथा अध्यात्म के धरातल पर एक हो जाती हैं। भारतीय धारणा के अनुसार उत्कर्ष की अन्तिम स्थिति में पहुंच कर कलाएं भी भक्ति भाव द्वारा मोक्ष में सम्माहित हो जाती हैं। विद्वानों के अनुसार वेद ग्रन्थ प्राचीनता व आध्यात्मिकता के प्रतीक है। रामायण, महाभारत, गुरु ग्रन्थ साहिब जो अध्यात्म की अनमोल निधि है। इसमें अध्यात्म कभी मन्त्रोच्चारण में, कभी यज्ञों में, कभी कर्मकाण्डों में तथा कभी संगीत रूप में उजागर होता है। समय के साथ अध्यात्म और भक्ति के साधन भले ही बदल रहे हों, परन्तु अध्यात्म आज भी उसी शाश्वत रूप में है जैसे वैदिक-काल में था। परम्परा में अध्यात्म आज भी शीर्ष पर ही है। अध्यात्म की महिमा का ही परिणाम है कि हमारे साहित्य के चार कालों (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल), में भक्ति काल को स्वर्ण युग की संज्ञा प्राप्त है।

अक्सर लोग यह कहते हैं कि हमें धर्म की जरूरत क्यों है? हम अपना काम अच्छी तरह करें तो क्या जरूरत है कि भगवान के किसी स्वरूप की आराधना करें -हम किसी को दु:ख न दें, अवसर पड़े तो किसी की मदद करें, और न कर सकें तो किसी की हानि न करें और कुछ न करें तो केवल अपना कर्म मेहनत, लगन तथा निष्ठा से करते रहें। अपने आप में यह विचार बहुत अच्छा है ,पर ऐसा कहने वाले यह भूल जाते हैं कि हमारे इस देह में एक मन है जो बहुत चंचल है और वह हमारे विचारों के साथ देह को भी घुमाने की भी क्षमता रखता है और उस पर बिना आध्यात्मिक शक्ति के नियंत्रण नहीं किया जा सकता है-जिसका केंद्र हमारे अन्दर ही स्थित है। मन से ज्यादा शक्तिशाली है हमारी आत्मा, जिसे जानना जरूरी है। हम उस जानने की विधा को आध्यात्मिकता कहते हैं। हम अपने मन और देह को सदैव सांसारिक कार्यों में लगाए रहते हैं, इसमें कोई दोष नहीं है, पर जो एकरसता की वजह से उब होती है, उसे हम समझ नहीं पाते। यह आत्मा इस देह और मन में अपने अस्तित्व के अहसास के लिए तरसती है। वह चाहता है कि कुछ देर वह उस निरंकार, निर्गुण और शाश्वत सत्य स्वरूप परमपिता परमात्मा का स्मरण इस देह और मन से करे, जो उसने धारण कर रखी है। इसीलिए सांसारिक कार्य लगन, मेहनत, और निष्ठा से करते हुए भी अपने अध्यात्म से जुड़ना चाहिए।

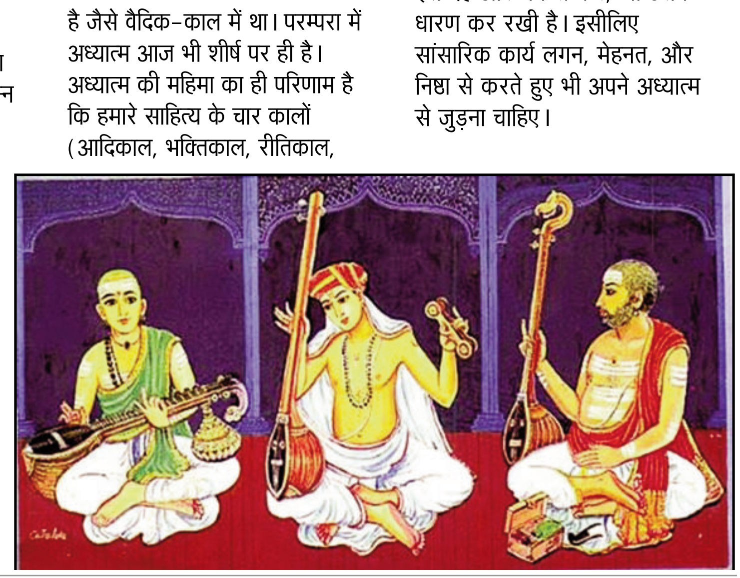

बॉलीवुड में कोई शहंशाह नहीं, बॉक्स ऑफिस के नंबर ईगो संतुष्ट करने के लिए बढ़ाए जाते हैं

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री ने बॉलीवुड के कुछ सितारों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कमाई को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है, ताकि एक्टर्स के अहंकार को सही ठहराया जा सके। इतना ही नहीं, कुछ प्रोडक्शन हाउस अपनी ही फिल्मों के बड़ी संख्या में टिकट खुद ही खरीद लेते हैं, ताकि लोगों को लगे कि उनकी फिल्में हिट हो गई हैं। इंटरव्यू में विवेक अग्निहोत्री ने कहा, 'एक समय था जब फिल्म इंडस्ट्री राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती थी। जब कहीं भूकंप या बाढ़ आती थी, तो ये लोग पैसे इकट्ठा करते थे। ट्रकों पर चढ़कर लोगों की मदद के लिए जाते थे। सुनील दत्त असली कांग्रेसी थे, जिन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक पदयात्रा की थी। लेकिन आजकल के फिल्मी सितारे अपने घरों की बालकनी से हजारों लोगों को हाथ हिलाकर खुश हो जाते हैं। मुझे ये ठीक नहीं लगता। वे अपने हाथ गंदे नहीं करना चाहते। आप कोई शहंशाह नहीं हैं। किसी मुद्दे पर सिर्फ ट्वीट कर देना काफी नहीं है। विवेक के बयान के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या यह टिप्पणी अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के लिए थी, जिन्हें 'शहंशाह' और 'बादशाह' कहा जाता है, तो अग्निहोत्री ने कहा कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं था। विवेक अग्निहोत्री ने आगे कहा, 'एक समय था जब फिल्म इंडस्ट्री हर आंदोलन में सबसे आगे थी। अब वे चार्टर्ड प्लेन से ट्रैवल करते हैं। उन्होंने देश को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने बॉलीवुड को शैम्पू कंडीशनर इंडस्ट्री में बदल दिया है। इंडस्ट्री को ग्लैमर से जोड़ दिया है। क्या दीवार देश के बारे में नहीं थी? क्या सलीम खान और जावेद अख्तर द्वारा लिखी गई फिल्में देश के बारे में नहीं थीं? इन दिनों हीरो जिस एकमात्र व्यक्ति से लड़ रहा है, वह उसकी गर्लफ्रेंड का पिता है। उन्होंने इंडस्ट्री को बेवकूफ बना दिया है। जब विवेक से कॉर्पोरेट बुकिंग के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि आज का दर्शक इतना समझदार है कि ऐसे हथकंडों से उसे बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता। यह सब सिर्फ एक्टर्स के अहंकार को संतुष्ट करने के लिए किया जाता है।

फिल्म इंडस्ट्री में वेतन असमानता और उम्र पर चित्रांगदा सिंह ने की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े दो अहम मुद्दों पर अपनी बात खुलकर रखी, पहली वेतन असमानता और दूसरी 40 की उम्र के बाद अभिनेत्रियों के लिए बदलते अवसर। अपना नजरिया साझा करते हुए चित्रांगदा सिंह ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री ने काफी तरक्की की है, लेकिन बदलाव होने में समय लगता है।

एक्ट्रेस ने कहा कि पहले के मुकाबले अब महिला और पुरुष कलाकारों के वेतन में जो बड़ा अंतर था, वह थोड़ा कम हुआ है। चित्रांगदा ने कहा, धीरे-धीरे काफी कुछ बदला है, लेकिन ऐसे बदलावों में वक्त लगता है। रानी मुखर्जी, विद्या बालन, कृति सेनन और तब्बू जैसी अभिनेत्रियों ने इसे बेहतर बनाने में अपनी बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अब कलाकारों की फीस उस हिसाब से तय हो रही है कि कौन सा अभिनेता या अभिनेत्री ज्यादा दर्शकों को थिएटर तक खींच पाता है। 40 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए रोल मिलने के मुद्दे पर बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने माना कि पहले इस उम्र की महिलाओं के लिए खास रोल नहीं लिखे जाते थे, इसलिए कुछ सीमाएं अभी भी हैं, पर हालात पहले से बेहतर हैं। उन्होंने कहा, अब अनुभवी एक्ट्रेस के लिए भी अच्छे किरदार लिखे जा रहे हैं। उन्होंने करीना कपूर का उदाहरण देते हुए कहा, वह इस समय सबसे दिलचस्प और दमदार काम कर रही हैं। एक्ट्रेस के अनुसार, अब काम का तरीका बदल रहा है। अलग-अलग उम्र के एक्टर्स को उनके हिसाब से नए और अलग तरह के मौके दिए जा रहे हैं। उम्र को देखकर रोल कम करने की बजाय, हर उम्र के लिए सही और खास रोल बनाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी के लिए काम कम हो रहा है। बस, अब अलग तरह के रोल लिखे जा रहे हैं। जैसे कि कोई 20 साल की लड़की को 40 साल वाली महिला का किरदार नहीं दे सकते और 40 साल की महिला को 20 साल वाली लड़की की भूमिका नहीं दे सकते। वर्कफ्रंट की बात करें तो चित्रांगदा सिंह हाल ही में तरुण मनसुखानी की कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आईं। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, जैकलीन, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर और फरदीन खान जैसे कई मशहूर कलाकार भी हैं।

तमिल डेब्यू पर बोलीं मिथिला पालकर

अभिनेत्री मिथिला पालकर फिल्म ओहो एंथन बेबी के साथ तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नई भाषा में प्रदर्शन करना उनके लिए एक ऐसा चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा नहीं था। मिथिला ने बताया कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह हमेशा ऐसी चीजें करने की कोशिश करती हैं, जो उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाए। उन्होंने कहा, यह मुझे न केवल पेशेवर रूप से बल्कि व्यक्तिगत रूप में आगे बढ़ने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि एक नई भाषा सीखना और उसमें अभिनय करना उनके लिए एक ऐसी चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सोचा था। लिटिल थिंग्स, कारवां और चॉपस्टिक्स के लिए मशहूर मिथिला ने कहा कि उन्हें अब तक हिंदी और मराठी में ही काम करने का मौका मिला था। बता दें कि तमिल फिल्म ओहो एंथन बेबी में मिथिला के अगेंस्ट रुद्र मुख्य भूमिका में रहेंगे। फिल्म का पहला पोस्टर मई में रिलीज किया गया था।

कृष्णकुमार रामकुमार द्वारा निर्देशित रोमांटिक-कॉमेडी ओहो एंथन बेबी में दर्शकों को प्यार और रिश्तों पर एक नया और अनोखा नजरिया देखने को मिलेगा। मिथिला ने ओहो एंथन बेबी की शूटिंग पूरी करने के बारे में कहा, यह यात्रा वास्तव में मेरे लिए खास रही है, न केवल इसलिए कि यह मेरी पहली तमिल फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि मुझे उन अविश्वसनीय लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने कहा, तमिल में लाइनें सीखना भले ही मेरे लिए एक चुनौती थी, लेकिन मैंने इसमें हर पल का भरपूर आनंद लिया। मेरे सह-कलाकार रुद्र, मेरे निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार और पूरी कास्ट और क्रू ने मेरा अच्छे से स्वागत किया और मुझे बिल्कुल घर जैसा महसूस कराया, भले ही मैं यह भाषा नहीं बोल पाती थी।

सूबेदार में दिखेगा जोश और जूनून का असली रंग, पूर्व फौजी के किरदार में दिखेंगे अनिल कपूर

मेगास्टार अनिल कपूर सुबेदार में एक जबरदस्त, हाई-वोल्टेज प्रदर्शन के लिए तैयार हैं — यह एक दमदार एक्शन-ड्रामा है, जिसका निर्देशन जलसा फेम सुरेश त्रिवेणी ने किया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ होने जा रही इस सीरीज़ को लेकर पहले से ही ज़बरदस्त उत्साह बना हुआ है। इसमें अनिल कपूर निभा रहे हैं अर्जुन सिंह की भूमिका — एक पूर्व फौजी, जो अब जंग के मैदान से परे एक अलग ही संघर्ष से जूझ रहा है। कहानी भारत के बीहड़ इलाकों में बसी है, और यह एक ऐसे इंसान की मानसिक स्थिति में गहराई से उतरती है जो युद्ध की यादों से पीड़ित है, अपनी बेटी (राधिका मदान द्वारा निभाया गया किरदार) से टूटे रिश्ते का बोझ उठाए हुए है, और एक बिखरते समाज से मोहभंग कर चुका है। जंग भले खत्म हो चुकी हो, लेकिन अर्जुन सिंह के लिए युद्ध अब भी जारी है — अब यह उसकी निजी लड़ाई बन चुकी है। जब से अक्टूबर 2024 में सुबेदार की शूटिंग शुरू हुई है, तब से ही इस प्रोजेक्ट को लेकर गहमागहमी तेज़ हो गई है। जब अनिल कपूर ने पहली बार सीरीज़ से अपने लुक की एक झलक दिखाई, तो इसने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी - एक ऐसा लुक जो नेचुरल, थका हुआ, और अंदर ही अंदर उबलते गुस्से से भरा हुआ है। इस पोस्ट का कैप्शन था- अभी तो हाथ उठे ही कहाँ हैं, ये तो बस तैयारी है — जो उनके किरदार अर्जुन सिंह की तीव्रता की एक झलक भर थी। यह भूमिका शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण है, जिसमें खामोशी, धमाकेदार एक्शन और अंतर्मन की घमासान का मिश्रण है। और अगर कोई इस तरह के बहुआयामी किरदार को परदे पर ला सकता है, तो वह अनिल कपूर हैं, जो हर प्रदर्शन के साथ अपनी कला को नया रूप देते रहते हैं। अनिल कपूर अपनी ट्रेडमार्क तीव्रता और अभिनय की गहराई सुबेदार को एक ऐसा अनुभव बनाएगे जो न केवल दर्शकों, बल्कि समीक्षकों के दिलों को भी छू जाएगा। उत्सुकता स्पष्ट है, फैन्स पहले ही अर्जुन सिंह के इस सफ़र को लेकर अटकलें लगाने लगे हैं — आगे क्या मोड़ आएंगे, ये जानने को सब बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

सिंगिंग पर काम कर रहे आदित्य रॉय कपूर, बोले- जल्द रिलीज करूंगा कुछ खास

अभिनेता आदित्य रॉय कपूर की अपकमिंग फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। अभिनेता एक्टिंग के साथ-साथ म्यूजिक के शौक के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने बताया कि वह जल्द ही अपने नए गाने को रिलीज करने वाले हैं। उन्होंने अपने गाए गाने को बेहद खास भी बताया।

उन्होंने बताया कि 'मेट्रो...इन दिनों' में एक गाना गाया है, जिस पर वह काम कर रहे हैं और जल्द ही उसे रिलीज करेंगे। बातचीत में आदित्य ने कहा, मैं लंबे समय से म्यूजिक के बारे में और इस पर काम करने को लेकर विचार कर रहा था, लेकिन अब मैं वाकई स्टूडियो में इस पर काम कर रहा हूं। जल्द ही मेरा म्यूजिक रिलीज होगा। उन्होंने बताया कि फिल्म में गाना गाने का उनका अनुभव एकदम नया है। अभिनेता ने कहा, मैंने मेट्रो...इन दिनों में गाना गाया है और प्रीतम दा और अनुराग दा को यह पसंद आया। यह मेरे लिए पहला मौका है, जो बेहद खास है।

अभिनेता आदित्य रॉय कपूर ने इससे पहले आईएएनएस से खास बातचीत में बताया था कि वह खुद अपने काम के आलोचक हैं और ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि वह अपने अभिनय से संतुष्ट हुए हों। हालांकि, समय के साथ उन्होंने यह सीख लिया कि अपने काम को लेकर ज्यादा तनाव नहीं लेना चाहिए और निर्देशक पर भरोसा करना चाहिए। जब आदित्य से पूछा गया कि वह अपने परफॉर्मेंस को कैसे आंकते हैं, तो उन्होंने बताया कि वह अपने काम को लेकर खुद से आलोचना करते हैं। अभिनेता ने महसूस किया है कि उतार-चढ़ाव की भावना हमेशा उसके साथ रहेगी, इसलिए उस पर ज्यादा सोचने या परेशान होने का कोई फायदा नहीं है। बस इसे स्वीकार कर लेना चाहिए।

अनुराग बसु के निर्देशन में बनी मेट्रो...इन दिनों आधुनिक रिश्तों और प्यार के रास्ते में आने वाली मुश्किलों को दिखाने वाली फिल्म है। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर के साथ सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले बनी इस फिल्म का संगीत प्रीतम ने तैयार किया है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु ने फिल्म का निर्माण किया है। 4 जुलाई को मल्टीस्टारर फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'मगधीरा' से लेकर 'सिंघम' तक काजल ने निभाए उम्दा किरदार

साउथ-हिंदी फिल्मों में खूब जमाया रंग

काजल अग्रवाल के फिल्मी करियर को लगभग बीस साल हो चुके हैं। यह एक्ट्रेस मेगा बजट हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में लगातार अभिनय करती रही हैं। दोनों ही जगह काजल ने उम्दा किरदार निभाए। काजल अग्रवाल का जन्मदिन के मौके पर जानिए, उनके कुछ चर्चित किरदारों और फिल्मों के बारे में।

काजल अग्रवाल ने अपने करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म 'क्यों हो गया ना (2004)' से की। इस फिल्म में काजल ने ऐश्वर्या राय की बहन का रोल किया। मगर इसके बाद काजल ने सीधा दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया। अपने बीस साल के करियर में कई बड़ी साउथ फिल्में काजल अग्रवाल ने की हैं। साथ ही कुछ हिट हिंदी फिल्मों में भी वह नजर आईं।

साउथ की इन चर्चित फिल्मों में दिखीं काजल

मगधीरा – बाहुबली से पहले एसएस राजामौली ने फिल्म 'मगधीरा (2009)' बनाई। यह एक तेलुगू फैंटेसी एक्शन ड्रामा फिल्म थी। फिल्म में लीड रोल में राम चरण थे। साथ ही इस फिल्म में काजल अग्रवाल ने एक राजकुमारी का किरदार निभाया था। फिल्म में पुनर्जन्म के बाद वह एक आम लड़की रोल में भी नजर आती हैं।

आर्या 2 – साल 2009 में ही काजल अग्रवाल ने अल्लू अर्जुन के साथ एक रोमांटिक एक्शन फिल्म 'आर्या 2' की। इस फिल्म को पुष्पा फेम डायरेक्टर सुकुमार ने निर्देशित किया था। फिल्म में एक वर्किंग वुमन के रोल में काजल अग्रवाल नजर आईं।

विवेगम – साल 2017 में रिलीज हुई अजित कुमार की फिल्म 'विवेगम' में भी काजल अग्रवाल ने लीड रोल निभाया। वह अजित के किरदार की पत्नी के रोल में दिखीं। इन फिल्मों के अलावा भी काजल ने कई हिट साउथ इंडियन फिल्मों में काम किया, वह लगभग सभी बड़े साउथ स्टार्स के साथ एक्टिंग कर चुकी हैं।

कन्नप्पा – जल्द ही रिलीज होने वाली तेलुगू फिल्म 'कन्नप्पा' में भी काजल अग्रवाल नजर आएंगी। इस माइथोलॉजिकल फिल्म में वह माता पार्वती के रोल में दिखेंगी। वहीं शिव भगवान के रोल में अक्षय कुमार नजर आएंगे।

काजल अग्रवाल की पर्सनल लाइफ

करियर से हटकर काजल अग्रवाल की पर्सनल लाइफ की बात की जाए तो उन्होंने साल 2020 में गौतम किचलू ने शादी की। साल 2022 में काजल ने बेटे को जन्म दिया, उसका नाम नील रखा है। शादी, प्रेग्नेंसी के कारण छोटे-छोटे ब्रेक काजल अग्रवाल ने लिए, मगर वह अभिनय से दूर बिल्कुल नहीं गईं।

सोशल मीडिया पर अच्छी-खासी फॉलोइंग

काजल अग्रवाल की सोशल मीडिया पर भी फैन फॉलोइंग जबरदस्त है। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर लगभग 26 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वह अपने लाइफ के छोटे-बड़े अपडेट्स फैंस के साथ साझा करती हैं। अपनी तस्वीरें, लुक्स भी सोशल मीडिया पर खूब साझा करती हैं।

इन हिट हिंदी फिल्मों में काजल ने किया अभिनय

कुछ महीनों पहले काजल अग्रवाल सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' में भी नजर आईं। फिल्म में रश्मिका मंदाना भी थी लेकिन काजल का रोल भी काफी अहम था। एआर मुरुगदास ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया था। साल 2011 में काजल अग्रवाल ने अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम' में काव्या का किरदार निभाया था। इस फिल्म को रोहित शेट्टी ने निर्देशित किया। साल 2013 में काजल अग्रवाल अक्षय कुमार की फिल्म 'स्पेशल 26' में नजर आईं। फिल्म को नीरज पांडे ने निर्देशित किया था। फिल्म में वह अक्षय की लवर के रोल में थीं। काजल अग्रवाल ने रणदीप हुड्डा के साथ एक रोमांटिक फिल्म 'दो लफ्जों की कहानी (2016)' की थी। इसमें वह एक अंधी लड़की के रोल में दिखीं। दीपक तिजोरी इस फिल्म के निर्देशक थे। अगले साल काजल अग्रवाल नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' में मंदोदरी के किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म की इन दिनों शूटिंग चल रही है।

लीड्स में ऋषभ पंत का पंच, धोनी का रिकॉर्ड किया ध्वस्त इंग्लैंड में रचा इतिहास

लंदन (एजेंसी)। लीड्स ÷इंग्लैंड के लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों का जलवा लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। पहले दिन यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल ने बेहतरीन शतक लगाकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। वहीं, दूसरे दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ऐतिहासिक शतक जड़ा।

पंत ने दूसरे दिन के पहले ही सत्र में 146 गेंदों पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। यह तीसरी बार है जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में छक्के से शतक पूरा किया है। दिलचस्प बात यह है कि तीनों बार उन्होंने इंग्लैंड के ही स्पिन गेंदबाजों–आदिल राशिद, जो रूट और शोएब बशीर की गेंद पर यह कारनामा किया है। यह पंत का टेस्ट करियर का सातवां शतक है।

तोड़ा धोनी का रिकॉर्ड

इस शतक के साथ ऋषभ पंत ने महेंद्र सिंह धोनी का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पंत अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए हैं। धोनी ने अपने करियर में 90 टेस्ट मैचों में 6 शतक लगाए थे, जबकि पंत ने सिर्फ 44 टेस्ट मैचों में ही 7 शतक पूरे कर लिए हैं।

यह पंत का इंग्लैंड की सरज़मीं पर तीसरा टेस्ट शतक है और स्ध्रद्व देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में कुल मिलाकर उनका पांचवां शतक है। इससे साफ जाहिर होता है कि विदेशी पिचों पर उनका बल्ला खूब बोलता है।

टेस्ट क्रिकेट को अब भी पहली प्राथमिकता देते हैं स्मिथ

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ का कहना है कि वह टेस्ट क्रिकेट को अब भी सबसे पहली प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप (डबल्यूटीसी) शुरु होने के बाद ये रोमांच और बढ़ा है। अब वह घर पर इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज खेलने को लेकर उत्साहित हैं। साथ ही कहा कि मुझे लगता है कि मैं अब भी उस स्तर पर काफी कुछ योगदान दे सकता हूं। इस बल्लेबाज ने अबतक 116 टेस्ट मैचों में 56.74 की औसत से 10271 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 36 शतक और 41 अर्धशतक बनाये हैं। स्मिथ अब रिकी पोंटिंग के 13378 रनों से आगे निकलना चाहेंगे। इसके अलावा उनकी नजरें सचिन तेंदुलकर के 51 टेस्ट शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने पर भी होंगी। स्मिथ ने अपने करियर की शुरुआत एक लेग स्पिनर के रूप में की थी। स्मिथ ने जुलाई 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर अपना टेस्ट डेब्यू करते हुए आठवें नंबर पर बल्लेबाजी की थी पर पांच साल बाद ही वह ऑस्ट्रेलिया के कप्तान बन गये। इसके अलावा वह दुनिया के नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज भी बन गये। उनका करियर विवादों में भी रहा है। मार्च 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़खानी विवाद के कारण स्मिथ को एक साल के लिए प्रतिबंधि कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें कप्तानी से भी बाहर कर दिया गया था।

इस क्रिकेटर का भारतीय टीम के खिलाफ भी काफी अच्छा रिकार्ड रहा है। वह भारतीय गेंदबाजों के लिए हमेशा ही परेशानी साबित हुए हैं। स्मिथ का रिकार्ड भारतीय टीम के के खिलाफ काफी अच्छा रहा है। 2015 एकदिवसीय विश्वकप की बात करें या 2023 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल सहित कई मैचों में स्मिथ के कारण ही भारतीय टीम जीत हासिल नहीं कर पायी। डब्लयूटीसी फाइनल 2023 में स्मिथ ने 121 रन बनाए थे।

जायसवाल और गिल की शानदार पारी से मिल रहे अच्छे संकेत

–पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने की भारतीय बल्लेबाजों की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भारतीय बल्लेबाजों की सराहना की, खासकर कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जिन्होंने शतक लगाकर इंग्लैंड के हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन के अंत में भारत को 359/3 तक पहुंचाया। जायसवाल और गिल ने शानदार शतक लगाकर विराट कोहली-रोहित शर्मा के बाद के युग में बल्लेबाजी को संभालने की तैयारी का ऐलान कर दिया है। गिल और जायसवाल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत 92/2 से 221 तक पहुंच गया।

गांगुली ने शुक्रवार रात ट्वीट करते हुए लिखा- आज भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा था? सीरीज के पहले दिन शुभमन गिल की टेस्ट मैच बल्लेबाजी में विदेशी परिस्थितियों में बहुत सुधार हुआ है। फिर से शानदार एक गुणवत्ता वाली टीम दिखी। एक लंबी सीरीज का इंतजार है। जायसवाल ने 144 गेंदों में अपने करियर का पांचवां शतक पूरा किया, जबकि गिल ने 140 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, लेकिन दोनों ने यह मुकाम अलग-अलग तरीके से हासिल किया। जायसवाल ने अपनी स्वाभाविक शैली को छोड़ दिया, क्योंकि पहले सत्र में अंग्रेजी गेंदबाजों को मूवमेंट और कैरी का फायदा मिला। गिल और जायसवाल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत 92/2 से 221 तक पहुंचा दिया, जब केएल राहुल और डेब्यूटेंट साई सुदर्शन जल्दी आउट हो गए थे।

ऋषभ पंत खेल समाप्ति तक गिल के साथ क्रीज पर जमे थे, लेकिन जायसवाल और गिल के शतकों का महत्व सिर्फ पहले दिन की बढ़त देने तक सीमित नहीं था। यह भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप अनुभव में थोड़ी कमजोर है, क्योंकि हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने संन्यास ले लिया है। जायसवाल और गिल टेस्ट क्रिकेट में नए नहीं हैं, लेकिन अगर जायसवाल और गिल की आज की पारी को देखा जाए तो संकेत काफी उज्ज्वल नजर आ रहे हैं।

बल्लेबाजी करने में आया मजा, अच्छी तैयारी की थी जड़ा शतक

यशस्वी ने कहा- पहला दिन बढ़िया रहा, गिल संयमित और शांत होकर खेले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (101 रन) ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के पहले दिन शतक जड़ने के बाद कहा कि उन्होंने इस पारी का पूरा लुत्फ उठाया। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 127 रन) और जायसवाल के शानदार शतकों की मदद से भारत ने पहले दिन तीन विकेट खोकर 359 रन बना लिए हैं। उप कप्तान ऋषभ पंत 65 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

जायसवाल ने कहा कि पहला दिन बहुत बढ़िया रहा। सभी ने बहुत अच्छा खेला। इंग्लैंड की परिस्थितियों में क्रीज पर जाकर बल्लेबाजी करने में आनंद आया। मैंने बहुत अच्छी तरह से तैयारी की थी। हाल के दिनों में बहुत अच्छे अभ्यास सत्र थे हमनें कई मैच खेले। इसलिए यह पारी सरल तरीके से खेली। उन्होंने कहा कि गिल ने शानदार प्रदर्शन किया। वह संयमित और शांत रहे। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। गिल ने 56 गेंद में अपना आठवां अर्धशतक लगाया। यह भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में गिल का पहला अर्धशतक है। भारत ने दूसरे सत्र में एक भी विकेट नहीं गंवाया। लंच से पहले केएल राहुल (42 रन) और इस मैच से डेब्यू करने वाले बी साई सुदर्शन के विकेट गिरे। सुदर्शन खाता भी नहीं खोल सके। जायसवाल ने संयमित होकर बल्लेबाजी की, विशेषकर ऑफ स्टंप के बाहर जबकि वह सामान्यत÷ गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। हाल में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए खेलते बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने जो गलतियां की थीं, उन्हें इस पारी में नहीं दोहराया।

पहले गेंदबाजी चुनने को लेकर इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स पर भड़के वॉन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेन स्टोक्स ने हेडिंग्ले में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पूर्व इंग्लैंड कप्तान माइकल वॉन बेन स्टोक्स के भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में पहले गेंदबाजी करने के फैसले से 'हैरान' थे। वॉन का मानना था कि सूखी पिच और धूप में पहले बल्लेबाजी करना 'आसान' था, लेकिन स्टोक्स ने आंकड़ों और इतिहास को ज्यादा महत्व दिया और गेंदबाजी का फैसला किया।

वॉन ने कहा कि मैं थोड़ा पुरानी सोच का हूं, खासकर लीड्स में जब धूप होती है, तो यह एक आसान फैसला होता है, खासकर टेस्ट मैच की तैयारी और पिच की स्थिति को देखते हुए। मैं हैरान थाज्जब मैंने सुना कि वह पहले गेंदबाजी करने जा रहे हैं। मैंने सोचा कि ट्रेंड को खत्म कर दिया गया है। इंग्लैंड ने हाल के समय में यहां लक्ष्य का पीछा करते हुए कई बार जीत हासिल की है, लेकिन आपको हमेशा उस समय के हिसाब से फैसला लेना होता है।

वॉन ने कहा कि स्टोक्स की भावना इस बार काम नहीं आई। आप इंग्लैंड की टीम की ताकत देखें, तो वह वास्तव में बल्लेबाजी में है। बेन के पास एक आंतरिक भावना थी, मुझे लगता है और हाल के समय में यह काम किया है। बता दें इंग्लैंड के पास

स्टोक्स के दो विकेट और ब्राइडन कार्स ने एक विकेट लिया। ये तीनों भारतीय बल्लेबाजों की गलतियों के कारण मिले। टॉस के समय स्टोक्स ने कहा कि वह शुरुआती परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहते थे, जबकि टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने भी कहा कि वह पहले गेंदबाजी करना पसंद करते हैं, लेकिन पिच जल्दी ही स्थिर हो गई और बल्लेबाजों ने इसका पूरा फायदा उठाया। गिल 127 (175) पर नाबाद, जबकि ऋषभ पंत (65 रन, 102 गेंद) के साथ नाबाद क्रीज पर हैं।

पीसीआई ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए कंगना को बनाया ब्रांड एबेसडर

नई दिल्ली। देश में इसी साल 26 सितंबर से पांच अक्टूबर तक विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। इसमें 100 से अधिक देशों के एथलीट शामिल होंगे। इस चैंपियनशिप के लिए अभिनेत्री कंगना रनौत को ब्रांड एबेसडर नियुक्त किया गया है।' वहीं इससे उत्साहित कंगना ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई)का धन्यवाद देते हुए कहा, ''भारत के पैरा एथलीट हर दिन क्या संभव है, इसे फिर से लिख रहे हैं। मैं उनका समर्थन करने और उनकी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। पैरा खेल केवल प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं है बल्कि यह साहस और जुनून के बारे में हैं और मुझे हमारे चैंपियन खिलाड़ियों के पीछे खड़े होने पर गर्व है।'' वहीं पीसीआई के अध्यक्ष और पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण विजेता रहे देवेंद्र झझारिया ने कंगना को चैंपियनशिप के लिए ब्रांड एबेसडर बनाये जाने पर कहा कि खिलाड़ियों के प्रति उनका जुनून, प्रभाव और प्रतिबद्धता उन्हें इस सम्मान के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है।

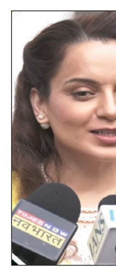

विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनेंगे जेनसन : पोंटिंग

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका भविष्य उज्जवल है। पोंटिंग के अनुसार आने वाले समय में जेनसन विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे। पोंटिंग ने आईपीएल में जेनसन को कोचिंग देने के दौरान उनके कौशल को देखा था। पोंटिंग ने कहा किजेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक है जिसका लाभ भी उन्हें मिलता है। इसके साथ ही उनके काफी प्रतिभा भी है। उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में कगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक बेहतरीन तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई, जिसने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले ही दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को धवस्त कर दिया था। रबाडा के कारण हालांकि लोगों का ध्यान जेनसन की गेंदबाजी की ओर नहीं गया पर ये भी ध्यान रखना चाहिये कि उनकी गेंदबाजी से जो दबाव बना था उससे ही रबाडा को विकट लेने में आसानी हुई। बाएं हाथ के जेनसन ने मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड जैसे स्टार बल्लेबाजों को आउट किया था। फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के बाद भी जिस प्रकार वह गेंदबाजी के लिए वापस आये उससे भी उनके अंदर का जुनून दिखता है। वह अनुभवी बल्लेबाजों के खिलाफ भी निडर होकर गेंदबाज करते करते दिखे। दक्षिण अफ्रीकी टीम की जीत में उनकी भूमिका को कम आंकना भूल होगी।

सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे टेनिस खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम से खेलने को प्राथमिकता दें : साई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार से वित्तीय मदद लेने वाले टेनिस खिलाड़ियों को अब राष्ट्रीय टीम से खेलने से इंकार करना महंगा पड़ सकता है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने का है कि कई योजनाओं के जरिए वित्तीय सहायता हासिल करने वाले टेनिस खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम से खेलने को प्राथमिकत देनी होगी। वहीं अगर वे बिना किसी कारण के खेलने से इंकार करते हैं तो उनपर कार्रवाई होगी और उनसे धनराशि वसूली जाएगी। साई ने टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) के तहत मदद के लिए चयनित किये गए खिलाड़ियों को लिखित में देने को कहा है कि वित्तीय सहायता प्राप्त करने के बाद राष्ट्रीय टीम की ओर से बेतर प्रदर्शन के प्रयास करना भी उनकी जिम्मेदारी है।

ये मामला तब सामने आया जब टीएजीजी में शामिल करने के लिए खिलाड़ियों के नामों पर चर्चा की गई। साई ने अपने आदेश में टॉप्स, एनएसएफ और टीएजीजी योजनाओं के अंतर्गत मदद हासिल करने वाले खिलाड़ियों से कहा कि वे डेविस कप, बिली जीन किंग कप, एशियाई खेल और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध रहें।

साइ के आदेश के अनुसार वित्तीय सहायत हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों को अगर अखिल भारतीय टेनिस महासंघ द्वारा चुना जाता है तो वे देश की ओर से खेलने को पहली प्राथमिकता दें। साथ ही कहा कि अगर वे बिना किसी वैध कारण के इन टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला करते हैं तो उनको दी गयी वित्तीय सहायता वापसी ली जा सकती है।

गौरतलब है कि टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम की तरह ही एशियाई खेलों में भारत के पदकों को बढ़ाने के लिए टीएजीजी को इस साल शुरु किया गया है। वहीं पिछले कुछ समया में कई खिलाड़ियों ने सरकारी सहायता लेने के बाद भी डेविस कप सहत कुछ अन्य मुकाबलों में भाग लेने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद से ही साइ इस मामले को लेकर गंभीर हो गया है।

भूटिया के आरोप निराधार, एआईएफएफ की छवि को कर रहे खराब : चौबे

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे के बीच तनाव और बढ़ गया है। इस तनाव के बीच भूटिया को कल्याण ने एआईएफएफ की 2 जुलाई को होने वाली बैठक में आमंत्रित किया है। भूटिया को 2022 में एआईएफएफ के अध्यक्ष के चुनाव में कल्याण चौबे ने हरा दिया था। इसके बाद भूटिया उनके आलोचक रहे हैं। हाल के दिनों भारतीय फुटबॉल टीम का प्रदर्शन खराब रहा है, जिसके बाद वह और ज्यादा आक्रामक हो गए। कल्याण चौबे ने कहा कि हम दो नारों में विश्वास करते हैं– पहला फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है और दूसरा भारतीय फुटबॉल एक साथ आगे बढ़ें। ये नारे हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि एक साथ काम करके हम भारतीय फुटबॉल को और ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।। उन्होंने कहा कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहां हर नागरिकों को बोलने की स्वतंत्रता का संवैधानिक अधिकार है। एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में बाइचुंग भूटिया के पास अपने विचार व्यक्त करने, चिंताओं को उठाने और कई एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठकों में भारतीय फुटबॉल के विकास और प्रदर्शन की दिशा में रचनात्मक योगदान देने के लिए एक उपयुक्त और सशक्त मंच तक पहुंच है। उन्हें 2 जुलाई की बैठक में बुलाया गया है। चौबे ने कहा कि यह देखा गया है कि सितंबर 2022 के चुनावों में हार के बाद से भूटिया ने जानबूझकर एआईएफएफ पर निराधार आरोप लगाए हैं और महासंघ की विकृत छवि पेश की है। चौबे ने कहा कि इस तरह की हरकतें न केवल महासंघ की प्रतिष्ठा को धूमिल करती हैं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय फुटबॉल पर नकारात्मक रौशनी भी डालती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय फुटबॉल की विकास और बेहतरी के लिए एआईएफएफ हमेशा भूटिया के रचनात्मक सुझावों का स्वागत करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ज्यादातर कार्यकारी समिति की बैठकों में उनका योगदान मुख्य रूप से ठोस प्रस्ताव पेश करने की बजाय पूरे बोर्ड द्वारा सामूहिक रूप से लिए गए फैसलों का विरोध करने पर केंद्रित है। चौबे ने 13 जून को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बाइचुंग भूटिया द्वारा संचालित वाणिज्यिक फुटबॉल अकादमियों की सीरीज की आलोचना की थी और फुटबॉल स्कूलों पर परिवारों की भावनाओं से खेलकर अनुचित लाभ उठाने का आरोप लगाया था। चौबे द्वारा लगाए आरोपों का भूटिया ने जवाब देते हुए कहा था कि एआईएफएफ एक सर्कस में बदल गया है और कल्याण चौबे जोकर की तरह काम कर रहे हैं।

चोपड़ा ने वेबर को हराकर दो साल में पहला डायमंड लीग खिताब जीता

मुम्बई (एजेंसी)। ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा ने यहां 90 मीटर की दूरी पार किए बिना ही जर्मनी के अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर को हराकर दो साल में अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता।

शुक्रवार देर रात संपन्न प्रतियोगिता में 27 वर्षीय चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 88.16 मीटर की दूरी तय करके खिताब जीता। इस प्रतियोगिता में कई स्टार खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिसने पांच ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो 90 मीटर की दूरी तय कर चुके हैं। चोपड़ा का दूसरा थ्रो 85.10 मीटर का था और इसके बाद उन्होंने अपने अगले तीन प्रयासों में फाउल किया।उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 82.89 मीटर का थ्रो किया। वेबर 87.88 मीटर के अपने शुरुआती प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ब्राजील के लुईज़ मौरिसियो दा सिल्वा ने 86.62 मीटर के अपने तीसरे प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। लगातार दो ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने बाद में प्रसारणकर्ता से कहा, ''मैं अपने थ्रो से खुश हूं। आज मेरा रन अप बहुत तेज था। मैं अपनी गति पर नियंत्रण नहीं रख सकता, लेकिन मैं परिणाम और पहले स्थान पर रहकर खुश हूं।'' चोपड़ा ने डायमंड लीग में अपना आखिरी खिताब जून 2023 में लुसाने में 87.66 मीटर के थ्रो के साथ जीता था। उसके बाद वह डायमंड लीग कीछह प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहे थे। हरियाणा के इस स्टार खिलाड़ी ने डायमंड लीग के पेरिस चरण में पहली बार जीत हासिल की। उन्होंने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे।

करुण नायर की वापसी बनी निराशा की कहानी, आठ साल बाद भी खाता नहीं खोल पाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। करुण नायर की टेस्ट क्रिकेट में आठ साल बाद वापसी उस वक्त एक कड़वा सपना बनकर रह गई जब वह लीड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के खिलाफ चौथी ही गेंद पर शून्य पर आउट हो गए। 33 वर्षीय करुण नायर ने अपना पिछला टेस्ट मैच दिसंबर 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था, जब उन्होंने नाबाद 303 रन बनाकर तहलका मचा दिया था। लेकिन इस बार मैदान पर कहानी बिलकुल उलट रही।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की बाहर जाती फुल लेंथ गेंद पर नायर ने कवर ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके बल्ले के अनुरूप नहीं बैठी। ओली पोप ने बाईं ओर हवा में डाइव लगाते हुए दोनों हाथों से शानदार कैच लपक लिया। यह कैच न सिर्फ तकनीकी रूप से उम्दा था बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी करुण नायर के लिए झटका साबित हुआ। वहीं इसी मैच में डेब्यू कर रहे साई सुदर्शन भी सिर्फ चार गेंदें खेलकर बिना खाता खोले आउट हुए और उन्हें भी पवेलियन भेजने वाले गेंदबाज बेन स्टोक्स ही थे।

करुण नायर के चयन की कहानी भी खास रही। रणजी ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में विदर्भ के लिए उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया और भारत ए की ओर से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मैचों में भी नंबर तीन और चार पर बल्लेबाजी की थी। इसके बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया। हालांकि हेडिंग्ले टेस्ट में उन्हें नंबर छह पर बल्लेबाज़ी के लिए भेजा गया, जहां वह अपनी जगह पक्की नहीं कर सके।

करुण नायर ने अपने टेस्ट करियर में अब तक सात मैच खेले हैं और वह नाबाद तिहरा शतक बनाने वाले कुछ चुनिंदा भारतीय बल्लेबाजों में शामिल हैं। लेकिन आठ साल बाद मैदान पर लौटने की उनकी उम्मीदें केवल चार गेंदों में ही दम तोड़ गईं। खास बात यह भी रही कि टेस्ट टीम से बाहर रहने के दौरान करुण नायर ने कुल 402 टेस्ट मिस किए, जो भारतीय मेंस टीम के लिए एक खिलाड़ी द्वारा मिस किए गए टेस्टों की सबसे बड़ी संख्या है। अब देखना होगा कि क्या टीम मैनेजमेंट उन्हें अगला मौका देता है या यह वापसी उनके करियर का अंतिम अध्याय बन जाएगी।

पीमियर लीग फुटबॉल सत्र 15 अगस्त से शुरु होगा

लंदन । पीमियर लीग फुटबॉल का 2025-26 सत्र 15 अगस्त से शुरु होगा। प्रीमियर लीग प्रबंधन ने इसकी घोषिणा करते हुए कहा है कि पहले मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन लिवरपूल का मुकाबला एनफील्ड में बोर्नमाउथ से होगा। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड को ओल्ड ट्रैफर्ड में आर्सेनल का सामना करना होगा। एक अन्य मुकाबले में बोर्नमाउथ के खिलाफ़ शुरूआत के बाद लिवरपूल अपने खिताब को बचाने के प्रयास करेगा। वहीं दूसरे सप्ताह में न्यूकैसल से मुकाबले के बाद आर्सेनल के खिलाफ़ उसका एक घरेलू मुकाबला होगा। वहीं आर्सेनल को अपने पहले छह मैचों में मैनचेस्टर यूनाइटेड, लिवरपूल, मैनचेस्टर सिटी और न्यूकैसल से खेलना होगा। दूसरी ओर अपने सातवें लीग खिताब के लिए उतरने वाली मैनचेस्टर सिटी 16 अगस्त को अपने पहले मैच में वॉल्व्स के खिलाफ़ उतरेगी।